नई सोच, नई पहल

पुष्पांजली टुडे

राष्ट्रीय मासिक पत्रिका

वर्ष : 08 अंक : 04 अप्रैल 2022 मूल्य: ₹ 30 पृष्ठ : 44

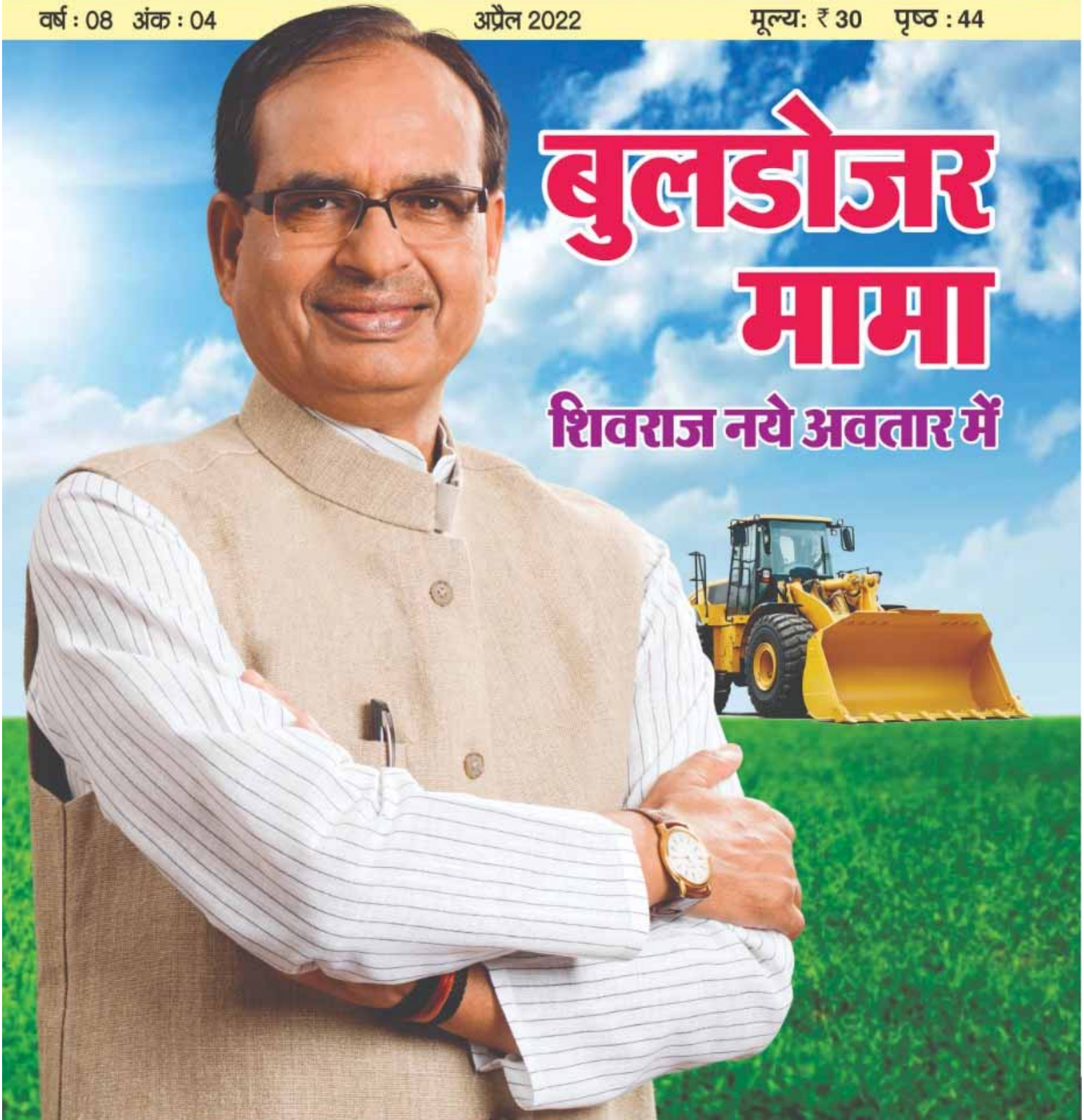

बुलडोजर मामा

शिवराज नये अवतार में

पीछा नहीं छोड़ रहा कोरोना....

अभी कोरोना पीछा छोड़ने को तैयार नहीं है। दुनिया के ज्यादातर इलाकों में संक्रमण में कमी आई है, पर संपूर्ण राहत से हम अभी काफी दूर हैं। विडंबना देखिए, जब भारत में मामले कम हुए हैं तब चीन में प्रतिदिन 13,000 से ज्यादा मामले सामने आ रहे हैं। चीन में संक्रमण न जाने किस ऊंचाई पर पहुंचने को बेताब है, मगर तारीफ करनी होगी कि उसने पूरी कड़ाई से इसके फैलाव को बहुत हद तक रोक रखा है। चीन में जो फैला है, वह एक नए प्रकार का ओमीक्रोन है, जबकि ऐसा लगता है कि भारत संक्रमण के शिकंजे से निकल आया है। भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने कहा है कि दैनिक

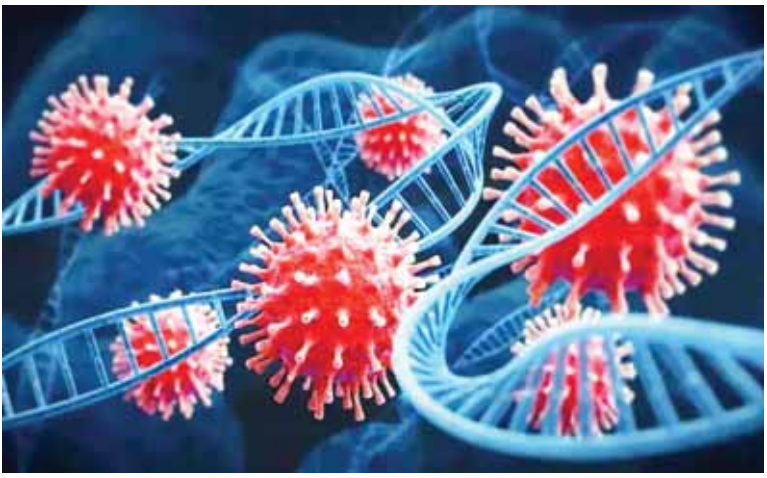

नए संक्रमणों की संख्या 715 दिनों के बाद 1,000 अंक से नीचे आई है। साथ ही, 714 दिनों के अंतराल के बाद सक्रिय मामलों की संख्या 13,000 अंक से नीचे आई है। भारत में बीमारी से उबरने वालों की संख्या 4,24,95,089 से ज्यादा हो गई है। चीन जैसी अत्यधिक कड़ाई न करने के बावजूद दो साल बाद भारत राहत की सांस ले रहा है। मौजूदा संक्रमण की लहर और लगे कड़े प्रतिबंधों के बीच चीनी नागरिकों के धैर्य की परीक्षा हो रही है। ध्यान रहे, यह ऐसा समय है, जब दुनिया का अधिकांश हिस्सा फिर से खुल गया है, पर चीन के अनेक शहरों में आंशिक या संपूर्ण लॉकडाउन की स्थिति है। चीन लॉकडाउन में ढील देकर पश्चिमी देशों की तरह कोताही नहीं करना चाहता है। वहां काम भी बाधित हुआ है और अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचा है। हालांकि, यह अच्छी बात है कि मौतों की संख्या नियंत्रित है। हम कैसे भूल जाएं, चीन ही वह देश है, जहां 2019 के अंत में वुहान में पहली बार कोरोना वायरस का पता चला था। हालांकि, दुनिया जान नहीं पाई है कि कोरोना कैसे, कहां पनपा, क्योंकि चीन ने एक अलग ही दुनिया में होने का एहसास दिलाया। गत मार्च तक उसने स्थानीय लॉकडाउन, सामूहिक परीक्षण और यात्रा प्रतिबंधों के साथ दैनिक मामलों को सफलतापूर्वक तिहरे अंकों तक नीचे रखा था। लेकिन संक्रमण के चलते जब शंघाई की सड़कें सूनी पड़ी हैं, तब भारत को सावधान रहते चीन के अनुभव से भी सीखना चाहिए।

वहीं दूसरी ओर दो साल से कोरोना के साये में सख्तियों के बीच जीने को मजबूर देशवासियों को थोड़ी और राहत मिली है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और वित्तीय राजधानी मुंबई में अब मुंह पर मास्क लगाए रखना अनिवार्य नहीं रहा। दिल्ली में मास्क न लगाने वालों पर अब जुर्माना नहीं लगाया जाएगा। महाराष्ट्र सरकार ने भी 2 अप्रैल से कोविड संबंधी सारी पाबंदियां खत्म करने का एलान किया है। पश्चिम बंगाल, तेलंगाना, कर्नाटक जैसे कई अन्य राज्यों में या तो पाबंदियां पूरी तरह हटा ली गई हैं या उनमें कमी लाई गई है या उस पर गंभीरता से विचार करने की बात कही गई है। जाहिर है, इसके पीछे कोरोना के मामलों में देश भर में आई गिरावट है। रोज सामने आने वाले नए मामलों की संख्या अब बारह से साढ़े बारह सौ के बीच आ गई है। देश में कोरोना के कुल एक्टिव मामले अभी 14307 हैं। अगर इन्फेक्शन के सभी मामलों में इसका अनुपात देखें तो यह मात्र 0.03 फीसदी बैठता है। दिल्ली में कोरोना मरीजों के लिए आरक्षित बिस्तरों में 99.4 फीसदी खाली हैं। जाहिर है, ऐसी स्थिति में कोरोना से जुड़े प्रतिबंध जारी रखते हुए लोगों की स्वाभाविक गतिविधियों में बाधा डालने का कोई मतलब नहीं बनता। इससे आर्थिक विकास की धीरे-धीरे रफ्तार पकड़ रही प्रक्रिया भी बाधित होगी। मगर सबसे बड़ी बात इस संदर्भ में यह है कि कोरोना की महामारी का स्वरूप पहले दिन से वैश्विक रहा है। इसलिए सिर्फ अपने देश की स्थितियों के आधार पर इसका मूल्यांकन नहीं किया जा सकता। और जहां तक विदेशों की बात है तो यह कई देशों में आज भी एक बड़ा खतरा बना हुआ है। खासकर चीन एकाधिक बार इसे काबू में कर लेने के बावजूद अभी एक बार फिर कई इलाकों में सख्त लॉकडाउन घोषित करने पर मजबूर हुआ है। ऐसे में इसे हम बीती हुई बात के रूप में नहीं ले सकते। संभवत- इसीलिए अपने देश में भी सरकारें पाबंदिया हटाने की घोषणा करते हुए भी नागरिकों को सलाह यही दे रही हैं कि वे मास्क पहनने और दो गज दूरी रखने जैसी सावधानियों में अपने स्तर पर कमी न आने दें। यह भी स्पष्ट है कि आम लोगों पर से भले पाबंदियां हटाई जा रही हों, अस्पतालों में आ रहे मामलों के जरिए कोरोना की स्थिति पर भी नजर रखी जाएगी और तय किए गए तबकों में तेज टीकाकरण के माध्यम से उसके खिलाफ लड़ाई भी पूरी तत्परता से जारी रखी जाएगी।

भरत सिंह चौहान

संपादक

दो साल से कोरोना के साये में सख्तियों के बीच जीने को मजबूर देशवासियों को थोड़ी और राहत मिली है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और वित्तीय राजधानी मुंबई में अब मुंह पर मास्क लगाए रखना अनिवार्य नहीं रहा। दिल्ली में मास्क न लगाने वालों पर अब जुर्माना नहीं लगाया जाएगा। महाराष्ट्र सरकार ने भी 2 अप्रैल से कोविड संबंधी सारी पाबंदियां खत्म करने का एलान किया है। पश्चिम बंगाल, तेलंगाना, कर्नाटक जैसे कई अन्य राज्यों में या तो पाबंदियां पूरी तरह हटा ली गई हैं या उनमें कमी लाई गई है या उस पर गंभीरता से विचार करने की बात कही गई है। जाहिर है, इसके पीछे कोरोना के मामलों में देश भर में आई गिरावट है।

पुष्पांजली टुडे

राष्ट्रीय हिन्दी मासिक पत्रिका

वर्ष 08, अंक 04, अप्रैल 2022

मूल्य 30 रु, पृष्ठ 44

संरक्षक	बहादुर सिंह चौहान
संपादक	भरत सिंह चौहान
प्रबंध संपादक	शैलेश सिंह कुशवाह
उप प्रबंध संपादक	राजानल शर्मा
उपसंपादक	अर्पित गुप्ता
	पुष्पेन्द्र तोमर (मप्र)
	संदीप प्रधान (मप्र)
	प्रदीप नागेन्द्र सिकरवार
	विपिन तोमर
कानूनी सलाहकार	एड. आर. के. जोशी
एडिटिंग	इमरान गौरी
राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी	आर एस रजक

रश्मि चौहान, न्यूज ऐंकर

ब्यूरो प्रमुख

जितेन्द्र सिंह	राजस्थान
पंकज त्रिपाठी	मध्य प्रदेश
अश्विनी अवस्थी	छत्तीसगढ़
नरेन्द्र शर्मा	हरियाणा
केशव प्रसाद शर्मा	चंबल संभाग
ए. के. झा	बिहार
अमित कुमार	जम्मू-कश्मीर (यूटी)
अमन राय	बर्दवान पश्चिम बंगाल
नारायण लाल	बेंगलुरु
दीपक रलहन	पंजाब
नैनाराम सिरवी	पाली, राजस्थान
अनिल कुशवाह	शिवपुरी
रीतेश कटरे	बालाघाट
सुरजीत राजावत	ग्वालियर
नीतेश शर्मा	ग्वालियर
विनोद पाठक	श्योपुर
प्रेमकिशोर शर्मा	आगरा मंडल
छोटे सिंह भदौरिया	मालनपुर
सोनू कुमार माथुर	एटा, (उत्तर प्रदेश)
प्रवेन्द्र सिंह	आगरा (उत्तर प्रदेश)
हरिनिवास दुबे	मथुरा (उत्तर प्रदेश)
रूपसिंह	इटावा, (उत्तर प्रदेश)
किरण राठौर	औरैया, (उत्तर प्रदेश)
मोहन मांझी	गोहद
अमित शर्मा	ग्वालियर
गौरीशंकर कुशवाहा	पन्ना

कार्यालय

जी. एस. प्लाजा, गोले का मंदिर ग्वालियर मध्य प्रदेश

हेल्पलाईन: 0751-4050784, 8269307478

www.pushpanjalitoday.com, Email-pushpanjalitoday@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान। कंचन प्रिंटिंग प्रेस निम्बालकर का बाड़ा, तेजी की बजरिया नियर पी.एंड.एन. बैंक नया बाजार लश्कर ग्वालियर म.प्र. से मुद्रित तथा दीपू इलेक्ट्रोनिक्स हनुमान मंदिर के पास, गोवर्धन कॉलोनी भिण्ड रोड, गोला का मंदिर जिला ग्वालियर म.प्र. से प्रकाशित। संपादक भरत सिंह चौहान। (समाचारों के चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार) दूरभाष 8269307478

महान आध्यात्मिक संत शिरोमणि श्री कृपाल सिंह जी महाराज

पुष्पांजली टुडे टीम

सादिक मिर्ज़ा	ऑल इंडिया रिपोर्टर
संतोश सिंह भदौरिया	मध्य प्रदेश
गौरव शर्मा	चम्बल संभाग
महेन्द्र शर्मा	चम्बल संभाग
सुनील सिंह तोमर	अम्बाह
अरविंद जैन	गोरमी
हरिओम परिहार	खनियाधाना
हरिओम चतुर्वेदी	ग्वालियर संभाग
अरिमर्दन सिंह भदौरिया	भिण्ड, क्राइम रिपोर्टर
शिवकांत ओझा	रौन
आदित्य सिकरवार	पोरसा
वासुदेव मिश्रा	ग्वालियर
अमित पाठक	ललितपुर उप्र
चेतना कारले	खरगोन
मुन्ना खान	खरगोन
उमाकांत शर्मा	भिण्ड
विवेक पाण्डेय	भिण्ड
बृजपाल सिंह गुर्जर	मेहगांव
अजय खंगार	टीकमगढ़
भरत राजपूत	अहमदाबाद

अनुक्रम

रूस-यूक्रेन युद्ध-	03
पाकिस्तान में सत्ता परिवर्तन:	04
फिर लागू हुई मुफ्त राशन योजना:	05
गुजरात में केजरीवाल:	06
सीएम शिवराज बुलडोजर मामा:	10
कमलनाथ के नेतृत्व में:	13
कश्मीरी पंडितों को फिर:	14
ऊर्जा मंत्री तोमर की पदयात्रा:	15
शिवपुरी पुलिस का खुलासा:	16
ग्वालियर पुलिस ने सुलझाया:	17
शिक्षक मानसिक प्रताडना:	18
संगठन गढ़े चलो:	19
इस बार गर्मी में:	22
ग्लोबल वार्मिंग:	23
अकबर के दौर का ग्वालियर:	24
दुर्गावाहिनी मातृशक्ति:	25
राव गोपाल सिंह खरवा:	27
मां पांडी पाठ माई की ख्याति:	28
भारतीय इतिहास के प्रमुख युद्ध:	32
स्वदेशी जागरण मंच:	33
महिला के विरुद्ध क्रूरता:	34
वैदिक ज्योतिष:	35
दस्तक प्रथा:	36
श्रीखंड महादेव:	37
मैगजीन फोटोशूट:	40

रूस–यूक्रेन युद्ध : दो खेमों में बटी दुनिया

रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत के मजबूत स्वतंत्र रुख ने उसे बिना किसी वैश्विक दबाव के अपने राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता देने की अनुमति दी है। रूस-यूक्रेन युद्ध की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा, ऐसे समय में जब दुनिया दो खेमों में विभाजित है। भारत मानवता के लिए एक स्वतंत्र रुख अपना सकता है। भारत ने अपने राष्ट्रीय हितों को सबसे आगे रखा है। पीएम मोदी ने हा, यह भारत की आजादी के 75वें वर्ष का अमृतकल है। इसलिए हमें स्थानीय उत्पादों को वैश्विक पैमाने पर ले जाने और सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने की आवश्यकता है। इस दिशा में काम करते हुए भाजपा अपने एक भारत, श्रेष्ठ भारत के आदर्श वाक्य को लगातार मजबूत कर रही है। उन्होंने कहा कि भारत ने हाल ही में 400 अरब अमेरिकी डॉलर के अपने निर्यात लक्ष्य को पूरा किया है। पीएम मोदी ने कहा, महामारी के बीच यह उपलब्धि भारत की बेहतर क्षमताओं को दर्शाती है। उन्होंने आगे कहा कि भारत 100 साल में सबसे बड़े वैश्विक खतरे के बीच समाज के गरीब तबके के 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन मुहैया करा रहा है। उन्होंने कहा, केंद्र यह सुनिश्चित करने के लिए लगभग 3.5 लाख करोड़ खर्च कर रहा है कि कोई भी भारतीय भूखा न सोए।÷पीएम मोदी ने बीजेपी के नेतृत्व वाली सरकार के सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के मंत्र को दोहराया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के बीच हुई आभासी शिखर-वार्ता के गहरे निहितार्थ हैं। रियायती दर पर भारत को तेल बेचने के रूसी प्रस्ताव को लेकर एकाधिक अमेरिकी बयानों से भ्रम की स्थिति बन गई थी। पश्चिमी मीडिया का एक हिस्सा इन बयानों को अमेरिकी नाखुशी के रूप में पेश करने में जुटा था, लेकिन विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भारत-अमेरिकी 2+2 वार्ता के बाद आयोजित संवाददाता सम्मेलन में स्पष्ट कर दिया कि रूस से पेट्रो उत्पादों की खरीद के संदर्भ में भारत को लेकर अमेरिका को चिंतित होने की जरूरत नहीं है, क्योंकि यूरोप जितना एक दोपहर में उससे तेल खरीदता है, भारत उतना महीने भर में भी आयात नहीं करता। वाशिंगटन को यह मानना पड़ा है कि भारत का तेल आयात मॉस्को पर आयद प्रतिबंधों का उल्लंघन नहीं है और यूक्रेन युद्ध के मामले में भारत अपनी भूमिका लेने के लिए आजाद है। रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद दुनिया की बड़ी शक्तियां अब खुलकर आमने-सामने आ चुकी हैं और अमेरिका चाहता है कि रूस पर आर्थिक दबाव बनाए रखा जाए। इसलिए मॉस्को से पेट्रो उत्पादों के अलावा हथियार खरीद के नए समझौतों को लेकर भी उसने अपने तेवर कड़े कर लिए हैं। लेकिन वाशिंगटन को यह समझने की जरूरत है कि रूस के साथ भारत के दशकों पुराने सामरिक संबंध हैं और वह अपने हितों की अनदेखी नहीं कर सकता। यूक्रेन मामले पर संयुक्त राष्ट्र की तमाम वोटिंग के दौरान अनुपस्थित रहकर भी भारत ने यह साफ कर दिया है कि वह अपने कंधे का इस्तेमाल करने की इजाजत किसी को नहीं देगा। अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रुख से भी वाशिंगटन को स्पष्ट हो जाना चाहिए कि भारत वैश्विक शांति और अपने हितों के बीच संतुलन साधना जानता है। प्रधानमंत्री ने बातचीत के दौरान एक बार भी रूस का नाम नहीं लिया। भारत को अपने पक्ष में करने की अमेरिकी रणनीति समझी जा सकती है। ये दोनों देश दुनिया के दो सबसे बड़े लोकतंत्र हैं। फिर वाशिंगटन जानता है कि चीन पहले से मॉस्को के साथ है। उसके पास मजबूत आर्थिक व सैन्य ताकत के अलावा एक विशाल बाजार भी है, जिसका जवाब सिर्फ भारत हो सकता है। भारत और चीन के तनावपूर्ण संबंधों में भी वह अपने लिए संभावनाएं देख रहा है। चंद रोज पहले उसके उप-राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार दलीप सिंह की अराजनयिक टिप्पणी इसी बात की तस्दीक करती है। अब वह भारत की ऊर्जा व सैन्य जरूरतों में अपनी दिलचस्पी दिखा रहा है।

मोदी-बाइडन बातचीत

पाकिस्तान में सत्ता परिवर्तन

आखिरकार सुप्रीम कोर्ट के सख्त रुख के चलते इमरान खान को गद्दी छोड़नी ही पड़ गई और शहबाज शरीफ पाकिस्तान के प्रधानमंत्री बन गये हैं। नेशनल असेंबली को भंग करवाने और अविश्वास प्रस्ताव को खारिज करके इमरान खान ने जो दांव चला, वह बेकार गया। वे विपक्षी मुहिम को विदेशी हस्तक्षेप करार देते रहे। पहली बार वे भारत की तारीफ करते नजर आये कि भारत की गुटनिरपेक्ष नीति कारगर है और भारत महाशक्तियों के दबाव से मुक्त है। कहीं न कहीं इमरान भारत की तारीफ करके जारी आक्रोश को विदेशी साजिश बताकर, विपक्ष के खिलाफ एक तुरप के पत्ते की तरह इस्तेमाल कर रहे थे। लेकिन सुप्रीम कोर्ट की सख्ती ने इमरान की बाजी पलट दी। देर रात अवमानना की कार्रवाई के बाबत सुप्रीम कोर्ट को खोला गया। आखिर स्पीकर का इस्तीफा, इमरान की पार्टी के सांसदों का अविश्वास प्रस्ताव से वॉकआउट तथा नये स्पीकर द्वारा अविश्वास प्रस्ताव पर मतदान के बाद समर्थन में 174 वोट पड़े। अब सरकार गिरने के बाद इमरान के खिलाफ कार्रवाई की तलवार लटक रही है। विडंबना ही है कि आजादी की हीरक जयंती मना रहा पाक अभी तक एक परिपक्व लोकतंत्र की शक्ल नहीं ले पाया है। अब तक कोई सरकार अपने पांच साल पूरे नहीं कर पायी है। हालांकि, अविश्वास प्रस्ताव से सत्ता गंवाने वाले इमरान खान पहले प्रधानमंत्री हैं। करीब उत्तर प्रदेश जितनी आबादी वाले पाक ने अपने जन्म से ही भारत के खिलाफ साजिशों व षड्यंत्रों से जो ताना-बाना बुना, आज वह खुद उसी संस्कृति में फंसता चला जा रहा है। निस्संदेह, लोकतांत्रिक सरकारों को गिराने के खेल में दशकों से पाक सेना पर्दे के पीछे व सामने से शामिल रही है। सभी जानते हैं कि इमरान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी का जन्म भी एक पूर्व आईएसआई प्रमुख व सेना के पोषण से हुआ था। नवाज शरीफ सरकार को गिराने के लिये इस पार्टी का इस्तेमाल किया गया था। लेकिन कालांतर इमरान खान का सेना प्रमुख से मतभेद होने लगा। पहले आईएसआई चीफ की नियुक्ति को लेकर विवाद सामने आया। फिर पाक सेना प्रमुख कमर जावेद बाजवा के कार्यकाल को लेकर टसल जारी थी। जाहिर तौर पर इमरान खान सरकार के पतन को भले ही फौरी तौर पर जनाक्रोश और विपक्ष की एकजुटता बताया जा रहा हो, मगर पर्दे के पीछे सेना की भूमिका से भी इनकार नहीं किया जा सकता है। विगत में भी सेना सरकार बनाने व गिराने के खेल में खूब लिप्त पायी जाती रही है। अब सवाल है कि पाक में नेतृत्व परिवर्तन का भारत पर क्या असर पड़ेगा। यूं तो पाक इस स्थिति में नहीं रहा है कि भारत की रफ्तार को थाम सके, लेकिन अपनी भौगोलिक स्थिति का वह सदा लाभ उठाता रहा है। पश्चिम में अफगानिस्तान तथा उत्तर पूर्व में चीन के चलते पाक ग्लोबल पॉलिटिक्स में बड़ी भूमिका निभाता रहा है। वहां से मिले हथियारों व ताकत को भारत के खिलाफ इस्तेमाल करता रहा है। अब पाक में शहबाज की सरकार बन गई है। उम्मीद होगी कि वह भारत विरोधी रवैये से परहेज रखे और आतंकवाद को प्रश्रय देना बंद करे। शहबाज की अग्नि परीक्षा शुरू हो गई है। आने वाले दिनों में उनके कर्मकांडों से पता चलेगा कि शहबाज कितने शरीफ है?

सीएम योगी का बड़ा ऐलान: 3 महीनों के लिए फिर लागू होगी मुफ्त राशन योजना

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 15 करोड़ गरीबों को मुफ्त राशन देने की योजना को जारी रखने की घोषणा की है। लोकभवन में संपन्न योगी 2.0 कैबिनेट की पहली बैठक में इस बाबत औपचारिक निर्णय लिया गया, जिसकी जानकारी खुद मुख्यमंत्री ने दी। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में नवगठित सरकार का पहला निर्णय 15 करोड़ गरीब जनता-जनार्दन को समर्पित है। कोरोना काल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हर नागरिक को संबल प्रदान करने के उद्देश्य से अन्न योजना प्रारम्भ की थी। अप्रैल 2020 से आज मार्च 2022 तक देश की 80 करोड़ जनता को इसका सीधा लाभ मिल रहा है।

वहीं राज्य सरकार ने केंद्र सरकार के अतिरिक्त मुफ्त राशन वितरण की योजना संचालित की है। सीएम योगी ने कहा कि मुफ्त टेस्ट, ट्रीटमेंट और टीका के प्रयास से कोरोना पर काबू पाया गया तो महामारी से उपजने वाली भुखमरी की समस्या के निदान में मुफ्त राशन की योजना बहुत उपयोगी रही है। अंत्योदय एवं पात्र गृहस्थी कार्ड धारक 15 करोड़ प्रदेशवासी डबल इंजन की सरकार में मुफ्त राशन की डबल डोज प्राप्त कर रहे हैं। इस योजना की अवधि मार्च 2022 में समाप्त हो रही थी, जिस पर विचार करते हुए नई सरकार की पहली कैबिनेट बैठक में इसे अगले तीन माह तक बढ़ाये जाने का फैसला किया गया है। राशन वितरण की पारदर्शी व्यवस्था पर जोर देते हुए उन्होंने बताया कि 80 हजार उचित दर की दुकानों पर ई-पॉश मशीनें लगी हैं, इससे सही लाभार्थी तक राशन वितरण संभव हो रहा है। बता दें कि अप्रैल 2020 से केंद्र सरकार के अलावा राज्य सरकार अपने संसाधनों से 15 करोड़ गरीब जनता को मुफ्त राशन उपलब्ध करा रही है। योजनांतर्गत अंत्योदय कार्ड धारकों को राज्य सरकार द्वारा 35 किलोग्राम खाद्यान्न दिया जाता है, जबकि पात्र गृहस्थी को प्रति यूनिट 05 किलोग्राम खाद्यान्न मिल रहा है। इसके अलावा बीते दिसंबर 2021 से राज्य सरकार ने खाद्यान्न के साथ-साथ 01 लीटर रिफाइंड तेल, 01 किलो दाल और 01 किलो नमक भी दे रही है। जबकि अंत्योदय श्रेणी के परिवारों को 01 किलो चीनी भी मुहैया कराई जा रही है। कैबिनेट के निर्णय के बाद अब यह योजना जून 2022 तक के लिए बढ़ा दी गई है। गौरतलब है कि बीते साल दीपावली के मौके पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने ऐलान किया था कि फ्री राशन योजना, मार्च 2022 तक चलती रहेगी। वहीं सीएम योगी आदित्यनाथ ने इस ऐलान से पहले राज्यपाल आनंदीबेन पटेल से मुलाकात की। इस दौरान विधायक रमापति शास्त्री को प्रोटेम स्पीकर की शपथ दिलाई गई।

यूपी: 100 दिन में योगी सरकार करेगी 20 हजार भर्तियाँ, 5 साल में पांच करोड़ को रोजगार का लक्ष्य

दोबारा सत्ता में आते ही योगी सरकार ने युवा रोज़गार के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दर्शा दी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि युवाओं को रोजगार से जोड़ने की कार्य अभियान के रूप में किया जाए। सरकार ने 100 दिनों में युवाओं को 50 हजार रोजगार के अवसर देने की घोषणा की है। दूसरी पारी में शपथ लेने के बाद

सीएम योगी आदित्यनाथ एक्शन में हैं। उन्होंने अगले 5 साल में यूपी में 5 करोड़ लोगों को स्वरोजगार देने का लक्ष्य तय किया है। उनका संकल्प युवाओं को आगे बढ़ाना और रोजगार देने के संकल्प को तेजी से पूरा करना है।मुख्यमंत्री ने यह भी कहा है कि स्वरोजगार की तमाम योजनाओं का व्यापक रूप से प्रचार-प्रसार हो और युवाओं में इसके लिए जागरूकता पैदा की जाए। इस संबंध में जल्दी ही लोन मेला आयोजित होगा जिसमें युवाओं को स्वरोजगार की विभिन्न योजनाओं के तहत बैंकों से ऋण दिलवाने में भी मदद की जाएगी। युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार के अवसर देने में सरकार ने पूर्व के कार्यकाल में भी कोई कमी नहीं रखी थी। स्टार्टअप और औद्योगिक इकाईयों को बढ़ावा देकर युवाओं को रोजगार दिये। एमएसएमई और ओडीओपी योजना ने युवाओं की प्रतिभा और कौशल को रोजगार में बदलने का काम किया। कामगारों और श्रमिकों की स्किल मैपिंग के बाद उनको रोजगार भी दिए गए थे।अब दूसरी पारी में सरकार ने बिना भेदभाव और भ्रष्टाचार के युवाओं को सरकारी नौकरियों के अवसर देने की योजना को अंतिम रूप दे दिया है। स्वरोजगार के साथ साथ सरकार ने 100 दिनों में 20,000 सरकारी नौकरी देने का भी फैसला किया है। भर्तियों में ईमानदारी और शुचिता को प्राथमिकता पर रखने का निर्देश दिये गये हैं। युवाओं को रोजगार मिल सके इसके लिए जिला और मंडल स्तर पर स्टार्टअप्स को खोलने के लिए भी कहा गया है। गौरतलब है कि पिछले कार्यकाल में योगी सरकार ढ़ाई करोड़ रोजगार और 5 लाख सरकारी नौकरियां युवाओं को दे चुकी है।

बीजेपी अहंकारी है, आप को मौका दें अहमदाबाद में सरकार पर बरसे अरविंद केजरीवाल

अब केजरीवाल की नजर गुजरात पर

पंजाब विधानसभा चुनाव में धमाकेदार जीत के बाद अब आम आदमी पार्टी की नजरें गुजरात चुनाव पर हैं।क्क ने गुजरात में भाजपा और कांग्रेस को चुनौती दे दी है। आम आदमी पार्टी ने कहा है कि दो पार्टियों के बीच घूमती रही गुजरात की सत्ता अब विकल्प तलाश रही है।क्कने भाजपा से टक्कर लेने के लिए कांग्रेस को बड़ा नुकसान पहुंचाने का प्लान बना लिया है। अपने दो दिन के दौरे पर उन्होंने कई नाराज कांग्रेस विधायकों से मुलाकात भी की।

विधानसभा चुनाव से पहले गुजरात पहुंचे दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भारतीय जनता पार्टी को अहंकारी बताया है। साथ ही उन्होंने गुजरात के लोगों से आम आदमी पार्टी को एक मौका देने की अपील की। इस दौरान केजरवाल के साथ पंजाब के नए सीएम भगवंत मान भी मौजूद रहे। दोनों नेता शनिवार को आयोजित तिरंगा यात्रा में शामिल हुए। गुजरात में इस साल के अंत में चुनाव हो सकते हैं। केजरीवाल ने कहा, मैं यहां किसी पार्टी की आलोचना करने के लिए नहीं आया हूं। मैं यहां भाजपा को हराने नहीं आया हूं। मैं कांग्रेस को हराने नहीं आया हूं। मैं गुजरात को जिताने आया हूं। हमें गुजरात और गुजरातियों को विजय बनाना है। हमें गुजरात में भ्रष्टाचार खत्म करना होगा। रोडशो के दौरान केजरीवाल ने आरोप लगाए कि राज्य में भाजपा 25 सालों से सत्ता में है, लेकिन भ्रष्टाचार खत्म नहीं कर सकी। उन्होंने कहा, 25 सालों के बाद वे अब अहंकारी हैं। वे अब लोगों की बात नहीं सुनते। आम आदमी पार्टी को एक मौका दें, जैसे पंजाब ने दिया है, जैसे दिल्ली ने दिया है। आम आदमी पार्टी को एक मौका दें, अगर आपको हम पसंद नहीं आए, तो अगली बार बदल दीजिए। आम आदमी पार्टी को एक मौका दीजिए, आप सभी दूसरी पार्टियों को भूल जाएंगे। इस दौरान मान ने कहा, दिल्ली और पंजाब का काम सुलझा लिया गया है, अब हम गुजरात के लिए तैयारी कर रहे हैं। आप के दोनों नेता साबरमती आश्रम पहुंचे। उन्होंने हृदय कुंज में चरखा चलाया। यहीं पर महात्मा गांधी और उनकी पत्नी कस्तूरबा गांधी रहा करते थे। इसके अलावा दोनों नेता आश्रम स्थित संग्रहालय में भी पहुंचे। दो किमी लंबी तिरंगा यात्रा अहमदाबाद के निकोल से बापूनगर इलाके तक निकली। इस कार्यक्रम में अनुमानित 50 हजार लोग शामिल हुए। खास बात है कि केजरीवाल पहले ही घोषणा कर चुके हैं कि आप गुजरात की सभी 182 सीटों पर चुनाव लड़ने वाली है।

बता दें कि गुजरात में आम आदमी पार्टी की यूनिट 2013 में गठित की गई थी। हालांकि इसे अपना पहला अध्यक्ष 2017 में मिला। आप ने 79 साल के मैथमैटिक्स के प्रोफेसर किशोर देसाई को गुजरात यूनिट का अध्यक्ष बनाया था। उस साल पार्टी ने 182 विधानसभा सीटों में से 29 पर चुनाव लड़ा था। कई क्षेत्रों में आप के उम्मीदवरों को नोटा से भी कम वोट मिले थे। इसके बाद पार्टी ने 2020 में संगठन का पुनर्गठन किया। केजरीवाल ने 32 साल के गोपाल इटालिया को राज्य का चीफ बनाया है। वह एक पुलिस कॉन्स्टेबल थे और गृह मंत्री पर जूता चलाने के बाद चर्चा में आए थे।

बीजेपी के स्थापना दिवस पर बोले पीएम मोदी परिवारवादी पार्टियां लोकतंत्र की दुश्मन

भारतीय जनता पार्टी ने अपना 42वां स्थापना दिवस देशभर में पूरे उत्साह के साथ मनाया गया. इस अवसर पर हर राज्य व जिले में पार्टी मुख्यालय पर कार्यक्रम आयोजित कर भाजपा के झंडे फहराए गए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने भाषण की शुरुआत में कहा कि मेरी प्रार्थना है कि मां स्कंदमाता का आशीर्वाद देशवासियों पर, भाजपा के प्रत्येक कर्मठ कार्यकर्ता और प्रत्येक सदस्य पर हमेशा बना रहे. आज नवरात्रि की पांचवीं तिथि भी है, आज के दिन हम सभी मां स्कंदमाता की पूजा करते हैं. पीएम मोदी ने कहा कि हम सबने देखा है कि मां स्कंदमाता कमल के आसन पर विराजमान रहती हैं और अपने दोनों हाथों में कमल का फूल थामे रहती हैं. मैं देश और दुनिया भर में फैले भाजपा के प्रत्येक सदस्य को बहुत बहुत शुभकामनाएं देता हूं.

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कश्मीर से कन्याकुमारी, कच्छ से कोहिमा तक भाजपा एक भारत, श्रेष्ठ भारत के संकल्प को निरंतर सशक्त कर रही है. इस बार का स्थापना दिवस 3 और वजहों से महत्वपूर्ण हो गया है. पहला कारण है कि इस समय हम देश की आजादी के 75 वर्ष का पर्व मना रहे हैं, आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं. ये प्रेरणा का बहुत बड़ा अवसर है. दूसरा कारण है- तेजी से बदलती हुई वैश्विक परिस्थितियां, बदलता हुआ ग्लोबल ऑर्डर. इसमें भारत के लिए लगातार नई संभावनाएं बन रही हैं. तीसरा कारण भी उतना ही अहम है. कुछ सप्ताह पहले चार राज्यों में भाजपा की डबल इंजन की सरकारें वापस लौटी हैं. तीन दशकों के बाद राज्यसभा में किसी पार्टी के सदस्यों की संख्या 100 तक पहुंची है प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वैश्विक दृष्टिकोण से देखें या राष्ट्रीय दृष्टिकोण से, भाजपा का दायित्व, भाजपा के प्रत्येक कार्यकर्ता का दायित्व लगातार बढ़ रहा है. इसलिए भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता, देश के सपनों का प्रतिनिधि है, देश के संकल्पों का प्रतिनिधि है. इस अमृत काल में भारत की सोच आत्मनिर्भरता की है, लोकल को ग्लोबल बनाने की है, सामाजिक न्याय और समरसता की है प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इन्हीं संकल्पों को लेकर एक विचार बीज के रूप में हमारी पार्टी की स्थापना हुई थी. इसलिए ये अमृत काल भाजपा के हर कार्यकर्ता के लिए कर्तव्य काल है. आज दुनिया के सामने एक ऐसा भारत है जो बिना किसी डर या दबाव के, अपने हितों के लिए अडिग रहता है.

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जब पूरी दुनिया दो विरोधी ध्रुवों में बंटी हो, तब भारत को ऐसे देश के रूप में देखा जा रहा है, जो दृढ़ता के साथ मानवता की बात कर सकता है. हमारी सरकार राष्ट्रीय हितों को सर्वोपरि रखते हुए काम कर रही है. आज देश के पास नीतियाँ भी हैं, नियत भी है. आज देश के पास निर्णय शक्ति भी है, और निश्चित शक्ति भी है. इसलिए, आज हम लक्ष्य तय कर रहे हैं, उन्हें पूरा भी कर रहे हैं.

बीजेपी का मिशन 2023: पीएम मोदी ने 5 लाख से ज्यादा लोगों का गृह प्रवेश कराया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मध्य प्रदेश के लोगों को गृह प्रवेश कराया. छतरपुर में प्रधानमंत्री आवास योजना के एक कार्यक्रम में वो वर्चुअली शामिल हुए. इसमें उन्होंने 5.21 लाख हितग्राहियों को गृह प्रवेश कराया. पीएम मोदी के इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहानभी

शामिल हुए. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा ये सवा पांच लाख घर, देश में सशक्त होते गरीब की पहचान हैं. गरीबों को पक्का घर देने का अभियान सिर्फ एक सरकारी योजना नहीं है बल्कि ये गरीब को गरीबी से बाहर निकलने की हिम्मत देने की पहली सीढ़ी है विपक्ष पर पीएम मोदी ने निशाना साधते हुए कहा ङ्क देश में कुछ दलों ने गरीबी दूर करने के लिए बहुत नारे लगाए लेकिन गरीबों को सशक्त करने के लिए काम नहीं किया. बीजेपी सरकार की विशेषता जमीन से जुड़ी है. सबका साथ, सबका विकास का मंत्र है. बीजेपी सरकार से पहले 4 करोड़ फर्जी लोगों के नाम से राशन उठता था. 2014 में सरकार में आने के बाद फर्जी नामों को ढूंढकर हटवाया गया. पिछली सरकारों ने लंबे समय तक गांव की अर्थव्यवस्था को सिर्फ खेती तक ही सीमित रखा. हमने खेती, किसान, पशुपालक को ड्रोन जैसी आधुनिक सुविधाओं से जोड़ा.

सोनिया गांधी ने गुटबाजों को दिया सख्त संदेश, कहा-

कांग्रेस की मजबूती लोकतंत्र में जरूरी

कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने कहा कि हमारा एक बार फिर मजबूती से उभरना सिर्फ हमारे लिए ही नहीं बल्कि लोकतंत्र और समाज के लिए भी अहम है। पार्टी सांसदों के साथ मीटिंग में सोनिया गांधी ने एनडीए सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि वह ज्यादा से ज्यादा डर फैलाने और धमकाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन से जिन छात्रों को भारत लाया गया है, उनका करियर कैसे सुरक्षित रहे इस बात की चिंता भी सरकार को करनी चाहिए। सोनिया गांधी का यह बयान पार्टी की ओर से आयोजित होने वाले चिंतन शिविर से पहले आया है। इस शिविर में यूपी, पंजाब समेत 5 राज्यों में पार्टी की करारी हार को लेकर मंथन किया जाएगा।

सोनिया गांधी ने 5 राज्यों में हार को शॉकिंग और दर्द भरा बताते हुए कहा था कि वह निजी तौर पर इसे देखेंगी और हर स्तर पर संगठन को मजबूत करने का प्रयास किया जाएगा। सोनिया गांधी ने सांसदों से कहा, %हमारे आगे जो रास्ता है, वह बेहद चुनौतीपूर्ण है, जितना कभी नहीं था। हमारा समर्पण, संकल्प और फिर से उभरने की भावना का परीक्षण होना है। संगठन में हर स्तर पर एकजुटता बेहद अहम है। अपने बारे में बात करूं तो मैं पार्टी को मजबूत करने के लिए दृढ़ संकल्पित हूं। कांग्रेस का फिर से मजबूत होना, सिर्फ हमारे लिए ही नहीं बल्कि समाज और लोकतंत्र के लिए भी उतना ही जरूरी है।

पार्टी के आंतरिक सूत्रों ने सोनिया गांधी की स्पीच को लेकर कहा कि हर स्तर पर एकजुटता जरूरी होने की बात कहकर उन्होंने कुछ लोगों को संदेश दिया है, जो राज्यों में गुटबाजी कर रहे हैं। इसके अलावा राष्ट्रीय स्तर पर जी-23 के नेताओं के लिए भी यह एक संदेश माना जा रहा है। बता दें कि 5 राज्यों में करारी हार के पीछे आपसी कलह और नेताओं का असहयोग भी एक वजह माना जा रहा है। 5 राज्यों में हार को सोनिया गांधी ने शॉकिंग और दर्दभरा बताया था। उन्होंने कांग्रेस वर्किंग कमिटी में भी इस मुद्दे पर बात की थी और कहा था कि एकजुटता बेहद जरूरी है। पूरी चर्चा में कई नेताओं ने कहा था कि पंजाब समेत सभी राज्यों में पार्टी गुटबाजी का शिकार हुई। सोनिया गांधी ने यह भी कहा था कि यदि जी-23 के नेताओं के सुझावों में कुछ दम होगा तो वे उन्हें स्वीकार करेंगी। सोनिया गांधी ने मंगलवार को कहा, शिविर का आयोजन बेहद जरूरी है। वहां पार्टी के लोगों की राय को सुना जा सकेगा। वे एक क्लियर रोडमैप दे सकेंगे। इससे हम यह तय कर पाएंगे कि भविष्य में चुनौतियों से निपटने के लिए हमें किस तरह से काम को आगे बढ़ाना है।

देश ने सिर्फ प्यार नहीं दिया, जूते भी मारे : राहुल

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी का कहना है कि देश ने उन्हें जूते मारे हैं। उन्होंने एक कार्यक्रम में कहा कि देश ने उन्हें सिखाने के लिए उन्हें जोरों से मारा और हिंसा तक की। राहुल ने यह भी कहा कि भारत उनके लिए एक प्रेमिका जैसी है जिसे वो एक प्रेमी की तरह प्यार करते हैं और उसे समझने की कोशिश करते हैं। राहुल ने एक पुस्तक विमोचन समारोह में दावा किया कि उन्हें आज भई सत्ता से दूर-दूर तक कोई मोह नहीं है। केरल के वायनाड से सांसद ने किसी का नाम लिए बगैर कहा कि कुछ लोग सुबह से लेकर रात यही सोचते रहते हैं कि सत्ता कैसे मिलेगी, लेकिन सत्ता के बीच में पैदा होने के बावजूद उन्हें इसमें दिलचस्पी नहीं है राहुल गांधी ने द दलित ट्रूथ- द बैटल्स फॉर रियलाइजिंग आंबेडकर्स विजन नामक पुस्तक के विमोचन समारोह में कहा, देश ने सिर्फ मुझे प्यार नहीं दिया, देश ने मुझे जूते भी मारे। नहीं, आप समझ नहीं सकते। कितने जोरों से, कितनी हिंसा से इस देश ने मुझे मारा है, पीटा है। तो मैंने सोचा कि हो क्यों रहा है और जवाब मिला- देश मुझे सिखाना चाहता है। देश मुझे कह रहा है कि तुम सीखो, तुम समझो। दर्द हो तो कुछ नहीं, सीखो और समझो। देश को प्रेमी की तरह समझना चाहता हैं राहुल राहुल गांधी ने कहा,मैं अपने देश को उसी तरह समझने की कोशिश करता हूं, जैसे एक प्रेमी जिससे प्रेम करता है, उसे समझना चाहता है उन्होंने अपनी चुनावी सफलताओं और विफलताओं की ओर इशारा करते हुए कहा, मेरे देश ने जो मुझे प्यार दिया है, वो मेरे ऊपर

कर्ज है। इसलिए मैं सोचता रहता हूं कि इस कर्ज को कैसे उतारूं। देश ने मुझे सबक भी सिखाया है... देश मुझे कह रहा है कि तुम सीखो और समझो। उन्होंने कहा, मेरे देश ने बिना कोई कारण मुझे इतना प्यार दिया। यह देश का कर्ज है मेरे ऊपर इसलिए मैं देश को लगातार समझने की कोशिश में जुटा हूं। हालांकि देश ने मुझे बहुत जूते भी मारे, मुझे दर्द भी हुआ पर मैं जानता हूं विदेश मुझे सिखाना चाहता है इसलिए मैं देश को समझने की कोशिश करता हूं।

हमें सच्चाई को आम लोगों तक ले जाना होगा, तभी बीजेपी बेनकाब होगी : अशोक गहलोत

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पीएम मोदी और भाजपा पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने बीजेपी पर जोरदार हमला करते हुए कहा कि हमें सच्चाई को आम लोगों तक ले जाना होगा, तभी बीजेपी बेनकाब होगी। राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत ने कहा कि विपक्ष की बदनामी हो रही है। वह (प्रधानमंत्री) चतुराई से बोलते हैं और लोग उन पर विश्वास करते हैं क्योंकि वह एक प्रधानमंत्री की हैसियत से बोलते हैं। हमें सच्चाई को आम लोगों तक ले जाना होगा, तभी बीजेपी बेनकाब होगी। सच्चाई सामने आएगी और हम गांधी के रास्ते पर चलेंगे।गहलोत ने कहा कि पीएम मोदी चतुराई से बोलते हैं। वह विपक्ष पर एजेंसियों को बदनाम करने का आरोप लगाते हैं लेकिन पूरा देश देख सकता है कि आज क्या हो रहा है, वे देख सकते हैं कि भारत में क्या हो रहा है। आईटी, ईडी, सीबीआई के साथ क्या हो रहा है। दुनिया देख सकती है कि देश में किस तरह से छापेमारी की जा रही है।उन्होंने आगे कहा कि बीजेपी हिंदुत्व और ध्रुवीकरण के नाम पर चतुराई से चुनाव जीत गई। पूरे देश में हालत गंभीर है और यूपी में कोरोना का प्रबंधन कैसे हुआ..ये सबको मालूम है। सीएम गहलोत ने दांडी यात्री की समृति में राजधानी जयपुर के गांधी सर्किल पर आयोजित एक कार्यक्रम में आगे बोलते हुए कहा कि ऐसे लोग गांधी और पटेल का नाम लेकर राजनीति करना चाहते हैं। ऐसे लोगों की कथनी और करनी में अंतर है।

बीजेपी के तरीके राजनीति की पवित्रता के लिए खतरा: अखिलेश यादव

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा की छल की राजनीति से राजनीति की पवित्रता संकट में है और इससे लोकतंत्र खतरे में है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी विधानसभा भवन के अंदर और बाहर लोगों की आवाज को जोर-शोर से उठाती रहेगी।अखिलेश यादव ने कहा, देश आजादी के 75 साल का जश्न मनाने वाला अमृत महोत्सव मनाने जा रहा है, लेकिन मूल्य झ आर स्वतंत्रता संग्राम को दरकिनार कर दिया गया है। उन्होंने कहा, लोकतंत्र की नींव ही खतरे में है। हाल ही में भाजपा से चुनाव हारने वाली पार्टी के नेता ने कहा कि संविधान की रक्षा के लिए चुनाव आयोग की स्वतंत्र भूमिका आवश्यक थी। उन्होंने कहा,लोकतंत्र और संविधान की परीक्षा चुनावों में होती है। अखिलेश ने आरोप लगाया कि भाजपा ने अपने पांच साल के शासन में जनहित में कुछ नहीं किया और अब जब वह फिर से सत्ता में है तो लोगों की समस्याओं का समाधान कहीं नजर नहीं आ रहा है। उन्होंने कहा, दरअसल विधानसभा चुनाव में जनता बीजेपी की भय और भ्रम की राजनीति का शिकार हो गई। पार्टी प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी ने कहा कि पिछले पांच दिनों में अखिलेश दर्जनों नवनिर्वाचित विधायकों और गठबंधन सहयोगियों और पार्टी के हजारों समर्थकों से मिलकर चुनाव परिणामों पर चर्चा कर चुके हैं।

शिव की राह मुश्किल करेगा शराबबंदी के लिए उमा का पत्थर उठाना

मध्यप्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती क्या राज्य के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से सीधे टकराव की राह पर निकल पड़ी हैं. भोपाल में लाइसेंसी दुकान पर रखीं शराब की बोतलों को पत्थर से तोड़कर उमा भारती ने यह साफ संकेत दिया है कि शराब बंदी को लेकर वे किसी भी हद तक जा सकती हैं. उमा भारती के तीखे तेवरों ने प्रदेश भाजपा की राजनीति में हलचल मचा दी है. इससे पहले भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने नौकरशाही के हावी होने को लेकर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान पर अप्रत्यक्ष राजनीतिक हमला बोला था. उमा भारती के पत्थर उठाने से शिवराज सिंह चौहान के सामने एक नई चुनौती आकर खड़ी हो गई है. इनमें एक चुनौती शराब ठेकेदारों में सुरक्षा भरोसा दिलाने की है. उमा भारती के तेवरों से ठेकेदार पहले से ही डरे हुए हैं. उमा भारती की राजनीतिक शैली बेहद आक्रामक रही है. पिछले कुछ सालों से उनके तेवर में नरमी देखी गई. शिवराज सिंह चौहान को लेकर उनके मन में एक टीस हमेशा देखी जाती है. यह टीस उनके 2005 में उनके मुख्यमंत्री बनने को लेकर है. चौहान को मुख्यमंत्री बनाए जाने के विरोध में उमा भारती ने अपने समर्थकों के साथ भाजपा छोड़ दी थी.

सत्ता में आने के लिए मुझे जेल में डालना चाहते हैं तो डाल दो : उद्धव ठाकरे

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने भाजपा पर निशाना साधा. सीएम उद्धव ठाकरे की यह प्रतिक्रिया ऐसे समय पर आई है जब दो दिन पहले उनके साले के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय ने बड़ी कार्रवाई करते हुए उनकी कुल 6.45 करोड़ की अचल संपत्ति को जब्त कर लिया था. सीएम उद्धव ठाकरे ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि सत्ता में आना चाहते हैं तो आएं लेकिन सत्ता में आने के लिए ये सब गलत काम न करें बता दें कि प्रवर्तन निदेशालय ने महाराष्ट्र सीएम के साले श्रीधर पाटनकर के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की थी. इस कार्रवाई में मुंबई से सटे ठाणे में ईडी ने पुष्पक समूह की कंपनियों में शामिल मेसर्स पुष्पक बुलियन की करीब 6.45 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति जब्त कर लिया था और कुल 11 आवासीय फ्लैट को सील कर दिया था. मुख्यमंत्री ने इस

पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि आप सत्ता में आना चाहते हैं तो आए लेकिन हमारे या फिर हमारे रिश्तेदारों के परिवारों को परेशान न करें. सीएम ने कहा कि हमने आपके परिवार के सदस्यों को कभी परेशान नहीं किया.उद्धव ठाकरे के साले के खिलाफ एक्शन से पहले प्रवर्तन निदेशालय ने महाराष्ट्र सरकार में मंत्री और सीएम उद्धव ठाकरे के बेटे आदित्य ठाकरे, एक मंत्री और उनके सहयोगी अनिल परब के खिलाफ भी छापेमारी हुई थी. ईडी की इस कार्रवाई को लेकर अब शिवसेना ने भाजपा पर आरोप लगाया है कि केंद्र चुनिंदा राजनीतिक विरोधियों को निशाना बना रहा है श्रीधर माधव पाटनकर, सीएम ठाकरे की पत्नी रश्मि के भाई हैं, श्री साईबाबा गृह निर्माण समिति प्राइवेट लिमिटेड के मालिक हैं. एजेंसी ने दावा किया कि पुष्पक बुलियन नाम की कंपनी के खिलाफ चल रहे मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कथित रूप से हेराफेरी की गई थी, जिसे श्री साईबाबा गृहिणीर्मि प्राइवेट लिमिटेड की रियल एस्टेट परियोजनाओं में लगाया गया था.

मप्र के सीएम शिवराज की चौथी पारी के दो साल पर विशेष

अब बुल्डोजर मामा के अवतार में शिवराज

मध्य प्रदेश ख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान मध्यप्रदेश के राजनैतिक इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ने में कामयाब हुए हैं। यह नया अध्याय है मुख्यमंत्री के रूप में रिकार्ड 15 साल की कालावधि पूरा करना। यही नहीं श्री शिवराज सिंह चौहान अपने दल में भी यह गौरव हासिल करने वाले प्रदेश और देश के पहले व्यक्ति हैं।श्री शिवराज सिंह चौहान का विकास के लिये संकल्प और लगन आम लोगों को विश्वास दिलाता है कि वे ऐसे विकास के साथ लोगों की तरक्की और खुशहाली के कामों को कर सकते हैं। उनकी मंजिल है आत्म-निर्भर मध्यप्रदेश। ऐसा प्रदेश जो देश का अग्रणी प्रदेश हो जहाँ हर परिवार के पास रोटी, कपड़ा, मकान, दवाई और रोजगार हो।

15 साल से अधिक समय से एमपी के मुख्यमंत्री रहे शिवराज सिंह चौहान की छवि एक ऐसे राजनेता के तौर पर है जिसने जमीन से लेकर सियासत के शिखर तक का सफर तय किया है। राजनीति में पांव-पांव वाले मामा के नाम से पहचाने जाने वाले मुख्यमंत्री अपने चौथे कार्यकाल में बेहद अक्रामक हो गए है। अब उनकी छवि पांव-पांव वाले मामा की जगह बुलडोजर मामा की बनने लगी है। जानकारी के अनुसार चौथी पारी में फ्रंट फुट पर खेलने वाले सीएम शिवराज के दो साल का कार्यकाल पूरा करने पर भोपाल से बीजेपी विधायक रामेश्वर शर्मा के बुलडोजर मामा के जश्न में खुद मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान भी पहुंचे। मुख्यमंत्री शिवराज की मौजदूगी में बीजेपी विधायक रामेश्वर शर्मा ने बुलडोजर मामा जिंदाबाद के नारे भी लगाए। दरअसल सिंह चौहान के पांव-पांव वाले मामा से बुलडोजर मामा तक बनने का सफर भी अपने आप में अनोखी बात है। चौथी पारी में मुख्यमंत्री का अंदाज पिछले तीन कार्यकालों से बिल्कुल ही अलग नजर आया है। आम तौर पर बेहद सौम्य और शांत नजर आने वाले शिवराज सिंह सार्वजनिक मंचों से अपराधियों के खिलाफ बुलडोजर चलाने का एलान कर रहे है।

आपको बता दें कि रायसेन के सिलवानी पहुंचे मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि मैं फिर कहना चाहता हूं गुंडे और बदमाश यह ना समझना कि कांग्रेस और कमलनाथ की सरकार है। यह मामा का राज है गड़बड़ करी तो छोड़ूंगा नहीं। यह ट्वीट करने वाले जितने चिल्ला रहे है चिल्लाते रहें, गरीब की मौत में भी राजनीति करते रहें। उन्होंने कहा कि लेकिन मामा का बुलडोजर चला है अब रुकेगा नहीं जब तक बदमाशों को दफन नहीं कर देगा। मध्य प्रदेश में जितने गुंडे और अपराधी हैं वह भी सुन ले,अगर गरीब कमजोर की तरफ हाथ उठा तो, मकान खोदकर मैदान बना दूंगा। चैन से नहीं रहने दूंगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि बात चाहे माफियाओं के खिलाफ ताबड़तोड़ अभियान की हो या सरकार की योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही बरतने वाले सरकारी अफसरों पर कार्रवाही का शिवराज बड़े फैसले लेने से चूक नहीं रहे है। मुख्यमंत्री हर फैसला ऑन द स्पॉट कर रहे है। मुख्यमंत्री शिवराज जिस अंदाज प्रदेश के गुंडा-माफियाओं के खिलाफ ऐलानी तौर पर बुलडोजर चलाने की चेतावनी दे रहे है वह उनकी सियासी मजबूरी भी है। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में बीजेपी की सत्ता वापसी का बड़ा कारण 'बाबा का बुलडोजर' माना गया। दरअसल उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपराधियों के खिलाफ बुलडोजर चलाकर इसके सख्त प्रशासन की छवि बनाने के साथ जीत का प्रतीक बना दिया । और अब मध्य प्रदेश में शिवराज सरकार अब बुलडोजर के सहारे अपनी राजनीति आगे बढ़ना शुरु कर दिया। ऐसे में अब जब मध्य प्रदेश में 2023 के विधानसभा चुनाव में लगभग डेढ़ साल का ही वक्त बचा है तब भाजपा संगठन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की छवि बुलडोडर मामा के तौर पर गढ़ने में जुट गई है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के बुलडोजर मामा की छवि को राजनीति के जानकार काफी अहम मानते है। राजनैतिक विशेषज्ञों का मानना है कि बीजेपी के सबसे अधिक समय तक मुख्यमंत्री रहने का रिकॉर्ड बनाने वाले शिवराज सिंह चौहान राजनीति की नब्ज को समझने में सबसे आगे है। बुधनी से पांव-पांव भैय्या से अपना सियासी सफर शुरु करने वाले शिवराज सिंह की छवि अगर बुलडोजर मामा के तौर पर गढ़ी जा रही है। तो यह 2023 के मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव का चुनावी शंखनाद होने के साथ एक रणनीति का हिस्सा भी है।

मध्य प्रदेश में दौड़ रहा मामा का बुलडोजर; हिस्ट्रीशीटरों की लिस्ट बना मकान-दुकान हो रहे जमींदोज

योगी की राह पर शिवराज

मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव से करीब बीस महीने पहले ही सूबे के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान चुनावी मोड में दिखने लगे हैं। एक वक्त पर शांत स्वभाव के लिए पहचान रखने वाले शिवराज अब बुलडोजर मामा के रूप में आने की कोशिश में जुटे हैं। बुलडोजर मामा, जो गरीबों के प्रति उदार हैं और गलत अधिकारियों पर सख्त ऐक्शन को भी तैयार हैं। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में योगी आदित्यनाथ की ऐतिहासिक जीत के बाद शिवराज ने खुद को पूरी तरह से नए तेवर और छवि के लिए तैयार कर लिया है। क्योंकि उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ ने माफियाओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए खुद को बुलडोजर बाबा के रूप में एक ब्रैंड बनाया। उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में सरकार चला रही भारतीय जनता पार्टी ने यूपी में मुफ्त राशन और आवास योजना का जमकर फायदा उठाया था और इससे पार्टी को लाभार्थियों के बीच नया चुनावी क्षेत्र भी बना।

अफसरों को दी सख्त चेतावनी

एक ओर जहां कांग्रेस की प्रदेश यूनिट में अंतर्कलह मची हुई है, वहीं दूसरी ओर चौहान ने सरकारी योजनाओं को लेकर पिछले महीने 15 जनसभाओं को संबोधित किया और अधिकारियों के साथ 17 बैठकों की अध्यक्षता की। अधिकारियों ने इन बैठकों को लेकर बताया कि चौहान ने उन्हें साफ चेतावनी दी थी कि सरकारी योजनाओं का लाभ आम लोगों तक पहुंचने में अगर जरा सी भी लापरवाही हुई तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों ने बताया कि मार्च महीने में पंचमढ़ी में एक कैबिनेट बैठक में चौहान ने अगले 20 महीनों के लिए मंत्रियों के लिए लक्ष्य भी निर्धारित किया है।

इन योजनाओं की फिर से की शुरुआत

10 मार्च को पांच राज्यों के चुनावी नतीजे आने के बाद शिवराज ने तीर्थ दर्शन योजना, कन्या विवाह योजना, लाड़ली लक्ष्मी योजना जैसी योजनाओं को फिर से शुरू करने की घोषणा की थी। इनमें से तीर्थ दर्शन योजना की शुरुआत 2012 में हुई थी, जिसे 2018 में कांग्रेस सरकार ने बंद कर दिया था। वहीं

कन्या विवाह योजना कोविड-19 की वजह से बंद कर दिया गया था। इस पूरे डिवेलपमेंट से परिचित एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने कहा कि ये तीनों ही योजनाएं राज्य में सबसे लोकप्रिय थीं। उन्होंने कहा कि शिवराज सिंह चौहान को मामा के रूप में लोकप्रिय बनाने में इन योजनाओं की महत्वपूर्ण भूमिका थी और यही कारण है कि मुख्यमंत्री इन योजनाओं पर अधिक ध्यान दे रहे हैं।

किसानों को साधने की कोशिश

इसके साथ ही शिवराज किसानों का विश्वास फिर से हासिल करने की कोशिश में भी जुटे हैं। आंकड़ों के मुताबिक, 2018 में बड़ी संख्या में किसानों ने कांग्रेस को वोट दिया था। खासकर मालवा और निमाड़ जैसे क्षेत्र जो कभी भाजपा का गढ़ माने जाते थे। 2013 में बीजेपी ने यहां की 66 सीटों में से 56 सीटें जीतीं, लेकिन 2018 में बीजेपी के खाते में सिर्फ 28 सीटें आई थीं। किसानों की कर्ज माफी का वादा और 2018 में मंदसौर में हुई पुलिस फायरिंग में पांच किसानों की मौत के बाद भाजपा के प्रति किसानों का विश्वास काफी गिर गया था। चौहान ने अब एकबार फिर किसानों के कर्ज पर ब्याज माफ करने की घोषणा की है। हालांकि उन्होंने इसबात की शर्त रखी है कि किसान मूलधन का भुगतान करें।

आदिवासियों को साधने की तैयारी इसके साथ ही शिवराज ने आदिवासियों के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा करने के लिए एक नया आदिवासी विकास निगम स्थापित करने की भी घोषणा की है। सरकार ने बजट में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की महिलाओं के कल्याण के लिए आवंटित किए गए बजट में भी बढ़ोतरी की है। कल्याणकारी योजनाओं के साथ शिवराज मतदाताओं को यह संदेश देने की भी कोशिश कर रहे हैं कि वह माफियाओं और अपराधियों के खिलाफ बेहद सख्त हैं। 20 मार्च को सीएम शिवराज ने एक जनसभा के दौरान कहा था कि मामा का बुलडोजर चालू हो गया है, अब यह तब तक नहीं रुकेगा जब तक बदमाशों को दफ़नाया नहीं जाता। उनके घर उजाड़ दिए जाएंगे। मैंने राज्य से डकैतों को खत्म किया और अब मैं माफियाओं और अपराधियों को खत्म कर दूंगा। इस बयान के बाद भाजपा नेताओं ने पूरे राज्य में शिवराज को बुलडोजर मामा के रूप में पेश करने वाले पोस्टर लगाए। इन पोस्टरों में दिखाया गया कि पिछले दो सालों में राज्य सरकार ने माफिया या अपराधियों के 127 भवनों को जमींदोज कर दिया है।

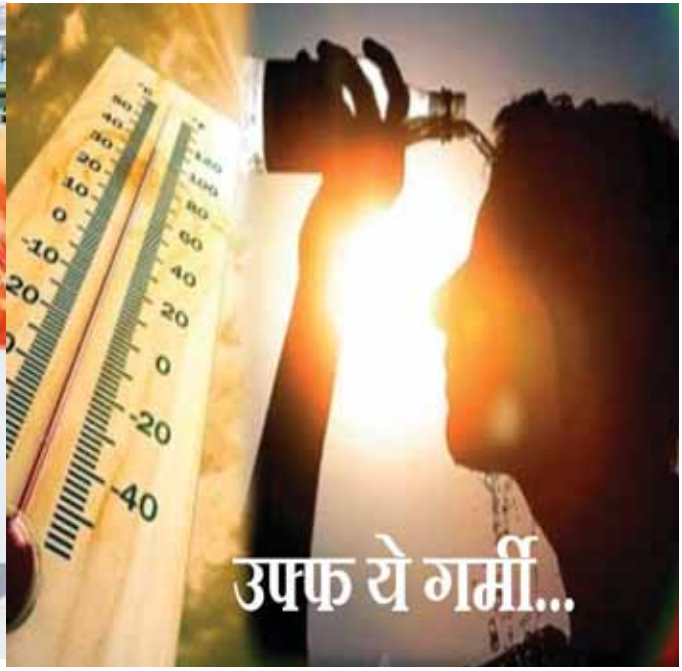

पहाड़ से मैदान तक आसमान से बरस रही है आग,

अभी और झुलसाएंगे लू के थपेड़े

यूपी, बिहार, उत्तराखंड समेत पूरा उत्तर भारत प्रचंड गर्मी की आगोश में है। मैदान से लेकर पहाड़ तक तपने लगे हैं। अप्रैल में ही मई-जून सी गर्मी झेल रहे लोगों के लिए आने वाले दिन और परेशानी भरे हो सकते हैं। अगले कुछ दिनों के दौरान राजस्थान, यूपी, पंजाब, हरियाणा, मध्य प्रदेश, बिहार और झारखंड में 'लू' चलने की आशंका है इसलिए अलर्ट जारी किया गया है। मध्य प्रदेश के राजगढ़ तथा नर्मदापुरम जिलों में पारा 45 डिग्री को छू गया है। भोपाल में 41.7 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से चार डिग्री अधिक है। छिंदवाड़ा, छतरपुर, सागर, राजगढ़, धार, रतलाम, ग्वालियर और गुना जिलों में लू का प्रकोप रहा। राजस्थान में पाकिस्तान से आ रही शुष्क और गर्म हवाओं के चलते अगले तीन दिन के भीतर रेड अलर्ट की स्थिति बनेगी और तापमान 47 डिग्री के पार होगा। डूंगरपुर में 50 साल में पहली बार अप्रेल का पारा 43 डिग्री के पार दर्ज किया गया। उधर, जालौर 45.2 डिग्री तापमान के साथ राजस्थान में सबसे गर्म चल रहा है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र ने कहा कि उत्तर भारत के कई इलाकों में 15 अप्रैल तक लू चलना जारी रह सकता है।

यूपी- आसमान से आग बरसी

लखनऊ, आगरा से लेकर अलीगढ़ तक को आसमान से आग बरसी। आगरा में अधिकतम तापमान 44.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। प्रदेश में इंसान ही नहीं पशु-पक्षी तक बेहाल रहे। सड़कें और बाजार सूने रहे। इस सीजन का सबसे गर्म दिन होने के साथ आगरा प्रदेश का सबसे गर्म शहर रिकार्ड किया गया। इस सीजन सबसे गर्म दिनों का भी रिकार्ड बन गया है। 29 मार्च से लेकर अब तक लगातार लू चल रही है। दिन का तापमान सामान्य से छह डिग्री सेल्सियस अधिक रहा है। अब मौसम विभाग ने 12 अप्रैल तक का अलर्ट जारी किया है। यानि लगातार 15 दिनों तक लू चलने का नया रिकार्ड बनने जा रहा है।

उत्तराखंड

मौसम विभाग ने पर्वतीय क्षेत्र के लिए प्रचंड गर्मी की चेतावनी जारी की है। ऑरेंज अलर्ट, जबकि 11 और 12 अप्रैल के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है। इस दौरान दो से तीन डिग्री तक तापमान बढ़ने की संभावना जताई गई है। राज्य मौसम केंद्र के निदेशक बिक्रम सिंह ने बताया कि, प्रदेश में तकरीबन सभी शहरों में तापमान सामान्य से छह से सात डिग्री अधिक चल रहा है। उत्तरकाशी, चमोली, टिहरी, पिथौरागढ़, रुद्रप्रयाग, अल्मोड़ा, बागेश्वर, नैनीताल व चम्पावत जिलों में आने वाले तीन चार दिनों में दो से तीन डिग्री की वृद्धि होने की संभावना है। कुछ दिनों बाद ऊंचाई वाले इलाकों में हिमस्खलन की भी संभावना है।

झारखंड- सात जिलों में पारा 40 डिग्री पार

झारखंड के कई इलाकों में उमस भरी गर्मी के बीच उत्तर पूर्वी भाग में लू की स्थिति बनी रही। मेदिनीनगर में सबसे अधिक उच्चतम तापमान 42.2 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। हालांकि गिरिडीह में अधिकतम तापमान सामान्य से 6.0 डिग्री सेसि ज्यादा रहा। लू की स्थिति निचले स्तर पर दक्षिण और दक्षिण पश्चिमी दिशा से आ रही गर्म पछुआ हवा की वजह से बनी हुई है। आने वाले कुछ दिन तक इसमें सुधार की संभावना नहीं है।

हरियाणा-16 जिलों में येलो अलर्ट

हरियाणा के 16 जिलों में गर्मी को लेकर येलो अलर्ट जारी किया है। आगामी एक सप्ताह तक हीट वेव (गर्म हवा या लू) और सीवियर हीट वेव (अति गर्म हवा) चलने की संभावना जताई गई है। हरियाणा में पानीपत का अधिकतम तापमान 44.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। महेंद्रगढ़ में नारनौल और महेंद्रगढ़ का अधिकतम तापमान क्रमश- 42.2 और 41.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

कमलनाथ के नेतृत्व में ही लड़ा जाएगा 2023 का चुनाव

मध्य प्रदेश में 2023 के विधान सभा चुनाव से पहले कांग्रेस नेताओं को एकजुट रखने की कवायद तेज हो गई है. प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने राजनीतिक मामलों में सलाह देने के लिए पार्टी की एक समिति बना दी है. इसमें सभी असंतुष्ट नेताओं को जगह देकर उनकी नाराजगी दूर करने की कोशिश की गयी है. समिति में कुल 20 नेताओं को शामिल किया गया है. जबकि स्थाई आमंत्रित सदस्य के रूप में राज्यसभा सांसद राजमणि पटेल और विवेक तन्खा को जगह दी गयी है. अगले विधानसभा चुनाव के लिए फी हैंड मिलते ही पीसीसी चीफ और पूर्व सीएम कमलनाथ ने काम शुरू कर दिया है. इसकी शुरुआथ एक तीर से सारे अंतुष्ट नेताओं को साधकर की है. राजनीतिक मामलों में सलाह देने के लिए कमलनाथ ने नयी समिति बनायी है.

मध्य प्रदेश में राजनीतिक पार्टियों ने मिशन 2023 की तैयारी शुरू कर दी है। इस बीच प्रदेश कांग्रेस पार्टी ने सोमवार को तय किया कि वह आगामी विधानसभा चुनाव प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ के नेतृत्व में ही लड़ेगी। इसके साथ ही कांग्रेस पार्टी जनता के मुद्दों पर पूरे प्रदेश में जन आंदोलन शुरू करेगी। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ नेताओं और पूर्व मंत्रियों की एक महत्वपूर्ण बैठक प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के आवास पर हुई। पार्टी की तरफ से बताया गया कि बैठक में सभी नेताओं ने आम सहमति से कमलनाथ से कहा कि उन्हीं को 2023 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी का नेतृत्व करना है और एक-एक नेता उनके नेतृत्व में पूरी ताकत से कांग्रेस की सरकार बनवाने के लिए कटिबद्ध है।

बैठक के बाद कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष जीतू पटवारी और पूर्व वित्त मंत्री तरुण भनोट ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश में आर्थिक अराजकता है और समाज में समरसता का अभाव है। जिसमें किसान और नौजवान परेशान हैं। पटवारी ने कहा की 2023 का विधानसभा चुनाव पार्टी शिवराज सरकार के कुशासन, भ्रष्टाचार, किसानों के संकट और दूसरे आर्थिक सामाजिक मुद्दों पर लड़ा जाएगा।

पटवारी ने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ के नेतृत्व में प्रदेश की जनता के महत्वपूर्ण मुद्दे उठाने के लिए आंदोलन की विस्तृत कार्य योजना तैयार कर ली गई है और जल्द ही प्रदेश की जनता देखेगी कि कांग्रेस पार्टी कैसे सड़क से लेकर विधानसभा तक पूरे प्रदेश में जनता के मुद्दों पर जन आंदोलन खड़ा करेगी। वहीं, तरुण भनोट ने कहा की मध्य प्रदेश की आर्थिक स्थिति बहुत खराब हो गई है। प्रदेश के ऊपर चार लाख करोड़ का कर्ज हो गया है। ऐसे हालात में प्रदेश की जनता के ऊपर डीजल, पेट्रोल, गैस, बिजली और हर किस्म की महंगाई लादी जा रही है। शिवराज सरकार का चेहरा पूरी तरह जनविरोधी हो गया है। उन्होंने कहा कि बैठक में फैसला किया गया है कि कांग्रेस पार्टी महंगाई किसान और बेरोजगारी के मुद्दे पर बड़े पैमाने पर जनता को जागरूक करेगी। बैठक में पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी, पूर्व केंद्रीय मंत्री कांतिलाल भूरिया, पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह राहुल, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरुण यादव, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एनपी प्रजापति, पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष हिना कावरे और कमलनाथ सरकार के पूर्व मंत्री शामिल हुए।

विवेक तन्खा को छत्तीसगढ़, गुलाम नबी को मध्य प्रदेश और राजस्थान से प्रियंका को राज्यसभा में भेजने पर मंथन

राज्यसभा चुनाव की चुनौती से निपटने के लिए कांग्रेस विवेक तन्खा को मध्य प्रदेश की बजाए छत्तीसगढ़ से भेजने पर मंथन कर रही है। किसी बड़े प्रदेश से राज्यसभा पहुंचने की मंशा के चलते गुलाम नबी आजाद को मध्य प्रदेश और प्रियंका गांधी वाड्रा को राजस्थान से सदन में भेजा जा सकता है। इस तरह मप्र में तन्खा की खाली हो रही सीट के लिए अरुण यादव और अजय सिंह की दावेदारी अब कमजोर पड़ गई है। राज्य सभा चुनाव को लेकर भोपाल से दिल्ली तक हलचल तेज हो गई है। कांग्रेस में असंतुष्ट जी-23 नेताओं की सक्रियता और अहमद पटेल के निधन के बाद पार्टी के केंद्रीय संगठन में बदलते समीकरणों के बीच कमल नाथ और उनके खेमे का कद लगातार बढ़ता जा रहा है। असंतुष्टों के रुख की नरमी का जिम्मा कमल नाथ ने लिया है, तो उसका असर भी खेमे के मौन के रूप में सामने आया है। वहीं, मध्य प्रदेश में भी कमल नाथ प्रदेश अध्यक्ष, नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी एक साथ निभा रहे हैं, जिस पर सवाल उठने के बाद भी कोई परिवर्तन नहीं हो सका। इधर, राज्यसभा चुनाव में तन्खा की जगह अरुण यादव और अजय सिंह की दावेदारी को भी गुलाम नबी आजाद को लाकर सिरे से खारिज करने की तैयारी है। नाथ खेमे की मानें तो इस संबंध में कमल नाथ और अरुण यादव की सोमवार को कमल नाथ के आवास पर हुई बैठक से पहले अलग से चर्चा भी हो चुकी है। तन्खा को राज्यसभा में बरकरार रखने के लिए उन्हें छत्तीसगढ़ से भेजा जाएगा। सूत्र बताते हैं कि कोई उठा-पटक नहीं हुई तो कमल नाथ के इस फार्मूले के आधार पर इन तीनों नामों पर शीर्ष नेतृत्व जल्द ही मुहर लगा देगा।

महाआर्यमन सिंधिया की सियासत में एंट्री, मिली नई जिम्मेदारी

प्रदेश के सिंधिया घराने की अगली पीढ़ी की राजनीतिक एंट्री की तैयारी पूरी हो चुकी है. केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के बेटे आर्यमन सिंधिया को ग्वालियर डिवीजन क्रिकेट एसोसिएशन में उपाध्यक्ष बनाया गया है. संस्था या संगठन का पहले पद की जिम्मेदारी आर्यमन सिंधिया को दे दी गई है. माना जा रहा है कि इस पद के साथ आर्यमन की राजनीतिक एंट्री हो गई है. साथ ही यह भी कयास लगाए जा रहे हैं कि इस पद के साथ आर्यमन सियासी गलियारों में कदम रखने वाले हैं. बता दें कि 27 मार्च को त्नष्ट्ट की वार्षिक आम सभा हुई थी. इस बैठक में केंद्रीय मंत्री और त्नष्ट्ट अध्यक्ष ज्योतिरादित्य सिंधिया के साथ बोर्ड के वरिष्ठ पदाधिकारी भी मौजूद थे. इस बैठक में बोर्ड की नई कार्यकारिणी को लेकर चर्चा की गई थी. अब नई कार्यकारिणी के नामों को हरी झंडी दे दी गई है. नई कार्यकारिणी में आर्यमन सिंधिया को उपाध्यक्ष के पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है. हालांकि इससे पहले भी आर्यमन एसोसिएशन के सदस्य थे. इसके साथ ही जीवाजी यूनिवर्सिटी में शारीरिक शिक्षा विभाग के डायरेक्टर रहे डॉ. राजेंद्र सिंह को भी उपाध्यक्ष बनाया गया है. संजय आहूजा को सचिव बनाया गया है. वहीं वीरेंद्र बापना यथावत कोषाध्यक्ष बनाया गया है. बता दें कि आर्यमन इससे पहले भी अपने पिता के लिए चुनावी सभाओं में प्रचार करते दिख चुके हैं. अब वह अपने पिता और दादा की तरह ही क्रिकेट पिच से अपने सियासी सफर की शुरुआत करने जा रहे हैं. आर्यमन सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं. उन्हें पिता के अलावा अपनी मां प्रियदर्शनी राजे का भी करीबी माना जाता है बता दें कि आर्यमन की तरह ही उनके पिता ज्योतिरादित्य और दादा माधवराव सिंधिया ने भी क्रिकेट के पिच से ही अपने सियासी सफर को शुरू किया था. ज्योतिरादित्य वर्तमान में मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन व चंबल क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष हैं. गौरतलब है कि चार दिन पहले सिंधिया के साथ आर्यमन ने भी पीएम मोदी से मुलाकात की थी. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद केंद्रीय मंत्री सिंधिया के घर पहुंचे थे. इस दौरान आर्यमन पीएम के करीब खड़े हुए थे. ऐसे में माना जा रहा है कि आर्यमन का सियासी सफर शुरू हो चुका है.

गृहमंत्री का इंदौर में बड़ा बयान: डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने कहा-

शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में पार्टी लड़ेगी अगला चुनाव

● इंदौर

मध्यप्रदेश के गृहमंत्री और इंदौर के प्रभारी मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने गुरुवार को इंदौर में कहा कि अगला चुनाव मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में ही लड़ा जाएगा। कांग्रेस ने पूर्व मुख्यमंत्री कमनलाथ को संन्यास की उम्र में सेहरा बांधा है। अब वे 77 वर्ष के हो जाएंगे। यह उनका आंतरिक मामला है। इस बार भाजपा प्रदेश में दो तिहाई मतों से सरकार बनाएगी।वहीं कांग्रेस ने रामनवमी और हनुमान जयंती पर धार्मिक आयोजन को लेकर परिपत्र जारी किया है। इस पर भोपाल से कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद ने सवाल उठाया है। इस तरह के परिपत्र रमजान व अन्य आयोजनों पर क्यों जारी नहीं किए गए। विधायक की नाराजगी को लेकर नरोत्तम से सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा कि आरिफ मसूद (भोपाल विधायक) मेरे भाई को समझना चाहिए कि कांग्रेस मुसलमानों को सिर्फ वोटर मानती है। यही कारण है कि कांग्रेस ने देश में से अल्पसंख्यकों का नेतृत्व खत्म कर दिया। मेरा मानना है कि आरिफ मसूद को अंतर्मुखी होना चाहिए।मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने कालीचरण महाराज को लेकर हमलावर हुई कांग्रेस पर भी तंज कसा। कहा- गोरखपुर में जो आतंकवादी पकड़ा है, उसके बारे में कांग्रेस का कोई ट्वीट सुना क्या? दिग्विजय सिंह का, उनके दोस्त जाकिर नाइकजी का? जाकिर नाइक का जो पट्ठा गोरखपुर मंदिर में पकड़ाया, उसके बारे में कांग्रेसी नहीं बोलेंगे। लेकिन कालीचरण महाराज पर जरूर बोलेंगे। जम्मू कश्मीर में कश्मीरी पंडितों को पुन- बसाए जाने की कोशिशों के तहत मध्य प्रदेश की शिवराज सरकार ने पहल की है कि मध्य प्रदेश में रह रहे कश्मीरी पंडितों में से जो भी वापस जाना चाहते हैं सरकार उन्हें भेजने का इंतजाम करेगी। उनकी वापसी को सुनिश्चित करने की कार्रवाई की जाएगी। मध्य प्रदेश की शिवराज सरकार के प्रवक्ता नरोत्तम मिश्रा ने यह बयान दिया है। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में जो कश्मीरी पंडित रह रहे हैं लेकिन वे वापस अपने प्रदेश जाना चाहते हैं तो प्रदेश सरकार उनकी मदद करेगी। ऐसे कश्मीरी पंडित परिवारों को सूचना देना होगा और जिसकी इच्छा होगी, उसे सरकार भेजेगी। वहां उनकी वापसी को सुनिश्चित करेगी। द कश्मीर फाइल्स फिल्म नहीं देखने के कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य विवेक तन्खा के बयान पर मिश्रा ने उनसे कश्मीरी पंडितों की सूची मांगी है। जो भी कश्मीरी पंडित वापस कश्मीर जाना चाहते हैं, तन्खा उनकी सूची सरकार को सौंप दें। उन सबको भेजने की व्यवस्था सरकार करेगी। गौरतलब है कि विवेक तन्खा कश्मीरी हैं और उन्होंने कहा है कि उन्हें कश्मीरियों का दर्द पता है। इसी वजह से वे द कश्मीर फाइल्स फिल्म नहीं देखेंगे।

कश्मीरी पंडितों को फिर से कश्मीर में बसाने की कोशिशों के तहत मध्य प्रदेश सरकार की पहल, जो जाना चाहेंगे सरकार भेजेगी

जन समस्या निवारण एवं जन कल्याण के लिए ऊर्जा मंत्री तोमर ने की पदयात्रा

ग्वालियर। प्रदेश सरकार के ऊर्जा मंत्री प्रद्युमन सिंह तोमर द्वारा जन समस्याओं के निराकरण एवं जन कल्याण की कामना को लेकर ग्वालियर के कोटेश्वर मंदिर से दतिया स्थित पीतांबरा माई के मंदिर तक पदयात्रा निकाली पदयात्रा समुदन गांव आने पर ग्रामीणों ने विद्युत समस्या बताई कि डीपी खराब होने के कारण विद्युत समस्या आ रही है। इतना सुनते ही ऊर्जा मंत्री ने संबंधित अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि शाम तक डीपी लगाई जाए और अगले दिन गाँव में कैंप लगाकर लोगों की विद्युत संबंधी समस्याओं का निराकरण किया जाए। इसके साथ ही अन्य नागरिकों की भी समस्याओं को सुनकर उनके निराकरण के निर्देश तत्काल संबंधित अधिकारियों को दिए। पदयात्रा के दौरान पटा, पंचमपुरा आदि ग्रामीण लोगो अपनी अपनी समस्या लेकर आ रहे थे। जिसको लेकर पदयात्रा में साथ चल रहे अधिकारियो को त्वरित निराकरण के निर्देश दिया। जलसा गार्डन में ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने चौपाल लगाकर आमजन की समस्याओं को सुना तथा उनके निराकरण के निर्देश अधिकारियो को दिए। शिविर में

में 31 समस्याओं से अधिक आवेदन आए सभी आवेदनों को ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने बारी-बारी से सुना तथा संबंधित अधिकारियों को उनके निराकरण के लिए निर्देशित किया । चौथे दिन पदयात्रा सुबह गोराघाट से प्रारंभ होकर दतिया के लिए प्रस्थान करेगी जहां ऊर्जा मंत्री श्री तोमर व श्रद्धालु मां पीतांबरा माई के दर्शन कर प्रदेश व जिले की खुशहाली की कामना करेंगे। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने डबरा में पदयात्रा के दौरान पूर्व केन्द्रीय मंत्री स्व. माधवराव सिंधिया की प्रतिमा पर माल्यार्पण भी किया।

ग्रामीण नागरिक ज्यादा समस्याएं लेकर आये। इसको लेकर मंत्री श्री तोमर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि ग्रामीण क्षेत्र में कैंप आयोजित कर विद्युत समस्याओं का निराकरण अति शीघ्र करें । शिविर

हमारा लक्ष्य– बाल श्रम मुक्त दतिया

● पुष्पांजली टुडे ब्यूरो, दतिया

दतिया जिले को बाल श्रम मुक्त बनाने हेतु कलेक्टर श्री संजय कुमार एवं श्रम विभाग तथा बाल श्रम के विरुद्ध गठित जिला स्तरीय टास्क फ़ोर्स समिति पूर्ण रूप से समर्पित होकर कार्य कर रही है। जिला बाल श्रम नोडल अधिकारी श्रीमती निशा जहां बाल श्रम को एक सामाजिक अभिशाप मानती है। बाल श्रम यह कुप्रथा नहीं है बल्कि एक राष्ट्र को अपंग करने वाले कुष्ठ रोग की तरह है, जिस तरह कुष्ठ रोग शरीर के किसी एक अंग से शुरू होकर धीरे धीरे पूरे शरीर के लिए घातक बन जाता है उसी तरह बाल श्रम भी एक परिवार से शुरू होकर पूरे राष्ट्र के लिए घातक होता है। बाल श्रम को प्रेरित करने वाले लोग मानते हैं कि गरीबी में बच्चों से मजदूरी करवाई जाती है लेकिन यह एक दुष्चक्र है , क्योंकि बाल श्रम में संलग्न बच्चे का शारीरिक और मानसिक विकास अवरुद्ध हो जाता है जिसके परिणाम स्वरूप वह वयस्क होने के उपरांत भी क्या सही है और क्या गलत? इसका निर्धारण नहीं कर सकता है, तत्पश्चात वह फिर से उसी परंपरा को बढ़ावा देता है। जिस प्रकार उसके माता-पिता ने अज्ञानतावश गरीबी के कुचक्र के चलते उससे शिक्षा का अधिकार छीन लिया था उसी प्रकार वह स्वयं भी अपने आने वाली पीढ़ी को शिक्षा के अधिकार से वंचित करने का प्रयास करता है और यह प्रक्रिया निरंतर चलती रहती हैं। बाल श्रम के लिए बच्चों के अभिभावक के साथ- साथ संस्थान में बाल श्रम को नियोजित करने वाले नियोजक भी जिम्मेदार

हैं। नियोजक को सस्ती दर पर श्रमिक मिलते हैं और ऐसी श्रमिक मिलते हैं जिनसे उन्हें कोईनुकसान भी नहीं होता है। चूंकि शिक्षा के अभाव में बच्चों को उनके अधिकारों का ज्ञान नहीं होता है जिससे संस्थान के प्रमुखों द्वारा उनका शोषण किया जाता है। शासन के द्वारा बाल श्रम को पूर्णता प्रतिबंधित किया गया है। बाल एवं कुमार श्रम प्रतिषेध अधिनियम 1986 के अंतर्गत 14 वर्ष तक के बच्चों से किसी भी संस्थान पर कार्य करवाया जाना पूर्ण तरह प्रतिबंधित है ।यदि किसी संस्थान पर बाल श्रमिक नियोजित पाए जाते हैं , तो संस्थान प्रमुख पर रु 50,000 तक का आर्थिक दंड एवं 2 वर्ष तक का कारावास की सजा हो सकती है। यदि कहीं पर भी किसी भी व्यक्ति को कोई बच्चा कार्य करता दिखाई देता है तो वह चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 पर कॉल करके सूचना दे सकता है। बाल श्रम की के लिए भारत सरकार के श्रम मंत्रालय द्वारा पेंसिल पोर्टल की शुरुआत की गई है। शिकायत करने वाले का नाम व पता गुप्त रखा जाएगा। पेंसिल पोर्टल पर शिकायत प्राप्त होने के 48 घंटों के भीतर जिला बाल श्रम नोडल अधिकारी को जांच करना अनिवार्य होगा । यदि कोई बच्चा बाल श्रम में संलग्न पाया जाता है तो तत्काल टास्क फोर्स के द्वारा बच्चे को जिला बाल कल्याण समिति समक्ष प्रस्तुत किया जावेगा तथा बच्चे का आर्थिक सामाजिक एवं शैक्षणिक पुनर्वास सुनिश्चित कराया जाना जिला स्तरीय टास्क फोर्स का दायित्व है।

शिवपुरी पुलिस ने 5 लाख की चोरी का किया खुलासा, आरोपी दिल्ली से गिरफ्तार

● पुष्पांजली टुडे ब्यूरो अनिल कुशवाह शिवपुरी

शिवपुरी में दिनांक 20 मार्च 2022 को फरियादी ने थाना कोतवाली आकर रिपोर्ट किया कि मैं अपनी कार को गुरद्वारे के पास खड़ा किया था उसी वक्त कुछ लोगों ने आकर मुझे गुमराह करने के लिये कहा कि तुम्हारी गाड़ी मे से ऑयल लीक हो रहा है जिसे मैं देखने लगा इसी दौरान उनमे से किसी के द्वारा मेरी गाड़ी मे रखे बैग जिसमे 5 लाख रुपये रखे थे चुरा लिया । रिपोर्ट पर से थाना कोतवाली पर अपराध क्रं.144/2022 धारा 379 भादवि का कायम कर थाना प्रभारी तत्काल मौके पर पहुंचे घटना स्थल का मुआयना किया एवं घटना की सूचना वरिष्ठ अधिकारियों को दी । पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री राजेश सिंह चंदेल ने दिन दहाड़े हुयी चोरी की इस घटना को गंभीरता से लेते हुये चोरों की पतारसी एवं चोरी गये बैग को वरामद करने के लिये शहर मे लगे सीसीटीव्ही एवं सायबर सैल की मदद लेने के निर्देश दिये। अति. पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री प्रवीण कुमार भूरिया, एसडीओपी शिवपुरी श्री अजय भार्गव के मार्गदर्शन मे थाना प्रभारी कोतवाली निरी. सुनील खेमरिया के नेतृत्व मे एक पुलिस टीम गठित कर चोरों की तलास शुरु की गई । जिससे चलते शहर मे लगे सीसीटीव्ही कैमरों को खंगाला गया, जिससे ज्ञात हुई कि घटना के वक्त एक नीले रंग की दिल्ली पास वलेनो कार क्रं. छ्रु2छ्छ्9844 दिखी एवं उसमे से 4-5 लोग उतरे और घटना स्थल पर पहुंचे। पुलिस द्वारा विवेचना को आगे वढ़ाते हुये इन लोगों पर शक के दायरे लेते हुए इनकी जांच पड़ताल मे जुट गई । सायबर सेल की मदद से गाड़ी का पता किया गया तो

दिल्ली का पता आया। वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन मे थाना कोतवाली से एक पुलिस टीम जिसमे उनि. दीपक पालिय, प्रआर. देवेन्द्र, प्रआर नरेश यादव एवं आर भूपेन्द्र यादव को दिल्ली के लिये रवाना किया गया। पुलिस टीम द्वारा दिल्ली पुलिस की मदद से थाना अम्बेडकर नगर इलाके से दविस देकर एक आरोपी, घटना मे प्रयुक्त कार छ्रु2छ्छ्9844 एवं आरोपी से नगद 3 लाख रुपये वरामद कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया। आरोपी से पूछताछ मे बताया कि उसने अपने 4 अन्य साथियों के साथ मिलकर घटना को कारित किया है। पुलिस द्वारा घटना का 48 घंटे के अंदर खुलासा कर घटना मे सामिल अन्य आरोपियों की तलास की जा रही है। घटना पर तुरंत कार्यवाही करने एवं खुलासा करने पर पुलिस अधीक्षक शिवपुरी द्वारा पुलिस टीम के मनोवल बढ़ाने एवं सराहनीय कार्य के लिये नगद पुरुस्कार की घोषणा की है। इस कार्यवाही मे थाना प्रभारी कोतवाली निरी. सुनील खेमरिया, उनि. दीपक पालिया, कावा. प्रआर. नरेश यादव, काव. प्रआर. देवेन्द्र, आर. भूपेन्द्र यादव की सराहनीय भूमिका रही।

नर्मदेश्वर महादेव मंदिर पर रंगपंचमी के अवसर पर हुआ रंगभांग कार्यक्रम

● पुष्पांजली टुडे उमाकान्त शर्मा संबाददाता चम्बल संभाग

भिण्ड। शहर से 12 किलोमीटर दूर स्थित ग्राम नीमगाँव में शिव मंदिर पर होली के पावन पर्व पर होली मिलन व फाग समारोह बड़ी धूमधाम से मनाया गया।मंदिर के पुजारी ने बताया कि ग्राम नीमगांव में रंगपंचमी के दिन शिव मंदिर पर रंगपंचमी व रंगभाँग का आयोजन किया गया।पुजारी श्री श्री1008 जगन्नाथ दास जी महाराज ने बताया कि मंदिर पर गाँव वासियो की बहुत आस्था है आपको बता दें कि इस मंदिर का निर्माण श्री नाथूराम करैया जी ने अपने ईष्ट देवों व पितरों की यादगार में करवाया था।होली पर्व के उपलक्ष्य में पं.श्री रामप्रकाश पुरोहित ने रंगभाँग व फाग का आयोजन किया गया जिसमें आसपास के गांव के लोगों ने भी हिस्सा लिया।डॉ. रमाकान्त शर्मा की अनुशंसा पर संजीव शर्मा जिला ब्यूरो आर बी न्यूज़ व उमाकान्त शर्मा संबाददाता चम्बल संभाग दैनिक पुष्पांजली टुडे ने पहुँच कर सभी ग्रामवासियों के साथ होली खेली तथा शिव प्रसाद के रूप में भांग का वितरण भी किया।सभी लोगों ने शिव जी के दर्शन किये तथा मंदिर की सजावट भी की गई। फाग गाने वालों में नीमगांव, मठीपुरा बरोही,गिजुर्रा आदि गांव के लोगों ने हिस्सा लिया।इनमें मुख्य रूप से रामकिशन पुरोहित, नाथूराम करैया, शिवकुमार, सुंदर पाराशर, सुरेश, दिनेश, रामदत्त राजौरिया,रामसरन राजौरिया, हरसेवक राजौरिया, धर्मेंद्र पाराशर, छोटू पुरोहित,उमेश, अबधेश पुरोहित, बरोही से टिल्लू शुक्ला व उनकी टीम,ढोलक पर वीरेंद्र, मुन्ना,व अन्य लोगों में साथ दिया।

36 लाख का ठग निकला ट्रिपल हत्याकांड का आरोपी

मऊरानीपुर में अपनी प्रेमिका व उसके दो बच्चों की थी निर्मम हत्या

● पुष्पांजली टुडे क्राइम ब्यूरो ग्वालियर

मध्य प्रदेश पुलिस ने चार सीरियल हत्या की वारदात करने वाले व करोड़ों रुपए की ठगी करने वाले 10 वर्ष से फरार शातिर बदमाश को दबोचा वारदात नंबर 1- राजेश कमरिया निवासी जौरासी थाना बिलौआ ग्वालियर जिला ग्वालियर व गीता गहलोत निवासी बाला बाई का बाजार लश्कर रामानुज नगर निवासी हरिशंकर शिवहरे रिटायर्ड इंजीनियर के मकान में करीब दो-तीन साल किराए से रहे ।यहां इसने अपना नाम राजेन्द्र कमरिया रख लिया और गीता का नाम मुस्कान रख लिया उन्हें पापा बना लिया व कृषि भूमि टेकनपुर क्षेत्र में दिखाकर एग्रीमेंट कर 36 लाख रुपए ठग लिए । जबकि वह कृषि भूमि सरकारी थी। वर्ष 2013 में थाना बिलौआ ग्वालियर में अपराध क्रमांक 96/13धारा 420 ,467, 468 ,471,120ब्भआईपीसी का राजेश कमरिया व उसके पिता वीर सिंह कमरिया पर दर्ज किया गया।वीर सिंह की मृत्यु हो गई लेकिन आरोपी राजेश यादव वारदात करने के बाद से ही फरार था ।जो ग्वालियर मध्य प्रदेश पुलिस द्वारा दिनांक 16/12/22को बिलौआ स्थित फार्म हाउस से गिरफ्तार किया गया । वारदात नंबर 2- दिनांक 31/12 /11 को अपनी प्रेमिका गीता के पति मनोज गहलोत निवासी बलाबाई का बाजार लश्कर ग्वालियर को बीयर में नशे की गोली मिलाकर हत्या कर लाश बड़ागांव क्षेत्र की नहर में फेंक दी ।वर्ष 2012 थाना बड़ागांव झांसी क्षेत्र में अपराध क्रमांक 3/ 12 धारा 302 ,201 आईपीसी अज्ञात व्यक्ति की हत्या अज्ञात व्यक्तियों द्वारा करने पर दर्ज किया गया जिसमें पिछले 10 वर्ष से कोई पता नहीं चला था। यह हत्या की वारदात का पर्दाफाश भी ग्वालियर पुलिस द्वारा किया गया कि मनोज की हत्या राजेश निवासी जौरासी थाना बिलौआ जिला ग्वालियर द्वारा की गई है हत्या में मनोज की पत्नी गीता जो उसकी प्रेमिका थी ने भी साथ दिया था । हत्या का कारण राजेश गीता से प्यार करता था और मनोज को रास्ते से हटाना चाहता था। वारदात नंबर 3- राजेश कमरिया ने अपनी प्रेमिका गीता से विवाह करने के बाद दिनांक 24 -25 जनवरी 2013 की रात मऊरानीपुर स्थित फ्लैट में गीता ,गीता के पुत्र निक्की उर्फ निखिल उम्र 12 वर्ष व गीता के भाई रामबाबू चित्रकार के पुत्र सूरज उम्र 16 वर्ष की गला घोंट कर व गला काट कर हत्या कर दी इस वारदात में इसका भाई छोटा भाई कालू उर्फ लाखन यादव व इसकी बहन रेखा पत्नी संजीव का देवर मनीष निवासी ग्राम भीतरी परीक्षा झाँसी भी शामिल था। कालू व मनीष गिरफ्तार हो चुका था लेकिन राजेश कमरिया वारदात के बाद से ही फरार था । इस वारदात का थाना मऊरानीपुर जिला झांसी उत्तर प्रदेश में अपराध क्रमांक 31/13धारा 302 आईपीसी 3(2)5 एससी एसटी एक्ट का मुकदमा दर्ज था । यह करीब 9 वर्ष से अधिक समय से फरार था । वारदात का कारण गीता की सारी प्रोपर्टी हड़प ली ।वारदात नंबर 4- राजेश कमरिया फरार होकर फरारी दिल्ली पंजाब भोपाल आदि शहरों में काट रहा था इसी दौरान उसका परिचय दिल्ली में रिटायर्ड आर्मी ऑफिसर कुलदीप मेहरा व उसकी पत्नी अंजू मेहरा से हो गया उसने इन्हें भी अपना पापा मम्मी बना लिया इनकी दिल्ली की बेशकीमती प्रॉपर्टी दुकान आदि करोड़ों रुपए की बिकवा कर ग्वालियर में सरकारी जमीन का सौदा कर उनके करोड़ों रुपए रुपए ठग लिए इसी दौरान इसने अनामिका नाम की लड़की से राजेंद्र मेहरा बनकर विवाह कर लिया और उसकी भी लाखों रुपए की प्रॉपर्टी ठग ली तथा कुछ दिन पहले अपनी प्लानिंग के तहत उसे कार से ले जाकर मारपीट व मारने का प्रयास किया। किसी तरह जान बचा कर अनामिका ने थाना झांसी रोड ग्वालियर में रिपोर्ट की जिस पर अपराध पंजीबद्ध किया गया ।

एसएसपी अमित सांघी ने बताया कि मुखबिर से खबर मिली कि वर्ष 2013 में थाना बिलौआ क्षेत्र में 36 लाख रूपये की धोखाधड़ी करने वाले आरोपी को बिलौआ क्षेत्र में देखा गया है। इस पर एएसपी क्राइम राजेश डण्डौतिया को आरोपी पकडने की जिम्मेदारी सौपी गई। एएसपी ग्रामीण जयराज कुबेर से समन्वय स्थापित डीएसपी अपराध रत्नेश सिंह तोमर, नागेन्द्र सिंह सिकरवार थाना प्रभारी क्राईम ब्रांच दामोदर गुप्ता के नेतृत्व में पुलिस टीम ने बिलौआ स्थित फार्म हाउस की घेराबंदी कर उसे धरदबोचा। पकड़े गये आरोपी से पूछताछ करने पर उसने अपना नाम राजेश बताया। इसने शासकीय चरनौई भूमि को फर्जी तरीके से कूट रचित दस्तावेज बनाकर 36 लाख रूपये की धोखाधड़ी कर बैच दी थी। जिस पर से हरिशंकर शिवहरे निवासी सचिन तेंदूलकर मार्ग की रिपोर्ट पर बिलौआ में मामला दर्ज हुआ था। आरोपी को पकडने में क्राईम ब्रांच के सहायक उपनिरीक्षक राजीव सोलंकी, प्रधान आरक्षक रामबाबू सिंह, आरक्षक आशीष शर्मा, सोनू परिहार की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही।

एएसआई की सक्रियता से पकड़ा गया बदमाश

ट्रिपल मर्डर में फरार आरोपी को पकडने का पूरा श्रेय एएसआई शैलेन्द्र सिंह चौहान को जाता है। जो वर्तमान में शिवपुरी जिले के पिछोर थाने में पदस्थ है। शैलैन्द्र ने ग्वालियर में रहते हुए कई बदमाशो को सलाखों के पीछे पहुंचाया। दूसरे जिले में जाने के बाद भी उनके मुखबिर लगातार सक्रिय है। यही वजह है कि उनके एक मुखबिर ने इस आरोपी की पूरी जानकारी उन्हें दी। इसके बाद वह तुरंत सक्रिय हो गए। आरोपी की पूरी कुंडली निकालकर लिखी। वहीं कुंडली अधिकारियों तक भी पहुंच गई। उनकी सक्रियता की वजह से क्राइम ब्रांच टीम इस बदमाश को पकडने में सफल हो सकी है।

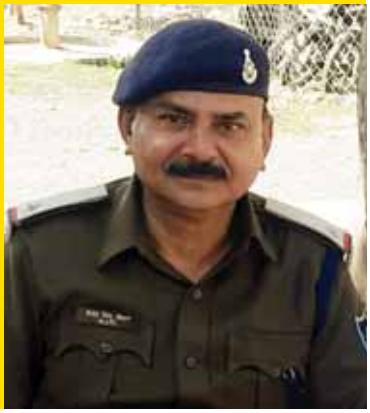

तिदुनहाई माध्यमिक शाला का हेड मास्टर अधिकारियों के आदेश की अवहेलना कर चला रहा गुंडा राज

20 दिनों से लगातार भटक रहा शिक्षक मानसिक प्रताड़ना का हुआ शिकार

● पुष्पांजली टुडे ब्यूरो गौरीशंकर कुशवाहा पन्ना

मामला गुनौर विकासखंड शिक्षा क्षेत्र अंतर्गत शासकीय माध्यमिक शाला तिदुनहाई का है जहां पर पदस्थ हेड मास्टर फुंदर लाल दहायत की गुंडागर्दी चरम पर है। शिक्षक राजेंद्र प्रताप सिंह का स्थानतरण नीति के तहत ट्रांसफर गत वर्ष इमलिया मल्लजू से तिदुनहाई शाला में हुआ था उस दौरान जब शिक्षक राजेंद्र प्रताप सिंह शाला ज्वाइन करने पहुंचे तो एकीकृत हो चुके शाला परिषर के हेड मास्टर फुंदर लाल दहायत द्वारा अभद्रता करते हुए ज्वाइन करने से मना कर दिया गया उस दौरान तात्कालिक विकाश खंड शिक्षा अधिकारी स्व. विजय सिंह ने स्वयं शाला जाकर बाद- विवादों के बीच ज्वाइन करवाया साथ ही हेड मास्टर के अभद्र व्यवहार को देखते हुए राजेंद्र सिंह जी को गुनौर अटैच कर लिया गया।लेकिन एक वर्ष बाद शैक्षणिक सत्र खत्म होने पर नियमानुसार संकुल प्राचार्य द्वारा मुक्त कर पदांकित शाला में ज्वाइन करने हेतु निर्देशित किया गया लेकिन 22 मार्च से 8 अप्रैल 2022 तक लगातार शिक्षक राजेंद्र प्रताप सिंह तिदुनहाई शाला जाते रहे पर विद्यालय में हेड मास्टर नही मिले न कोई प्रभारी न ही उपस्थिति पंजी जिससे शिक्षक की ज्वाइनिंग समाचार लिखे जाने तक नहीं हो पाई जिसका प्रत्यक्ष प्रमाण समस्त ग्रामवासी दे चुके हैं जबकि इस संबंध में जब शिक्षक द्वारा विकास खंड शिक्षा अधिकारी और संकुल प्राचार्य को शिकायती आवेदन दिया गया जिस पर अधिकारियों द्वारा शिक्षक की ज्वाइनिंग संबधी नोटिस जारी करने के बावजूद तानाशाह हेड मास्टर द्वारा ज्वाइनिंग नही कराई गई।

पत्रकारों ने जब इस संबंध में फोन पर हेड मास्टर से जानकारी चाही तो साफ तौर पर हेड मास्टर ने ज्वाइनिंग कराने से मना करते हुए खुले आम गुंडाराज चलाने की बात कही हेड मास्टर तिदुनहाई का गुंडागर्दी वाला ऑडियो पूरे शिक्षा जगत में चर्चा का विषय बना हुआ है।

हठधर्मिता पर उतारू हेड मास्टर पर उच्चाधिकारियों द्वारा आज तक कार्यवाही न करने पर शिक्षा जगत में तरह तरह की चर्चाओं का बाजार गर्म है।

सुलगते सवाल

1 जब हेड मास्टर अवकाश या अन्यत्र स्थान पर परीक्षा ड्यूटी पर थे तो किसी को प्रभारी क्यों नहीं बनाया?

2 हेड मास्टर के खिलाफ जन शिक्षा केंद्र प्रभारी श्यामरडाडा द्वारा अभद्रता करने संबंधी पत्राचार बी ई ओ गुनौर से किया गया तो कदाचरण पर कार्यवाही क्यों नहीं की गई?

3 संकुल प्राचार्य,बी ई ओ और जन शिक्षा केंद्र प्रभारी के नोटिस पर अमल न करने वाले हेड मास्टर पर जिला प्रशासन इतना मेहरबान क्यों?

4 खुले आम गुंडागर्दी और ज्वाइनिंग न कराने की धमकी देने वाले पर अभी भी कृपा क्यों?

5 लगातार 20 दिनों से भटक रहे शिक्षक की मानसिक प्रताड़ना के लिए जिम्मेदार कौन?

6 जो हेड मास्टर ज्वाइनिंग में तानाशाही दिखा रहा है तो क्या ज्वाइनिंग के बाद शिक्षक को प्रताड़ित करने के नए हथकंडे नही अपनाए जायेंगे?

7 कर्मचारी हितैषी संगठन आखिर 20 दिन से हलाकान शिक्षक की वेदना पर चुप क्यों है?

इनका क्या कहना है

लगातार नोटिस जारी करने और निर्देश देने के बाद भी शिक्षक को ज्वाइन नही कराना और उसे मानसिक प्रताड़ित करना गलत है।प्रधानाध्यापक तिदुनहाई द्वारा शासकीय आदेशों की अवहेलना और पत्रकारों से गलतबयानी अक्षम्य कृत्य है मैं जिला शिक्षा अधिकारी को इस संबंध में इनके निलंबन हेतु लेख करूंगा।

रामकुमार प्रजापति
विकास खंड शिक्षा अधिकारी गुनौर

राजेंद्र प्रताप सिंह द्वारा प्राप्त शिकायती आवेदन के आधार पर प्रधानाध्यापक तिदुनहाई को कारण बताओ नोटिस जारी कर दो दिन में जवाब मांगा गया है और उच्चाधिकारियों को इस संबंध में अवगत करा दिया गया है बी ई ओ महोदय ने इस पर कार्यवाही की बात भी कही है।

सौमित्र मिश्रा
प्रभारी संकुल प्राचार्य, उत्कृष्ट विद्यालय गुनौर

राजेंद्र जी की ज्वाइनिंग को लेकर प्रधानाध्यापक तिदुनहाई का को रुख है वो गलत ,अभद्र और नियमविरुद्ध है इस संबंध में मेरे द्वारा बी ई ओ गुनौर महोदय एवं संकुल प्राचार्य को अनुसासनहीनता और कदाचरण के अंतर्गत कार्यवाही हेतु लेख किया गया है।राजेंद्र जी द्वारा पूरे नियमानुसार उपस्थिति के पूरे प्रयास किए गए है और जहां तक पत्रकारों से जो उन्होंने कहा वो एक गलत बयानी है जिस पर उच्चाधिकारियों को नियमानुसार कार्यवाही करनी ही चाहिए

आर बी माझी
प्राचार्य एवम जन शिक्षा केंद्र प्रभारी, स्यामरडाडा

मैं राजेंद्र प्रताप सिंह को ज्वाइन नही कराऊंगा,मेरे अधिकारी मुझसे बात करें पत्रकार कौन होता है जानकारी लेने वाला आपको जो छापना हो छाप दो यहां मेरा गुंडा राज चलता है।

फुन्दर लाल दहायत
प्रधानाध्यापक, माध्यमिक शाला तिदुनहाई

मैं एक छोटा कर्मचारी हूं तो मुझे प्रधानाध्यापक जी तिदुनहाई द्वारा दुर्भावनावस 20 दिनों से भटकाया जा रहा है। मैं मानसिक रूप से काफी परेशान हो चुका हूं प्रधानाध्यापक जी की वजह से आज मेरी ज्वाइनिंग कही नही है मैने अपने उच्चाधिकारियों से पत्राचार कर मुझे न्याय दिलाने और प्रधानाध्यापक जी पर कार्यवाही का निवेदन किया है

राजेंद्र प्रताप सिंह, प्राथमिक शिक्षक

संगठन गढ़े चलो, सुपंथ पर बढ़े चलो,

भला हो जिसमें देश का, वो काम सब किए चलो

● महेन्द्र शर्मा, रिपोर्टर ग्वालियर संभाग

दिल्ली। किसी भी संगठन की शक्ति उसके कार्यकर्ता होते हैं। कार्यकताओं का निस्वार्थ भाव व लगन से संगठन व उसके लक्ष्यों के समर्पण ही संगठन की सफलता निर्धारित करता है। स्वदेशी जागरण मंच का काम द्रुत गति से बढ़ रहा है। अपना पूरा समय संगठन को देने का निर्णय निश्चित ही बड़े त्याग एवम् संगठन तथा नेतृत्व के प्रति आस्था का धोतक होता है।आत्मनिर्भर भारत के लिए समावेशी और स्वदेशी यह दो मूल मंत्र स्वदेशी के हैं और अकेले स्वदेशी के ही नहीं अपितु सम्पूर्ण भारत का यही मूल मंत्र है। इसी के आधार पर भारत का निर्माण किया जा सकता है ।और इतिहास को जानकर ही भविष्य निर्माण की संकल्पना की जा सकती है। वर्तमान में मोदी सरकार के आने के बाद प्रतिभा पलायन रुका है ।भारत एक अवसर हीन देश से सर्वाधिक अवसरवान देश के रूप में बदल चुका है ।प्रधानमंत्री द्वारा युवा शक्ति का सही उपयोग किया जा रहा है। कृषि उत्पादन एवं सेवा यह तीन हमारी अर्थव्यवस्था के प्रमुख भाग है। कृषि के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं । स्वसहायता समूह बनाकर कृषि उत्पादों को प्रोसेसिंग कर नए रोज़गार एवं व्यापार का सृजन किया जा सकता है। ग्रामीण क्षेत्रों में भी रोज़गार की अपार संभावनाओं को स्वदेशी के माध्यम से बढ़ाया जा सकता है।

देश के लिए काम और काम के पूरे दाम की धारणा के साथ स्वदेशी स्वावलंबन में ग्रामीण क्षेत्रों का विकास संभव है।दिनांक 20, 21 व 22 फरवरी को दिल्ली में स्वदेशी जागरण मंच की तीन दिवसीय वर्ग बैठक संपन्न हुई। बैठक में तेलंगाना, पंजाब, उड़ीसा, मध्य प्रदेश एवम उत्तर प्रदेश आदि प्रदेशों से कार्यकर्ता शामिल हुए। इस वर्ग टोली में राष्ट्रीय संयोजक श्री आर सुंदरम जी, राष्ट्रीय सह संयोजक डॉ. अश्विनी महाजन जी, राष्ट्रीय संगठक श्री कश्मीरी लाल जी, राष्ट्रीय सह संगठक श्री सतीश जी, मध्य प्रदेश संगठक श्री केशव दुबौलिया जी आदि पदाधिकारियों ने इस तीन दिवसीय वर्ग में सभी के साथ अपना अनुभव साझा किया। श्री केशव दुबौलिया जी दिल्ली में इस तीन दिवसीय वर्ग के प्रभारी रहे। स्वदेशी जागरण मंच की इस 3 दिवसीय बैठक में प्रदेशों से आए हुए कार्यकताओं को पूर्णकालिक बनाकर व जिलों सौंपकर घोषणा की गई। बड़े हर्ष का विषय है कि मध्य प्रदेश के लिए 6 कार्यकर्ताओं ने पूरा समय देकर काम करने का निर्णय लिया है। इन पूर्णकालिक कार्यकर्ताओं में श्री राजेश जी पचौरी (प्रदेश कार्यालय सचिव भोपाल), श्री महेंद्र जी शर्मा (भिंड-दतिया जिले संगठन), श्री योगेश जी मरैया (मुरैना-श्योपुर जिले संगठन), श्री दशरथ जी डाबिया (उज्जैन मालवा संगठन), श्री शिवेंद्र जी कौरव (नरसिंगपुर जिला महाकोशल प्रान्त संगठन), श्री हेमंत जी रावत (भोपाल महानगर के एक जिला संगठन) शामिल है उक्त घोषणा पश्चात संगठन के सभी पदाधिकारियों ने नए बने पूर्णकालिक कार्यकर्ताओ को बधाईयां दी और कहा आप सभी के आने से संगठन की गतिविधियों का विस्तार होगा, और संगठन नव कीर्तिमान स्थापित करेगा, इन्ही मंगल कामनाओं के साथ आप सभी का अभिनंदन। घोषणा पश्चात नए पूर्णकालिक कार्यकताओ को संगठन पदाधिकारियों ने बताते हुए कहा सपनों को साकार करने का संकल्प हम सभी के मन में होना चाहिए। बिना किसी पद की लालसा के स्वदेशी का भाव मन में रखते हुए, पूर्ण निष्ठा और ईमानदारी से सतत् कार्य करते रहना है ऐसा उन्होंने कार्यकर्ताओं से आव्हान किया। स्वदेशी के कार्यक्रमों को जन मानस तक ले जाने की अपील की। रोज़गार सृजन की और युवाओं को नए दृष्टिकोण अपनाते हुए अध्ययन के साथ धनअर्जित करने के लिए उद्यम करने की बात पर बल दिया। उन्होंने कहा युवाओं को सुझाव दिया जाना है कि रोज़गार दाता बनने का विचार मन में रखे हैं ना कि रोज़गार ढूंढने का । सामाजिक एवं धार्मिक कार्यक्रमों एवं दैनिक दिनचर्या में स्वदेशी वस्तुओं की अनिवार्यता को प्रमुखता से अपनाने का संदेश दिया।

महान आध्यात्मिक संत शिरोमणि श्री कृपाल सिंह जी महाराज

गालव ऋषि की तपोभूमि का सदैव से एक विशिष्ट आध्यात्मिक महत्व रहा है। अनेकानेक आध्यात्मिक विभूतियों ने इस अंचल को अपने आध्यात्मिक आलोक से आलोकित किया है व वर्तमान में भी सतत् आलोकित कर रहे हैं। इन विभूतियों में विभिन्न साधन परम्पराओं के सन्त-महापुरूष आते हैं जिनमें सूफी सन्त-परम्परा व नाथ परम्परा के सन्त भी सम्मिलित है। सन्त प्रवर हुजूर मालिक साहब (संत योगी हुजूर मानसिंह के. एस.) भी इन्हीं आध्यात्मिक विभूतियों में से एक हैं। आपने कोटेश्वर मार्ग, विनय नगर में 'अध्यात्म निकेतन' नाम से आश्रम की स्थापना सन् 1965 में की। वर्तमान में इस आश्रम के अधिष्ठाता हुजूर मालिक साहब के सुपुत्र व आध्यात्मिक उत्तराधिकारी सन्त कृपाल सिंह जी महाराज हैं।

आपके पूर्वज तत्कालीन ग्वालियर राज्य की सेना में ख्यातिप्राप्त उच्चपदासीन सैन्य अधिकारी रह चुके हैं। हुजूर मालिक साहब का जन्म 27 सितम्बर, सन् 1909 मे ग्राम - सेंथरा, परगना - अम्बाह, जिला - मुरैना म.प्र. में हुआ था। आपका विद्याध्ययन ग्वालियर दुर्ग स्थित 'सरदार्स - स्कूल' में हुआ जो वर्तमान में 'सिन्धिया - स्कूल' के नाम से जाना जाता है। पूर्वजन्म.त आध्यात्मिक साधना, तप एवं तज्जनित संस्कारों का ही परिणाम था कि बाल्यकाल से ही आपमें प्रचुर आध्यात्मिक अभिरूचि जागृत थी। हम कौन हैघ् कहाँ से आये हैंघ् हमारे जीवन का वास्तविक लक्ष्य क्या हैघ् इस लक्ष्य की प्राप्ति किस प्रकार सम्भव हैघ् इस प्रकार के प्रश्न आपके ह्रदय को बाल्यकाल से ही सतत् आन्दोलित करते रहते थे। 'सरदार्स - स्कूल' के अध्यापक गण व प्राचार्य महोदय स्वय भी आपकी इन सब बातो से अत्यन्त विस्मित एवं प्रभावित होते थे। रात्रि में जब छात्रावास का निरीक्षण होता था तब आप प्रायः अपनी चारपाई पर ध्यानावस्था में तल्लीन मिलते थे। अपने 'सर्वेन्ट-क्वार्टर' का प्रयोग भी आप आध्यात्मिक साधना के निमित्त ही करते थे। हुजूर मालिक साहब को मात्र चौदह वर्ष की अवस्था में अपने जन्म स्थान के निकट 'लालजीत का पुरा' ग्राम में विराजित अम्बाह क्षेत्र के प्रसिद्ध परमहंस संत बाबा लोचनदास जी महाराज की .पा सन् 1923 में प्राप्त हुई। इसी वर्ष आपको 'शब्द प्रताप आश्रम' ग्वालियर के संस्थापक सन्त सद्गुरू हुजूर दातादयाल जी महाराज द्वारा हुजूर राधास्वामी जी महाराज, आगरा, की परम्परा से प्राप्त 'सुरत शब्द योग' साधन का लाभ प्राप्त हुआ। उपरोक्त दोनों ही महापुरूषों से प्राप्त साधना भक्ति योग की पूर्वमार्ग की वैष्णवी साधना ही है। ऋषिकेश में विराजित हिमालय के प्रसिद्ध शक्तिपाताचार्य, शक्तिपात साधन के सर्वप्रथम स्वानुभूत प्रामाणिक ग्रंथ 'महायोग' के रचयिता श्रीमद् योगेन्द्र विज्ञानीजी महाराज से हुजूर मालिक साहब को सन् 1958 में 'शक्तिपात-महायोग' साधन की .पा प्राप्त हुई। यह साधन सनातन से आदिनाथ भगवान महेश्वर द्वारा प्रवर्तित सनकादि एवं पाराशर, व्यासादि ऋषि-मुनियों की गुरूपरम्परा के माध्यम से विभिन्न शाखाओं-प्रशाखाओं में होते हुए कभी गुप्त व कभी प्रकट रूप में चली आ रही 'पश्चिम-मार्ग' की 'शैवी-साधन' की परम्परा है जो 'सिद्धमहायोग', 'कुण्डलिनी योग', 'सहज योग', 'क्रिया योग' आदि विभिन्न नामों से अभिहित है। इन दोनो सर्वोच्च आध्यात्मिक साधनों की एक ही आधार में स्थिति अध्यात्म के क्षेत्र की एक विरल एवं दुर्लभ घटना है। 'सुरत शब्द योग' में साधक के ह्रदय में प्रेम, भक्ति एवं विरह-वेदना की प्रधानता की आवश्यकता होती है।

सदगुरू द्वारा प्रदत्त 'उपदेश' के अनुसार साधक नाम-स्मरण व ध्यान के साथ-साथ अन्तर में सृष्टि के मूल स्रोत 'अनाहत नाद' के श्रवण का अभ्यास करता है। अन्तर में नाद या शब्द की जागृति देकर साधक की चेतना शब्द के साथ मिलकर आन्तरिक दिव्य स्थितियों की अनुभूति करती हुई अन्ततोगत्वा 'चैतन्य सिन्धु - परमात्म तत्व' के साथ परम विलास व परमानन्द की स्थिति को प्राप्त होती है। इस साधन-मार्ग में पूर्णता की प्राप्ति हेतु साधक में भक्ति भाव, विरह-प्रेम, सांसरिक विरक्ति आदि के जिस स्तर की आवश्यकता होती है वह वर्तमान परिस्थितियों में, जहाँ चित्तवृत्ति को बाह्य जगत में खींचने वाले साधनों की नित्यप्रति वृद्धि हो रही है, अत्यन्त दुर्लभ है। प्रत्येक व्यक्ति में उसकी चेतना बहिर्मुख रूप से अर्थात संसार की ओर जागृत व क्रियाशील है। शक्ति की बहिर्मुख क्रियाशीलता ही व्यक्ति के समस्त शारीरिक, मानसिक व जागतिक क्रियाकलाप यथा श्वास-प्रश्वास की क्रिया, बौद्धिक चेतना, विज्ञान व तकनीक सहित विभिन्न क्षेत्रों में भौतिक उपलब्धियों का आधार है। यही आसक्ति युक्त कर्म, संस्कार संचय, कर्म-बंधन, प्रारब्ध

निर्माण व जन्म-मृत्यु के चक्र का कारण है। अपने मूल आत्म-स्वरूप की ओर से उदासीन या निष्क्रिय होने के कारण इसे शक्ति की प्रसुप्तावस्था कहा गया है। समर्थ सदगुरू द्वारा जीव के आत्म-कल्याण हेतु किये जाने वाले 'शिव-संकल्प' या 'शक्तिपात' से साधक की चेतना अन्तर्मुखी रूप में जागृत होकर पूर्व कर्म जनित संस्कारों या आत्मानुभूति के मार्ग मे आने वाले अन्तरायों को साफ करती हुई चित्तशुद्धि, अन्तर-जगत की दिव्य-अनुभूति व षटचक्र आदि का वेध करती हुई आत्म-स्वरूप का बोध कराती है। 'शक्तिपात-महायोग' की साधना में साधकों को शक्ति की अन्तर्मुखी जागृति व क्रियाशीलता से पूर्व कर्म जनित अन्तर में संचित संस्कारों के क्षय के निमित्त सहज व स्वाभाविक रूप से स्वयमेव असंख्य प्रकार की हठयोग, मंत्रयोग, भक्ति-भाव व लय योग आदि की क्रियाओं का प्राट्य होकर उनका सम्पादन होता है। स्वयमेव आसन, प्राणायाम, विभिन्न मंत्रों का प्राकट्य आदि पूर्व संस्कारानुसार होकर 'चित्त वृत्ति निरोध' की स्थिति प्राप्त होती है। विभिन्न आध्यात्मिक साधनाओं का सहज समावेश होने के कारण 'शक्तिपात' साधन को 'महायोग' कहा जाता है। हुजूर मालिक साहब ने बाल्यावस्था से ही परमार्थ-साधन में रत रहकर अत्यन्त संघर्षपूर्ण जीवन व अनासक्त भाव से समस्त भौतिक उत्तरदायित्वों का निर्वाह करते हुए उत्कट ईश्वरप्रेम, अनन्य भक्ति एवं समर्पण द्वारा आध्यात्मिक उपलब्धि एवं मानव सेवा का जो आदर्श स्थापित किया उसकी कुछ झलक उनके जीवन वृत्त पर आधारित 'दिव्य चरितामृत' ग्रन्थ से प्राप्त होती है। देश-विदेश के असंख्य मुमुक्षुजनों का आत्मकल्याण का साधन-पथ उनके द्वारा आलोकित एवं प्रशस्त हुआ है। हुजूर मालिक का चिन्तन कितना गहन, विज्ञान सम्मत, तर्कपूर्ण, मौलिक एवं स्वतन्त्र है यह उनके द्वारा प्रणीत 'दिव्य-शब्दावली' तथा 'दिव्य रहस्य प्रकाश' ग्रंथों के अध्ययन से भलीभाँति ज्ञात होता है। फाल्गुनी अमावस्या, 12 फरवरी सन् 1989 को हुजूर

मालिक साहब अपने पंच भौतिक कलेवर का त्यागकर शिव-स्वरूप मे स्थित हो गए। आपका जीव के आत्मकल्याण, परमार्थ साधन व मानव सेवा का कार्य आपकी असीम करूणा व अनुकम्पा से आपके वर्तमान आध्यात्मिक उत्तराधिकारी सन्त .पाल सिंह जी महाराज के माध्यम से अनवरत रूप में पूर्ववत सम्पन्न हो रहा है।

सन्त .पाल सिंह जी महाराज का जन्म 19 जुलाई सन् 1952 को महू (म.प्र.) में हुआ जब हुजूर मालिक साहब राजस्व विभाग की शासकीय सेवा में वहाँ पदस्थ थे। प्रबल पूर्व संस्कार और हुजूर मालिक जैसे संत सतगुरू के अनुग्रह से बाल्यकाल से ही आपके अन्दर उच्च आध्यात्मिक भावों का प्रस्फुटन होने लगा था। आपको 'सुरत शब्द योग' एवं 'शक्तिपात-महायोग' इन दोनों ही साधनों का लाभ अपने पिताश्री सद्गुरूदेव हुजूर मालिक साहब से प्राप्त हुआ है। आप सदैव यह कहते हैं कि 'गुरू' मनुष्य या शरीर नही होता। 'गुरू तत्व' नित्य, अवनाशी, सर्वोपरि एवं सर्वव्यापी तत्व है जिसे विभिन्न नामों से पुकारा गया है। 'गुरू तत्व' की .पा का लाभ ही दुनियाँ के अलग-अलग भागों में, अलग-अलग समयों में, अलग-अलग नामो से, विभिन्न भाषा-भाषी सन्त-महापुरूषों के माध्यम से जीवों के आत्मकल्याण के निमित्त सदैव से प्राप्त होता आ रहा है। वर्तमान में जिस मानव शरीर को माध्यम बनाकर 'गुरू तत्व की .पा का लाभ जीवों को आत्मकल्याण के निमित्त प्राप्त हो रहा है ऐसे महापुरूष ही वास्तविक 'गुरू' हैं। उनकी स्थिति आन्तरिक रूप से 'गुरू तत्व' में होती है जो अत्यन्त दुर्लभ है। आध्यात्मिक साधना एवं आत्मिक शांति की उपलब्धि हेतु, आश्रम की ओर से कभी कोई प्रचार-प्रसार न होते हुये भी एक ईश्वरीय योजना के रूप में, न केवल भारतवर्ष के विभिन्न प्रान्तो से अपितु भारत के बाहर अमेरिका व यूरोप आदि के अनेक देशों से भी कतिपय अध्यात्मपिपासु साधक 'अध्यात्म निकेतन' मे सतत आते रहते है और अपने आत्मकल्याण का मार्ग प्रशस्त करते हैं। आश्रम में नित्य प्रातः नाम-जप, मध्याह्न व सायंकाल ध्यान-भजन, सत्संग, सन्त महापुरूषों की वाणी का पाठ आदि के कार्यक्रम नियमित रूप से होते हैं। प्रति रविवार को दोपहर मे सत्संग का विशेष आयोजन होता है। सत्संग भवन मे लगभग चार सौ व्यक्तियों के बैठने हेतु स्थान है। प्रांगण मे हुजूर मालिक साहब का समाधि स्थल है जिसमें ध्यान-साधन में दो सौ व्यक्तियों के बैठने योग्य स्थान है। एक ओर सन्त .पाल सिंह जी महाराज की पूज्य माताश्री के अन्तिम संस्कार स्थल पर भव्य प्रतिमा स्थापित है। आश्रम प्रांगण बहुत प्रकार के वृक्षों, पुष्प पादपों, लताओं आदि से आच्छादित है। आश्रम का वातावरण नगर के मध्य होते हुए भी अपने भव्य प्राकृतिक सौन्दर्य से न केवल आगन्तुकों के मनों को आकर्षित करता है अपितु उन्हे

आह्लादित करते हुए शांति से भर देता है। आश्रम की अपनी एक गौशाला भी है जिसमे 20 से अधिक गायें हैं। संत .पाल सिंह जी महाराज अमेरिका के साधक गणों विशेषतः प्रोफेसर डेनियल गोल्ड, डिपार्टमेंट ऑफ एशियन स्टडीज- कॉरनेल विश्वविद्यालय - न्यूयार्क, के आग्रह पर सन् 1999, 2001 व 2003 में अमेरिका पधारे। प्रत्येक बार तीन सप्ताह से अधिक का प्रवास रहा। कॉरनेल विश्वविद्यालय के अतिरिक्त अनेक आध्यात्मिक केन्द्रों एवं अमेरिका के लोरिडा राज्य के मध्य स्थित जेल (कारागार) मे भी आपके ध्यान के कार्यक्रम आयोजित हुए। प्रोफेसर डेनियल गोल्ड को अपनी युवावस्था में ही सन् 1969 मे होली पर्व पर हुजूर मालिक साहब द्वारा दीक्षा के रूप मे आध्यात्मिक लाभ प्राप्त हुआ। आश्रम मे श्रीगुरुपूर्णिमा, दीपावली व होली पर्व पर तीन-तीन दिन का दीक्षा दान के कार्यक्रम का उत्सव आयोजित होता है। अब इन उत्सवों मे हुजूर मालिक साहब की पावन पुण्यतिथि फल्गुनी अमावस्या के साथ शिवरात्रि पर्व को भी सन् 1983 के पश्चात सम्मिलित कर लिया गया है। दीक्षा दान के इन अवसरों पर नवीन दीक्षार्थियों के साथ-साथ पुराने दीक्षित साधक भी अलग-अलग प्रांतो से अपनी अपनी सुविधानुसार आते है व आयोजन मे सम्मिलित होकर गुरुपूजन, साधन-भजन, ध्यान-सतसंग व संत जी महाराज के प्रवचनों का लाभ उठाते हैं। प्रोफेसर डेनियल गोल्ड अत्यंत समर्पित, लगनशील, नियमित, अनेक भाषाविद, विद्वान साधक है। 4 जुलाई 1999 को कॉरनेल विश्वविद्यालय में संत जी महाराज का ध्यान का कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमे सम्मिलित होने वाले अनेक वरिष्ठ शिक्षाविद जिज्ञासु साधकों को अन्तर में शक्ति की क्रियाशीलता की विभिन्न क्रियाओं की अनुभूति स्वतः अश्रुपात, रोदन, अन्तर मे दिव्य दर्शन इत्यादि के रूप मे हुई। 2 घण्टे के सत्र मे मात्र आधा घण्टे के ध्यान के समय मे यह सब होना, जिसमें महिला एवं पुरूष दोनों ही वर्ग के साधक सम्मिलित हैं, अपने आप मे एक विलक्षण घटना है। प्रसिद्ध ब्रिटिश पत्रकार, साधक एवं दार्शनिक पॉल ब्रन्टन भारत में 1933 से 1953 के मध्य लगभग 20 वर्षों तक रहे। प्रारम्भ से ही उनका विचार था कि यदि पाश्चात्य वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ पूर्व का और विशेषतः भारत

के आध्यात्मिक दर्शन का समावेश होकर कार्य हो तो समग्र मानव-जाति के लिए यह अत्यन्त उपयोगी एवं कल्याणकारी होगा। पॉल ब्रन्टल अपने भारत प्रवास काल मे राधास्वामी सतसंग, रामकृष्ण मिशन के प्रमुख व्यक्तियों के साथ-साथ कई हठ योगीयों से भी मिले। वह तमिलनाडु मे महर्षि रमण के सानिध्य में ध्यान मे भी बैठे, जिससे उन्होंने अपने अन्तर मे चित्तशुद्धि के निमित्त होने वाली 'चैतन्य शक्ति' की क्रियाशीलता का भी अनुभव किया। बाद में उन्होंने अमेरिका मे कॉरनेल विश्वविद्यालय से कोई 56-60 किलोमीटर दूर सेनेका झील के किनारे 'फ्ध्ंडळ्ड् क्ष्वस्क्न्छ त्व्' नामक

आध्यात्मिक केन्द्र की स्थापना की व साधकों के लिए वृहद लेखन कार्य भी किया। संत .पाल सिंह जी महाराज का इस आध्यात्मिक केन्द्र पर प्रत्येक बार तीन-तीन दिनों का ध्यान साधन के कार्यक्रम का आयोजन हुआ। यहाँ के साधकों ने सन् 1980 के दशक मे हुए पॉलब्रन्टन महोदय के देहवसान से उत्पन्न शून्य व निराशा के वातावरण से बाहर निकल कर .त.त्यता की अनुभूति की। अमेरिका के दक्षिणी राज्य लोरिडा के मध्य मे स्थित एक जेल श्र्क्म्र स् ब्त्म्ब्ज्क्ष् ब्ङच्स्म् मे 15 अगस्त 2003 को संत .पाल सिंह जी महाराज का ध्यान-साधन, शंका-समाधान, प्रश्नोत्तर आदि का कार्यक्रम कोई 4 घण्टे पुरूषों की जेल मे व इतने ही समय तक महिलाओं की जेल में रहा, जहाँ शाम का भोजन भी हुआ। संत .पाल सिंह जी महाराज का ह्रदय धर्म, जाति सम्प्रदाय अथवा मतमतान्तर की संकीर्णता तथा भेदभाव से रहित-सरलता, सहिष्णुता, उदारता, परदुःखकातरता, परोपकार, मानवसेवा एव मानवमात्र के आत्म कल्याण की भावना से ओत-प्रोत है। संत जी प्रायः इन पंक्तियों को उद्धृत करते रहते है:- इबादत है किसी नाशाद का दिल शाद कर देना। इबादत है किसी बेकफ्न को कफन की जाती है। आश्रम में नित्यप्रति आते रहने वाले लोगों के साथ साथ समयघ् पर शहर के विभिन्न स्थानों पर जाकर भूखों को भोजन वितरण की सेवा भी की जाती है। आर्थिक दृष्टि से विपन्न लोगों की पुत्रियों के विवाह के निमित्त भी संतजी द्वारा यथा सम्भव आर्थिक सहयोग सदैव दिया जाता रहा है। अनेक आध्यात्मिक, शैक्षणिक एवं सामाजिक संस्थाओं को भी आपका वरदहस्त प्राप्त है। राजपूत हितकारिणी सभा के अध्यक्ष के रूप में आपके कार्यकाल में राजपूत बोर्डिंग हाउस का जो कायाकल्प हुआ है और आवासी छात्रों के सर्वांगीण विकास हेतु पुस्तकालय, जिम्नेजियम आदि अनेक प्रकार की नवीन सुविधाओं की व्यवस्था, अतिरिक्त कक्षों तथा सभा भवनों का निर्माण आदि कार्य तथा समयघ् पर भव्य समारोहों का आयोजन संत जी के प्रति सभी वर्गों के सहयोगकर्ता महानुभावों के अटूट विश्वास का प्रत्यक्ष परिचायक है। संतजी मानवसेवा तथा समाजसेवा के समस्त कार्यों को भी ईश्वर द्वारा प्रदत्त दायित्व के रूप में ईश्वर की सेवा आराधना मानकर ही करते हैं। अध्यात्म एवं मानवसेवा के समन्वय का निस्वार्थ एवं प्रेरणात्मक आदर्श संतजी के जीवन में प्रत्यक्ष देखने को मिलता है। आपके द्वारा साधकों के मार्ग दर्शन एवं आध्यात्मिक लाभार्थ 'साधन-सुरभि' एवं 'समर्पण' नामक पुस्तकों का लेखन एवं प्रकाशन किया गया है जिनसे सभी अध्यात्म-जिज्ञासु लाभन्वित हो सकते है।

जाने कुछ आसान टिप्स...अम्बाह डीई हितैष बिशिष्ट से पुष्पांजली टुडे की विशेष बातचीत

इस बार गर्मी में 25 से 30 प्रश तक घटाएं अपना बिजली बिल

केशव पंडित जी पत्रकार अम्बाह

विधुत उपमहा प्रबंधक हितैश बिशिष्ट ने खास मुलाकात में बताया कि गर्मियो मे अधिक बिल व बिजली कैसे बचाई जाये इस बारे मे कुछ टिप्स बताये श्री बिशिष्ट ने कहा कि आसान उपायों पर अमल करके आप अपना बिजली बिल 25 से 30 फीसदी तक कम कर सकते हैं।

जिसे अपनाने से आपके बिजली का बिल 20 से 30 फीसदी तक कम हो सकता है.

अप्रैल का महीना शुरू होने वाला है और दिन का तापमान अब बढ़ने लगा है. आने वाले दिनों में गर्मी तेजी से बढ़ने का अनुमान है. गर्मी बढ़ने का सीधा मतलब है कि पंखे, एसी और फ्रिज जैसे ज्यादा बिजली खपत करने वाले उपकरणों का इस्तेमाल बढ़ जाएगा. आम तौर पर ठंड की तुलना में गर्मियों के मौसम में बिजली का बिल बढ़कर 2 से 3 गुना तक ज्यादा हो जाता है. गर्मियों में बिजली के बिल को लेकर ज्यादातर लोग परेशान रहते हैं. अगर आप इस बढ़े हुए बिजली के बिल को कुछ कम करना चाहते हैं, तो अभी से कुछ उपाय सोच सकते हैं, जिसे अपनाने से आपके बिजली का बिल 20 से 30 फीसदी तक कम हो सकता है...

आप हमेशा मीटर से ही बिजली का उपयोग करे जिससे आपके ध्यान मे ज्यादा बिजली खपत की चिन्ता रहैगी बिजली बिल भी कम आयेगा और बिजली भी बचैगी गर्मियों में घर हो या दफ्तर एयर कंडीशनर चलाने में बिजली का खर्च सबसे ज्यादा होता है. अगर इसे सही तरीके से मैनेज कर लिया जाए तो अच्छी बचत हो सकती है.

एसी चलाने से पहले उसकी सर्विसिंग जरूर करा लें और फिल्टर को अच्छे से साफ कर दें या बदलवा दें.

अगर घर में 7 या 8 साल पुराना एसी है तो इसे बदल दें.

इनवर्टर बेस्ड एसी बिजली का बिल बचाने के लिए कारगर उपाय है.

BEE 5 स्टार रेटिंग वाले एसी का इस्तेमाल करें.

ऑफ टाइमर का इस्तेमाल करें. इसे सुबह सो कर उठने के 1 घंटे पहले का समय सेट कर सकते हैं.

एसी पर बचा सकते हैं 1500 रुपये- अगर आपने घर में 1.5 टन का एसी लगा रखा है और रोज औसतन 8 घंटे इसे चलाते हैं तो नॉर्मल एसी करीब 9 यूनिट से ज्?यादा बिजली की खपत करता है. वहीं अगर 5 स्?टार रेटिंग का एसी हो तो यह लगभग 7 यूनिट की खपत करेगा. यानी रोज 2 यूनिट बिजली की बचत. अगर आप 4 महीने रोज 8 घंटे एसी चलाते हैं तो 240 यूनिट की बचत होगी. अगर 6.25 रुपए प्रति यूनिट के ही हिसाब से इसे जोड़ा जाए तो 1500 रुपए सालाना बचत हो सकती है.

लाइट जलाने का खर्च ऐसे करें आधा

गर्मी शुरू होने से पहले घर के पुराने बल्?ब और ट्यूब लाइट की जगह सीएफएल या स्क्ष्ठ लगा लें. 5 वॉट का स्क्ष्ठ 20 वॉट के सीएफएल के बराबर रोशनी देता है. इसी तरह से 18 वॉट के सीएफएल की रोशनी 40 वॉट के ट्यूबलाइट के बराबर हो सकती है. यानी इन उपायों से आपके लाइट जलाने का खर्च आधा हो सकता है.

पंखा चलाइए लेकिन बचत के साथ

लाइट तो सिफ रात में जलाते हैं लेकिन गर्मियों में पूरे दिन पंखा चलाना पड़ता है. इससे बिजली के बिल पर बड़ा असर होता है. एक नॉर्मल पंखा 75 वॉट प्रति घंटे खपत करता है. अगर औसतन 8 घंटे रोज पंखा चलाएं तो एक पंखे का खर्च 1000 रुपये सालाना के करीब हो सकता है.

अगर BEE-रेटेड पंखा इस्तेमाल करें तो यह खर्च 700 से 750 रुपये के बीच होगा.

सुपर एफिसिएंट पंखा हो तो यह खर्च 500 रुपये के करीब होगा.

सही फ्रिज रखें तो होगी इतनी बचत

कुल बिजली के खपत का करीब 15 फीसदी अकेले फ्रिज में खपत होता है. यह ज्यादातर घरों में हर समय ऑन रहता है. आप अपने फ्रिज को पावर एफिसिएंट बना सकते हैं.

सबसे पहले तो इसकी प्लेसिंग सही होनी चाहिए और दीवार और फ्रिज के बीच में 2 इंच का गैप रखें. एयर सर्कुलेशन की वजह से इसे फंक्शन के लिए कुछ कम पावर की जरूरत होती है.

अगर फ्रिज बदलने की सोच रहे हैं तो BEE-रेटेड फ्रिज लें. सालाना बचत- पुराना 260 लीटर का फ्रिज रोज करीब 3.5 यूनिट बिजली खपत कर सकता है, जबकि इसी साइज का ङ्क्षश्च 5 स्?टार रेटिंग वाले फ्रिज पर रोज 2 यूनिट बिजली की खपत होगी. यानी फ्रिज बदल कर हर साल 540 यूनिट बिजली की खपत कम की जा सकती है. यानी सालाना 3000 रुपये बचा सकते हैं.

कूलर सही हो तो बच सकती है बिजली

इनवर्टर टेक्नोलॉजी पर आधारित अच्छी कंपनी का कूलर खरीदें. यह बाजार में सामान्य मिलने वाले कूलरों की तुलना में 50 फीसदी बिजली की कम खपत करेगा. जहां सामान्?य 200 वॉट की मोटर वाले कूलर रोज 12 घंटे चलाया जाए तो महीने भर में करीब 100 यूनिट बिजली की खपत करता है. लेकिन अगर इसकी जगह आधुनिक तकनीक का कूलर इस्तेमाल हो तो मंथली करीब 60 यूनिट ही खपत होगा।

इन छोटी छोटी बातो पर हम ध्यान देगे तो बिजली बचेगी व बिल में बचत होगी इसे जरूर अपनाये...

आज पूरे विश्व के लिए चिंता का विषय बना

ग्लोबल वार्मिंग

जि ग्लोबल वार्मिंग आज पूरे विश्व के लिए चिंता का विषय बना हुआ है इसका मुख्य कारण है धरती पर मनुष्य ने अपने स्वास्थ्य के कारण प्रकृति का दोहन बेतहाशा किया है जिसका दुष्परिणाम आने वाले समय में सभी को भुगतना पड़ेगा । धरती के बढ़ते तापमान के कारण विश्व के पर्यावरण विद समाज सेवी एवं वैज्ञानिक गण चिंतित नजर आ रहे है उनकी चिंता का प्रमुख कारण है यदि धरती का तापमान इसी तीव्र गति से बढ़ता रहा तो आने वाले समय में बर्फीले पहाड़ पिघल जाएंगे और समुद्र के किनारे बसे हुए महानगर जलमग्न होने की प्रबल संभावना होगी अभी से विश्व के प्रमुख वैज्ञानिकों ने विश्व की चिंता करते हुए यह आगाह किया है कि अभी भी वक्त है हम सबको संभल जाना चाहिए और आने वाली प्राकृतिक विभीषिका के लिए अभी से ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है यदि हमने इस दिशा में अभी नहीं सोचा तो आने वाले वक्त में सोचने का समय भी नहीं बचेगा पूरा विश्व प्रकृति की इस विभीषिका का मुकाबला नहीं कर पाएगा अभी अंटार्कटिका के बर्फीले पहाड़ ग्लोबल वार्मिंग के कारण हर साल तेज गति से पिघल रहे हैं इससे विश्व के प्रमुख पर्यावरण पर्यावरणविद ब बैज्ञानिक चिंता से चिंतित हो रहे हैं वह समय-समय पर पूरे विश्व को इस ओर ध्यान आकर्षित कर रहे हैं हम मनुष्य अगर बेहतर कल चाहते हैं तो इस चिंता को नजरअंदाज ना करें विश्व की इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए ठोस एवं प्रभावी कदम उठाने की आवश्यकता है अभी कुछ समय पहले अज़रबैजान में जो युद्ध का माहौल था उससे भी धरती के तापमान में वृद्धि की आशंका थी अभी हाल में रूस और यूक्रेन में युद्ध ने इस तापमान में और वृद्धि की संभावना बढ़ा दी है न्यूक्लियर विस्फोट की दिशा में धरती के तापमान में वृद्धि दिन प्रतिदिन होगी जिससे ग्लोबल वार्मिंग का खतरा और बढ़ रहा है। अभी नाटो और रूस के बीच जो तनातनी दिख रही है उससे ऐसा लग रहा है जैसे आने वाले समय में युद्ध और विकराल रूप धारण कर सकता है इससे परमाणु हमले की संभावना और बढ़ रही है हमें याद है हिरोशिमा और नागासाकी में जो विभीषिका दंश झेला था वह आज तक संपूर्ण प्रकृति के लिए नासूर बना रहा था आज हम उसी मुहाने पर पुनः खड़े हो गए हैं अगर यह युद्ध नहीं रुका तो विश्व में त्राहि-त्राहि मचने की प्रबल संभावना है इससे पूरे विश्व मैं मानवता के ऊपर एक विशाल हमला हो सकता है विश्व की जनता त्राहिमाम त्राहिमाम कर सकती है विश्व के संपूर्ण देशों को मिलकर इस युद्ध का निराकरण ढूंढना चाहिए जैसे हम रूस यूक्रेन युद्ध को रोकें इस दिशा में शीघ्र प्रयास करना चाहिए तभी हम ग्लोबल वार्मिंग जैसे घातक विभीषिका को रोक पाएंगे इसके लिए भी विश्व के समस्त देशों को ठोस रणनीति बनाने की आवश्यकता है तभी हम भविष्य की प्राकृतिक विभीषिका का मुकाबला कर पाएंगे।

शैलेश सिंह कुशवाहा
वरिष्ठ पत्रकार

अकबर के दौर का ग्वालियर

डॉ. सुरेश सम्राट
वरिष्ठ संपादक, लेखक
9406502099

मरशाह सूरी द्वारा स्थापित सूर-वंश का नाश होते ही, ग्वालियर दुर्ग को सत्ता के एक केन्द्र के रूप में मिला गौरव भी इतिहास के अध्यायों में सिमट कर रह गया। अकबर के सत्तारूढ़ होते ही ग्वालियर चंबल क्षेत्र की दिशा और दशा ही बदल गई। हुमांयू की मृत्यु के बाद अकबर सन् 1556 में गद्दी पर बैठा। उस समय उसके अधीन कोई खास इलाका नहीं था। इसी वर्ष पानीपत की दूसरी लड़ाई में उसने हेमू को पराजित करके, आगरा, दिल्ली और पंजाब को जीत लिया। सन् 1561 आते-आतें उसने मध्यभारत में ग्वालियर और चंबल क्षेत्र के साथ राजस्थान में अजमेर तक राज्य का विस्तार कर लिया। अकबर द्वारा ग्वालियर दुर्ग पर कब्जा करने के बाद इस दुर्ग पर सन् 1754 तक मुगलों की ही हुकूमत रही। इस दौरान मुगलों ने ग्वालियर दुर्ग का उपयोग कैद खाने के रूप में किया। शाही खानदान के कई लोगों का कत्ल हुआ। जिनकी चीखें इतिहास में दर्ज हैं।

अकबर के दौर की ग्वालियर से जुड़ी एक और बड़ी घटना है इतिहासकार अबुल फजल की आंतरी के निकट हत्या। अबुल फजल न केवल अकबर के नवरत्नों में शामिल था वरन् अकबर उसे अपना सबसे प्रिय मित्र और सलाहकार मानता था, अबुल फजल की हत्या ने अकबर को हिलाकर रख दिया। कई तरह की कड़ी कार्रवाई और जांचों के बावजूद अकबर जीते जी इस हत्याकाण्ड के आरोपियों को पकड़ नहीं सका। इस प्रकार अकबर के नवरत्नों में दो रत्नों का संबंध ग्वालियर से रहा। एक तानसेन का जन्म ग्वालियर में हुआ। और दूसरे अबुल फजल की मृत्यु ग्वालियर क्षेत्र में हुई।

ग्वालियर के सूफी संत मौहम्मद गौस का 10 मई 1563 (14 रमजान हि. 970) को आगरा में निधन हुआ। यद्यपि उनके निधन की तिथि पर विवाद है तथा बाकी तिथि इस तिथि से पूर्व की हैं। लेकिन यह निर्विवाद है कि उनका शव ग्वालियर लाया गया। मौहम्मद गौस के निधन के बाद भी उनके बेटे और सज्जादनशीन शाह अब्दुला से अकबर के संबंध बने रहे। शाह अब्दुल्ला की देख-रेख में ही गौस के मकबरे का निर्माण हुआ, जो सूफी संस्कृति और स्थापत्य कला की दृष्टि से आज भी ग्वालियर के पर्यटन-स्थल के रूप में जाना जाता है।

अकबर के शासन के शुरू में कुछ समय तक ग्वालियर का राजनीतिक महत्व बना रहा। लेकिन मुहम्मद गौस के निधन के बाद ग्वालियर की पहचान विशाल मुगल सल्तनत के एक छोटे से भू-भाग के रूप में रह गई। उधर इस क्षेत्र में मुगल सल्तनत को चुनौती देने वाली शक्तियां भी नहीं रहीं। इसके विपरीत ग्वालियर चम्बल क्षेत्र की स्थानीय छोटी-बड़ी शक्तियों ने अकबर की अधीनता स्वीकार करने में ही अपनी भलाई समझी। आगे चलकर तो स्थिति यहां तक बिगड़ी कि सत्ता और 'संगीत' का कई सदियों तक केन्द्र बिन्दु रहने वाला ग्वालियर दुर्ग, महज मुगलों के इस्तेमाल के लिए एक कारागार बनकर रह गया। यह अलग बात है कि इस कारागार में जहांगीर के बेटे और शाहजहां के पुत्र और पौत्र को चीख-चीखकर प्राण देने पड़े।

अकबर द्वारा सन् 1579-80 में अपने विस्तृत साम्राज्य को 15 सूबों में बांटा। इस व्यवस्था में ग्वालियर और चंबल क्षेत्र आगरा और अजमेर के सूबों में बंट गया। प्रशासनिक इकाइयों में सूबे के बाद सरकार और महालों की व्यवस्था की गई। ग्वालियर को सरकार का दर्जा मिला। इसके अन्तर्गत अलापुर, सरसेनी, खाड़ोली, बदरेंटा, चिनौर, अनहोन, जखोदा, सिलावली, सरबन्दा सहित कुल तेरह महाल बनाए गए। प्रत्येक पर प्रधान के रूप में मुकद्दम के अलावा कानूनगो तथा अन्य अमले की नियुक्ति की

गई। ग्वालियर-चंबल क्षेत्र का वह इलाका जो आगरा सूबे में शामिल नहीं था उसे अजमेर सूबे में शामिल किया गया। चम्बल क्षेत्र में इन दिनों सूबों की संस्कृति से जुड़े अवशेष अब भी देखने को मिल जाते हैं।

सन् 1602 आते-आते अकबर की सल्तनत और मजबूती इतनी बढ़ गई कि उत्तर भारत और लगभग पूरा राजस्थान उसमें समा गया। उस समय ग्वालियर जैसे छोटे से भूभाग की सल्तनत की दृष्टि में क्या अहमियत रह गई होगी, इसका अनुमान लगाया जा सकता है। ग्वालियर के तोमर-राजवंश के वंशज भी अकबर की सेना में शामिल होकर, उसके सामंत हो गए थे। ऐसे में ग्वालियर को सल्तनत के प्रशासन के जरिए जो शासन मिला, उससे ग्वालियर राष्ट्रीय धारा से जुड़ा। ग्वालियर और उसके आसपास स्थानीय सत्ता जैसी स्थितियां लगभग समाप्त हो गईं। लेकिन बुन्देलखंड में यह स्थिति नहीं थी। इसके विपरीत, आगरा के निकट होने के कारण अकबर के काल में ग्वालियर क्षेत्र की जन-संस्कृति के विकास को एक नया आयाम मिला। उस दौर में एक ओर ब्रजभूमि का तो दूसरी ओर बुन्देलखंड का जन-जीवन ग्वालियर के निकट तेजी से आना शुरू हुआ। इसके ग्वालियर क्षेत्र का रहन-सहन ही नहीं, बोली और भाषा भी प्रभावित हुई। अकबर के काल से पूर्व इस क्षेत्र की जिस भाषा को ग्वालियरी भाषा जैसो विशिष्ट और स्थानीयता से जुड़ा नाम प्राप्त था, उसमें ब्रज और बुन्देली, बोलियां घुलने-मिलने लगीं। एक ओर ग्वालियर से जुड़े मुरैना क्षेत्र की ग्वालियरी भाषा पर ब्रज का, तो भिण्ड की बोली पर बुन्देली और श्योपुर की बोली पर राजस्थानी बोलियों का प्रभाव पड़ने लगा। यह प्रभाव इतना जबर्दस्त था कि मुरैना, भिण्ड, श्योपुर और दतिया क्षेत्र के घरों में बोली जाने वाली बोलियों का अन्तर्भेद आज भी स्पष्ट देखा जा सकता है।

इस प्रकार अकबर का काल ग्वालियर के राष्ट्रीय धारा से जुड़ने का काल कहा जा सकता है। लेकिन बुन्देलखंड के बारे में यह बात नहीं कही जा सकती। उस क्षेत्र में स्थानीय सत्ताधीशों में पारिवारिक विग्रह की स्थिति बनी हुई थी। मुगल सल्तनत जहां इससे अपना हित साध रही थी, वहीं राजपरिवारों के असंतुष्ट परिजन अपना-अपना लाभ सोच रहे थे। बुन्देलखंड में ऐसे ही एक असंतुष्ट थे वीर सिंह बुन्देला। उनके कारण इस क्षेत्र में स्थिति तेजी से गर्म हो रही थी। उन्हीं दिनों सम्राट अकबर और शहजादा सलीम के बीच भी तनाव बढ़ रहा था। शहजादा सलीम अपनी निरंतर बढ़ती महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति में अबुल फजल ही अकबर को गलत जानकारियां देकर दोनों के बीच गलतफहमियां बढ़ा रहा था। इस प्रकार अपने-अपने स्तर पर शहजादा सलीम और वीर सिंह बुन्देला एक जैसा तनाव झेल रहे थे। ऐसी स्थिति में वीर सिंह बुन्देला को अपने लिए शहजादा सलीम के जरिए आशा की किरण दिखाई दी।

ग्वालियर के निकट बड़ौनी के बागी जागीरदार वीर सिंह बुन्देला की महत्वाकांक्षा बुन्देलखण्ड क्षेत्र के राजा मधुकर शाह का राज्य प्राप्त करने की थी तथापि वह इस स्थिति में नहीं था कि अपने बल पर इस महत्वाकांक्षा की पूर्ति कर सके। इसीलिए वह मुगलों का सहयोग प्राप्त करने के लिए प्रयत्नशील था। सन् 1595 में वीर सिंह ने इसी उद्देश्य से झेलसा के जागीरदार अब्दुर्रहीम खानखाना से उस समय ग्वालियर के निकट भेंट की, जब खानखाना दक्षिण के अभियान पर जाते हुए ग्वालियर से गुजर रहा था। लेकिन खानखानी ने वीर सिंह की कोई भी मदद करने से साफ इंकार कर दिया। तब वीर सिंह ने सीधे शहजादा सलीम से मिलने की ठान ली। इसके लिए शरीफ खां ईरानी के रूप में उसे एक सूत्र भी मिल गया। शरीफ खां, सलीम का बचपन का दोस्त और वफादार कृपा पात्र था। इसी के माध्यम से सन् 1602 में वीर सिंह ने सलीम से भेंट की और जल्दी ही वह सलीम की नजरों में चढ़ गया। वीर सिंह ने जब सलीम को अपनी समस्या बताई तब सलीम ने उस पर विश्वास करते हुए एक खतरनाक

सम्पूर्ण भारत में आयोजित होंगे बाल विकास वर्ग, बच्चों को संस्कार व विकास की राह पर आगे बढ़ाने का विहिप के आयाम

● महेन्द्र शर्मा, रिपोर्टर ग्वालियर संभाग, भिण्ड

कहते है बच्चों की प्रथम गुरु मां होती है ऐसे में बच्चों के विकास मैं अगर मा ही अपने हाथ में बीड़ा उठा लेती है उनके विकास में चार चांद लग जाते हैं इसी कड़ी में विश्व हिंदू परिषद का आयाम मातृशक्ति व दुर्गा वाहिनी ने पूरे भारत देश में बच्चों के विकास के प्रति यह सोच को मन में लेकर बच्चों के स्वर्णिम विकास के लिए पूरे देश में वर्ग संचालित करने का कार्य मातृशक्ति दुर्गा वाहिनी की बहनों ने यह बीड़ा उठाया है मध्य प्रदेश छत्तीसगढ़ को मिला कर आर. एस. एस. संघ रचना मैं इसे क्षेत्र नाम दिया गया है । इसे डॉक्टर प्रतिमा शर्मा विश्व हिंदू परिषद आयाम दुर्गा वाहिनी की क्षेत्र भोपाल की संयोजिका के दायित्व पर है। विश्व हिंदू परिषद के दुर्गावाहिनी / मातृशक्ति दुवारा 10 दिवसीय बाल विकास वर्ग संचालित किया गया 7 इस वर्ग में बच्चों के शारीरिक , मानसिक व बौद्धिक विकास के उद्देश्य से प्रतिदिन की गतिविधि में सर्वप्रथम दीपप्रज्वलन से शुभारंभ कर बच्चे प्रणवोच्चार , विजय महामंत्र श्री राम जय राम जय जय राम के साथ गतिविधि प्रारंभ कर वर्ग गीत सच्चा वीर बना दे माँ का प्रतिदिन अभ्यास कर चित्रकला, अनाजों की पहचान, वाघ यन्त्रों के साथ राष्ट्रभक्ति गीत, भजन, व प्रतिभा प्रदर्शन में बच्चों द्वारा प्रस्तुति दी गई । बच्चों से व्यक्तिगत संवाद भी किया गया, हमारे पर्वों की जानकारी चैत्र नववर्ष के विषय में जानकारी देकर तिलक कलावा व भारत माता की आरती व जयघोष भी बच्चो द्वारा किया जाता रहा । इस वर्ग में बच्चे प्रतिदिन 2 घंटे के लिए सहभागी होते व नुक्कड़ नाटक भी बच्चों को सिखाकर उसका प्रदर्शन कराया गया ।

दुर्गावाहिनी मातृशक्ति ने उठाया बीड़ा, बच्चों के व्यक्तित्व विकास हेतु बाल विकास वर्ग लगाना आवश्यक : डॉ. प्रतिमा शर्मा

इस नाटक का उद्देश्य

1. अपने नगर को जहाँ हम रहते हैं इसे नंबर 1 पर लाना।
2. जल व्यर्थ बर्बाद न कर बचाना।
3. पेड़ लगाना।
4. गाय माता को रोटी व चारे की व्यवस्था करना जिससे वे सुरक्षित रहें।
5. चिड़ियों को दाना डालना इस सन्देश के साथ समाज में समरस जीवन जीने की कला के संस्कार बच्चों में डालने का कार्य इस वर्ग के माध्यम से हुआ।

इस वर्ग के समापन पर बच्चों को उत्कृष्ट कार्य करने के लिए प्रोत्साहन हेतु उपहार भी प्रदान किये गए । पूरे 10 दिवस तक बच्चों ने उत्साह के साथ इस वर्ग में सहभागी बनकर वर्ग को सफल बनाया।

इस वर्ग के उद्घाटन शत्र में केन्द्रीय मन्त्री विश्व हिंदू परिषद व अखिल भारतीय समन्वय महिला प्रमुख मीनाक्षी ताई विशे उपस्थित रही। क्षेत्रीय संयोजिक मातृशक्ति संगीता ताई गोखले व मध्यभारत प्रान्त की उपाध्यक्षा अर्चना सिकरवार जी उपस्थित रहीं । यह वर्ग दुर्गावाहिनी की क्षेत्रीय संयोजिका (भोपाल क्षेत्र) डॉ. प्रतिमा शर्मा जी द्वारा संचालित कर एक मॉडल वर्ग के रूप में किया गया । इसी गतिविधि को प्रतिदिन की दिनचर्या के रूप में मध्यभारत प्रान्त के अन्य जिलों में भी वर्ग संचालित होगे व पूरे भारत वर्ष में बाल विकास वर्ग लगाए जाने की केन्द्र की योजना से पाठ्यक्रम को तैयार कर ये वर्ग लगने शुरू हो गए है भिण्ड जिले की मातृशक्ति संयोजिका कल्पना सोनी जी, दुर्गावाहिनी जिला संयोजिका प्रियांशी शर्मा , महिमा , मुन्नी नरवरिया, रेखाजी, स्नेहलता भदौरिया, सीमाजी सहित पूरी टीम ने इस वर्ग में सहभागिता की।

विधायक डॉ. सिकरवार ने किया 251 नागरिकों का सम्मान

● पुष्पांजली टुडे ब्यूरो ग्वालियर

16 ग्वालियर पूर्व विधानसभा के विधायक डॉ. सतीश सिकरवार के ललितपुर कॉलोनी स्थित कार्यालय पर ''बाबू जगजीवन राम'' की 115वीं जयंती बड़ी धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर डॉ. सिकरवार एवं कॉग्रेस नेताओं द्वारा ''बाबू जगजीवन राम'' के चित्र पर मल्यार्पण कर जाटव समाज के 251 लोगों का शाल, श्रीफल, भेट कर सम्मान किया गया एवं कार्यक्रम समापन के वाद समता भोज कराया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शहर जिला कॉग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ देवेन्द्र शर्मा थे जवकि कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिश्ठ नेता अमर सिंह माहोर ने की। इस अवसर पर विधायक डॉ. सिकरवार ने ''बाबू जगजीवन राम'' के जीवन पर प्रकाश डालते हुये अपने उद्बोधन में कहा कि जगजीवन राम उच्च विचार, आदर्श मानवीय मूल्य और सूझबूझ जैसे गुण के मालिक थे। सन् 1946 ई. में जवाहरलाल नेहरू की अंतरिम सरकार में शामिल हुए और उसके बाद सत्ता की उच्च सीढ़ियों पर चढ़ते गये. 30 वर्ष तक कांग्रेस मंत्रीमंडल

में रहे. पांच दशक से अधिक समय तक राजनीति में सक्रिय रहे. राजनीति में रहते हुए उनहोंने श्रम मंत्री, कृषि मंत्री, संचार मंत्री, रेलवे मंत्री और रक्षा मंत्री के पद को शुशोभित किया. इन क्षेत्रों में विकास के लिए कई महत्वपूर्ण कार्य भी किये. किसी भी मंत्रालय की समस्या का समाधान बड़े ही कुशलता से करते थे. इस मोके पर मुख्य रूप से जिला कॉग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ. देवेन्द्र शर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि कॉग्रेस ने बाबू जी को जव जव जो भी बड़ी जिम्मेदारी सोंपी उसे उन्होने वखूवी निभाया और समता मूलक समाज के लिये कार्य किया। इस मोके पर अमर सिंह माहोर ,चतुर्भुज धनोलिया, गोपीलाल भारतीय, सुधीर मंडेलिया, धनीराम खोईया, प्रमोद खरे, बबलू सोन, कमलेष इंदोरिया, सुनील रामपुरिया, राजेन्द्र राठी, ब्लॉक अध्यक्ष राकेष गुर्जर, रामअवतार षाक्य समेत, बड़ी संख्या में बाबू जगजीवन राम के अनुयायी मोजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन अवधेष कौरव एवं महादेव अपोरिया ने आभार व्यक्त किया।

समाजसेवा के लिए समर्पित भारतीय समाज सेवा समिति

● पुष्पांजली टुडे हरिओम परिहार रत्नोद शिवपुरी

रत्नोद जिला शिवपुरी मध्य प्रदेश पुष्पांजलि टुडे परिवार में भी एक व्यक्ति ऐसा भी है जो समय समय पर हर समाज के कार्य में हैं ग्राम रत्नौद में पिछले 3 वर्षों से समाज हित में समाज सेवा का कार्य कर रही है जहां लॉकडाउन के समय में लोगों का घरों से निकलना बंद हो गया था वहां हमारी समिति द्वारा जिन लोगों के पास खाने की व्यवस्था नहीं थी एवं गरीब बस्तियों में जाकर सूखे राशन की पैकेट बनाकर वितरण की गई जहां कोरोना काल में लोग एक दूसरे से डर रहे थे वही हमारी समिति के सदस्यों द्वारा जिला चिकित्सालय में जाकर रक्तदान किया गया समाज हित में चलाई जा रही योजनाएं इस प्रकार हैं 1. समिति द्वारा हर महा भंडारे का आयोजन कर आसपास क्षेत्र की आदिवासी एवं गरीब बस्तियों में भोजन वितरण किया जाता है2. आदिवासी बस्तियों में जरूरतमंद बुजुर्ग लोगों के लिए, बुजुर्ग महिलाओं एवं बच्चों के लिए गर्म

कपड़े, कंबल, जूते, चप्पल आदि वितरण करना3. प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर जो महिला नसबंदी शिविर लगाया जाता है उसमें समिति द्वारा भोजन व्यवस्था, चाय, नाश्ता, केले, बिस्किट, दूध, गर्म पानी आदि सामान की व्यवस्था कराना 4. रक्तदान के क्षेत्र में लोगों को रक्तदान के प्रति जागरूक कर रक्तदान शिविर लगाना एवं जरूरत पड़ने पर थैलेसीमिया के बच्चों को रक्त उपलब्ध कराना 5. हिंदू रीति रिवाज के अनुसार अगर किसी के यहां मृत्यु हो जाती है तो उसके यहां 3 दिन तक भोजन नहीं बनता तो उसके यहां समिति द्वारा भोजन की व्यवस्था कराई जाती है6. गर्मियों के दिनों में समिति द्वारा वृक्षों पर सकोरे लगवाना जिससे पक्षियों को दाना एवं पानी मिल सके7. गर्मियों में जानवरों के लिए जगह-जगह सीमेंटेड पानी की टंकी रखवाना जिससे पशुओं पानी मिल सके 8. परिवार में किसी भी सदस्य के जन्मदिन या पुण्यतिथि के अवसर पर समय-समय पर वृक्षारोपण कराना।

राव खरवा ठिकाने के 13वें राव साहब थे गोपाल सिंह राठौर

● तनवीर सिंह सारंगदेवोत, लक्ष्मणपुरा मेवाड़

1873 ई. को राव गोपाल सिंह राठौर का जन्म 10 अक्टूबर को हुआ था। ये 1887 में अपने पिता के देहांत के बाद अजमेर के खरवा ठिकाने की गद्दी पर बैठे। राव खरवा

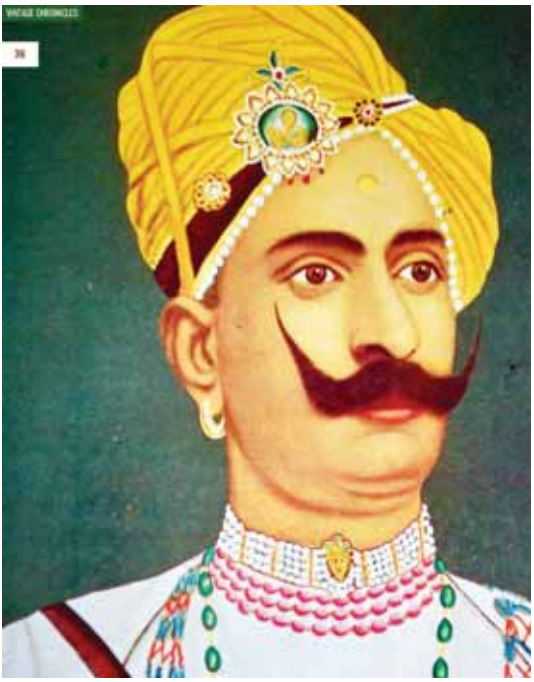

ठिकाने के 13वें राव साहब थे। खरवा ठिकाने के राठौर राजपूत मारवाड नरेश मोटा राजा उदयसिंह के पुत्र सगतसिंह के वंशज हैं।

12 वर्ष की आयु में गापाल सिंह जी ने घुडसवारी व बंदूक चलाने में महारत हासिल कर ल थी। राव गोपालसिंह बचपन से ही इतिहास प्रेमी थे। उन्होंने वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप ,छत्रपति शिवाजी महाराज,वीर दुर्गादास राठौड की गाथाओं से प्रेरणा ली और अंग्रेज सरकार से विद्रोह करने की ठानी।

राव गोपालसिंह राठौड ने लिखा था कि वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप या वीर राठौड दुर्गादास किसी की भी तलवार मान ली जाए,एक ही बात है। इसकी तीखी धार कभी मंद नहीं होती। यह वैसी ही कठोर और वैसी ही तेज धार युक्त बनी रही है और बनी रहेगी,जैसी की उन प्रातः स्मरणीय वीरों के हाि में बनी रही थी। अधिक समय तक काम में न लाने से यदि कुछ जंग लग भी जाता है,तो कर्तव्य धर्म बल से उठे हुए हाथ से चलने एवं रूधिर से धुलने पर वह अधिक तेज होकर अधिक चमने लगती है।

बचपन में इनके शिक्षक शिवलाल तिवाडी रहे,फिर अजमेर के प्रसिद्व मेयो कॉलेज में प्रवेश लिया। 199ई. विक्रम संवत 1956 के छप्पनिया अकाल केसमय राव गोपाल सिंह ने जनता के लिए खजाना खोल दिया था। इसके अलावा उन्होंने कई जगह से कर्ज लेकर जनता के खाने पीने की व्यवस्था की।

1910ई. में केसरीसिंह बारहठ,विजय सिंह पथिक व राव गोपाल सिह ने मिलकर वीर भारत सभा की स्थापना की। राव गोपालसिंह ने कई राजपूतों को इस संगठन से जोड दिया। राव गोपालसिंह ने क्रांतिकारियों और राजाओं के बीच एक कडी का काम किया और राजाओं से क्रांतिकारियों को अस्त्र शस्त्र दिलवाए। इस दौरान राजपूताने में हुई क्रांति में अस्त्र शस्त्र दिलवाने के मामले में राव गोपालसिंह का नाम अव्वल दर्जा रखता है।

एक स्थान पर अंग्रेजों ने छापा मारा ,जहां अर्जुनलाल सेठी और केसरी सिंह बारहठ तो पकडे गए,पर राव गोपालसिंह और जोरावरसिंह बारहठ बच निकलने में सफल रहे। 29 जून 1914 को अंग्रेज पलटन के 400 सिपाहियों ने खरवा दुर्ग को घेर लिया। जहां तलाशी लेने पर उन्हें सुराग मिला तो अंग्रेजों ने राव गोपालसिंह ,बाबा नाडसिंह,विजय सिंह पथिक को 15 अन्य साथियों समेत कैद कर टॉडगढ जेल में भिजवा दिया।

अंग्रेजों ने खरवा ठिकाने के सभी शस्त्र,राजकोष, आभूषण,घोडे वगैरह जब्त कर नीलाम कर दिए। 12 जुलाई 1914 को राव गोपालसिह तलवार की नोंक पर टॉडगढ दुर्ग से फरार होकर जंगलों में चले गए। इसके बाद एक नई योजना बनाई गई,जिसके तहत तय किया गया कि 21 फरवरी 1915 को पूरे राजपूताने में अंग्रेजों के खिलाफएक सशस्त्र क्रांति होगी,जिसमें दामोदरदास राठी को व्यावर और राव गोपालसिंह को अजमेर व नसीराबाद पर कब्जा करना होगा। परन्तु हुआ ये ि कमणिलाल नाम का एक व्यक्ति रासबिहारी बोस के संदेश लेकर राव गोपालसिंह के पास आ रहा था। लेकिन अंग्रेजों ने मणिलाल को पकड लिया और फिर उसे अंग्रेजी सरकार का मुखबिर बना लिया गया। मणिलाल ने सारी योजना अंग्रेजों को बता दी और इस तरह क्रांतिकारीयों की योजना असफल रही।

एक दिन राव गोपाल सिंह किशनगढ के सलेमाबाद में एक मंदिर में दर्शन करने गए,जहां एक गुप्तचर ने उनको देख लिया और खबर कर दी,जिसके बाद किशनगढ के दीवान पोनास्कर ने 500 घुडसवारों के साथ और अजमेंर से सेक्रेटरी जनरल मिस्टर कडे ने 500 घुडसवारों के साथ मिलकर धावा बोल दिया। राव गोपालसिंह व मोहडसिंह ने आत्मसमर्पण करते हुए हथियार अंग्रेजों को सौंप दिए। यह घटना 28 अगस्त 1915 की है। 1920 में राव गोपाल सिंह को रिहा कर दिया गया। 1930 में राव गोपाल सिंह ने अजमेर और मेवाडा क्रांतिकारी आंदोलन को पुनः जागृत करने का बीडा उठाया। 27 मार्च 1939 को राव गोपाल सिंह का देहांत हो गया। इनकी छतरी शक्तिसागर तालाब की पाल पर स्थित है। जहां आज भी लोग मन्नतें मांगते हैं। लोग यहां बीमारी ठीक करने के लिए भी हाजरी लगाते हैं। राव गोपाल सिंह की याद में मेला भी भरता है। राव गोपाल सिंह के पुत्र राव गणपति सिंह हुए। 0 मार्च 1989 को भारत के संचार मंत्रालय ने राव गोपालसिंह की याद में डाक टिकट जारी किया ओर इसी दिन केंद्रीय संचार मंत्री श्री वीर बहादुर सिंह ने राव गोपालसिंह की प्रतिमा का अनावरण किया।

ग्वालियर का रजत राजपूत कुछ दिन बाद दिखेगा टी.वी सीरियल में

ग्वालियर जिले के एक छोटे से गांव बरेठा मैं रहने वाला रजत राजपूत पुत्र मोहर सिंह राजपूत ने कुछ समय में कठिन मेहनत करते हुए बॉलीवुड के टीवी सीरियल मौका ए वारदात, क्राइम पेट्रोल, हथकड़ी, शेरा जैसी शानदार वेब सीरीज और कुछ शार्ट फिल्मों में अपना अच्छा अभिनय करते हुए नजर आने बाला है रजत द्वारा एक अलग पहचान बनाई है साथ ग्वालियर के बिरला नगर क्षेत्र का नाम रोशन करने बाले है रजत राजपूत साथ ही जिसने उनका साथ देने वाले सीनियर एक्टर आमिल खान, एक्टर अजय सोनी, एक्टर मोनू पाराशर और और एक्ट्रेस खुशबू श्रीवास, निर्माता राहुल और रिंकू पुरिया ने साथ दिया हे।

आस्था, विश्वास एवं सुरमई वादियों की पावन भूमि में विराजित

मां पांडरी पाठ माई की ख्याति चंहू ओर गुंजित

क्या आस्तिक और क्या नास्तिक यहां सभी स्वास्तिक बन जाते हैं

रितेश कटरे ब्युरो चीफ
पुष्पांजलि टुडे बालाघाट

आस्था, श्रद्धा और विश्वास मानव जीवन के प्रत्येक क्षेत्र को गहराई से प्रभावित करती है। गीता में कहा गया है कि श्रद्धा अध्यात्म क्षेत्र में सात्विकी और कर्म के क्षेत्र में राजसी गुणों को उत्पन्न करती है। संत तुलसीदास ने भी मानस में एक स्थान पर कहा है कि श्रद्धा बिना धर्म नहिं होई। भक्ति के क्षेत्र में श्रद्धा की ही प्रधानता होती है। श्रद्धा और विश्वास के साथ अर्जित ऊर्जा विलक्षण प्रभाव प्रकट करती है। भौतिकता और पाश्चात्य सभ्यता के प्रभाव के कारण हम अपने गौरवशाली अतीत को भूलते जा रहे हैं। वस्तुत- श्रद्धा व्यक्ति के जीवन का उत्कृष्ट आभूषण है। तभी कहा गया है कि श्रद्धावान व्यक्ति ही ज्ञान को प्राप्त कर पाते हैं। यहां स्मरण रखना चाहिए कि श्रद्धा का अर्थ अंधविश्वास नहीं है। जब अंधविश्वास दूर हो जाता है तब श्रद्धा का अभ्युदय होता है। और यही आस्था, श्रद्धा और विश्वास की जीती जागती मिसाल है बालाघाट जिले की लांजी तहसील अंतर्गत ग्राम वारी में स्थित खराड़ी जलाशय की खुबसूरत वादियों में विराजमान मां पांडरी पाठ माई।

मंदिर में यह है आकर्षक का केन्द्र

पांडरी पाठ मंदिर में आकर्षण का केंद्र बिंदु माता रानी के प्रति आस्था और विश्वास है। तो वहीं प्रकृति की खूबसूरती समेटे खराड़ी जलाशय की लहरें, मंदिर के प्रवेश द्वार पर बने खुबसूरत झरने, मंदिर में कामधेनु गाय की तरह दिखने वाली सैंकडों गाय, मनमोहक पक्षियां, सुंदर सुंदर खरगोश, आशमान में उड़ान भरकर वापस माता रानी के दरबार में विश्राम करते सैकड़ों कबुतर इन सबसे बढ़कर एक सुकून का अनुभव ही आमजन को आकर्षित करता है। क्या आस्तिक और क्या नास्तिक यहां जो भी आता है सभी स्वास्तिक बन जाता हैं।

111 फीट के ध्वज का हुआ ध्वजार्पण ,आस्था का उमड़ा जनसैलाब

प्राकृतिक व सुरम्य वादियों के बीच लांजी क्षेत्र के वारी स्थित पांढरी पाठ धाम में चैत्र नवरात्र पर्व पर ज्योति कलशों की स्थापना के साथ मेला प्रारंभ हो गया। 2 अप्रैल 2022 को मध्यान्ह घड़ी में 12 बजकर 05 मिनट पर वैदिक मंत्रोचार के बीच पूजा अर्चना कर पंडा बाबा रेखलाल कावरे, डॉक्टर सुधीर दशरिया, महंत महत्यागी ज्ञानीदास महाराज तिरखेड़ी आश्रम की उपस्थिति में एवं विधायक सुश्री हिना कावरे , रमेश भटेरे पूर्व विधायक, भागवत भाऊ नागपुरे पुर्व विधायक, किशोर समरीते पूर्व विधायक, कैलाश हुड़मे संयोजक, देवेंद्र खोंगल, सोमेन्द्र कंकरायने, मुकेश जोशी, ऋषि पटेल, आलोक चौरसिया, अशोक बापुरे, शेषराम ?वानखेड़े, कोमल?? काड़े, भरत कालबेले, पंकज चौधरी पंवार, पूनम आसटकर, छायाताई नगपुरे, ज्योति उमरे, फाईन आर्ट्स कलाकार लीना रणदिवे की उपस्थिति में मातारानी के चरणों में 111 फीट की ध्वज का लोकार्पण किया गया। इस ध्वज अर्पण के दौरान लिना रणदिवे ने अपने कोमल हाथों से ध्वज पताका को डोर को संभालें रखा। मां पांडरी पाठ माई के जयकारों के साथ ध्वज 111 फीट की ऊंचाई तक पहुंच गई, जिसे अब आसानी से दुर दुर तक निहारा जा सकता है।

पर्यटन के साथ देश के नक्शे में होगा वारी - हिना कावरे (विधायक)

ध्वजार्पण कार्यक्रम के पश्चात मंचीय सभा को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि की आसंदी से हिना कावरे ने कहा कि जहां खराड़ी जलाशय से हजारों किसान खेती करते हैं। वहीं दूसरी ओर यहां विराजमान माता रानी का गौशाला साक्षात माता स्वरूप विराजमान है। जिसका आशीर्वाद स्वरुप यह आयोजन देखने को मिल रहा है। आने वाले समय में वारी पर्यटन के साथ-साथ देश के नक्शे में एक अलग पहचान बनाएगा एवं डोंगरगढ़ जैसी भीड़ देखने को मिलेगी। यहां विकास के लिए प्रयास के साथ मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ के लोगों के बीच प्रेम बढ़ाने के लिए मंदिर सेतु होगा।

365 दिन भीड़ लगी रहती है - रमेश भटेरे (जिलाध्यक्ष भाजपा)

पूर्व विधायक रमेश भटेरे ने नव विक्रम संवत की बधाई देते हुए कहा कि वारी की धरती अविश्वसनीय, अद्भुत, अकल्पनीय इतिहास रचने जा रहा है। साक्षात मां जगदंबा की कृपा से 10 वर्षों में चमत्कार देखने मिल रहे हैं। पंडा बाबा रेखलाल कावरे व डॉ सुधीर दशरिया के कर्मों का फल है कि आज मंदिर प्रसिद्धि को छू रहा है। पहले नवरात्र पर्व पर ही लोग आते थे, आज 365 दिन भीड़ लगी रहती है।

धार्मिक आस्था व भक्ति की शक्ति का संगम - किशोर समरीते (पूर्व विधायक)

पूर्व विधायक किशोर समरीते ने कहा कि यहां माता जी की कृपा से धार्मिक आस्था व शक्ति की भक्ति देखने को मिलती है। ?जहां भाखड़ा नंगल बांध में नैना देवी विराजित है वैसे ही वारी में मां पांढरीपाठ वाली माता विराजित है। मंदिर में आस्था रखने वाले व यहां की सेवा से लोगों का कल्याण हो रहा है।

पूर्व विधायक भागवत भाऊ नगपुरे ने कहा कि यहां जो भी आता है। प्रसन्न होकर जाता है, गौशाला एवं मंदिर का जितना बखान किया जाए उतना कम है।

आमगांव महाराष्ट्र से आए विधायक सहसराम कोरोटे ने कहा कि हमारा देश साधु-संतों व देवी देवताओं की भक्ति व उनके ज्ञान का देश है। इन्हीं के मार्गदर्शन में देश और दुनिया चल रही है।

तिरखेड़ी आश्रम के ज्ञानी दास महा त्यागी ने कहा कि जिस तरह यहां धर्म ध्वजा लहरा रही है, उसी तरह आप अपने जीवन में श्रद्धा आस्था व भक्ति रूपी गुरु ज्ञान की पताका जीवन में फहराएं।

पुर्व जनपद अध्यक्ष देवेन्द्र खोंगल ने कहा कि माता रानी की कृपा से लोगों को लाभ मिल रहा है। नरेश माहेश्वरी (पूर्व अध्यक्ष म्हाडा आमगांव) ने भी नव विक्रम संवत व गुड़ी पड़वा की बधाईयां दी। ? शशांक वानखेडे ने मंदिर की महिमा का विस्तार से बखान करते हुए कहा कि मंदिर के संचालन में पंडा बाबा ने अनेक बाधाएं एवं विघ्न पार कर परीक्षा देकर मंदिर को इतनी बुलंदियों पर पहुंचाया है। यहां की गौशाला देखने के लिए दूर-दूर से देशभर के लोग आते हैं। महाराज जी के व्यवहार में सरलता, कोरोना संक्रमण काल में लोगों का उपचार कराना, गरीब लोगों की शादी कराना, दिन हिन लोगों की सेवा करना इनके जीवन का क्रम बन गया है।

यहां रोजगार के साथ-साथ पर्यटन की अपार संभावनाएं - कैलाश हुड़मे (संचालक पीपीएमके)

कार्यक्रम के संचालक व पीपीएमके के संचालक कैलाश हुड़मे ने माता रानी की महिमा का बखान करते हुए कहा कि यहां गौ माता साधु संतों की सेवा के अलावा दिन - हिन लोगों की भलाई का कार्य किया जाता है। यहां रोजगार के साथ-साथ पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। आपने विधायक महोदया एवं मध्यप्रदेश शासन से इसके विकास में सहयोग करने की मांग रखी। मंचीय कार्यक्रम का संचालन रविन्द्र निशाड़ एवं आभार ऋषि पटेल दशरिया ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष ने व्यक्त किया।

तु कितनी सुंदर हैं, तु कितनी प्यारी है ओ मां, ओ मांः नेहा कक्कड़

पार्श्व गायिका नेहा कक्कड़ लगभग 2¬30 बजे हेलीकॉप्टर से वारी के पांढरीपाठ धाम पहुंची एवं डोली से मंदिर पहुंचकर माता रानी को प्रणाम कर उपस्थित लोगों का अभिवादन भी किया। मंदिर से मंचीय कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने पर समिति द्वारा भव्य स्वागत कर स्क्रेच पेंटिंग फाइन आर्ट कलाकार लीना रणदिवे ने नेहा कक्कड़ की तस्वीर व माता रानी की फोटो भेंट दी गई। स्वागत समारोह के पश्चात नेहा कक्कड़ ने अपनी सुरीली आवाज से अपने फैंस के दिलों में समां बांधा और गाया कि तू कितनी सुंदर है ओ मां.... ओ मां.... साथ ही फैंस का पसंदीदा गाना मिले हो तुम हमको बड़े नसीबो से.... को सुनकर सारे फैंस झूम उठे। आगे अगली प्रस्तुति में- दिल को करार आया.... तुझ पर है प्यार आया गाकर उपस्थित हजारों दर्शकों का अभिवादन भी किया। इस दौरान नेहा कक्कड़ की झलक पाने व सेल्फी लेने वालों की अपार भीड़ भी देखी गई।

झलकियां नवरात्र की

1 - चैत्र नवरात्रि पर्व के चलते पांढरी पाठ धाम में सुबह से ही लोगों की अपार भीड़ उमड़ पड़ी एवं नेहा कक्कड़ की एक झलक पाने के लिए उसके आने तक इंतजार करते रहे।

2 - मंदिर के सामने ध्वजा रोहन अपने निर्धारित समय 12 बजकर 5 मिनट पर वैदिक मंत्रों के साथ संपन्न हुआ। इस दौरान गुब्बारे छोड़े गए एवं रंगीन प्रकाश वाले कैंडल जलाएं गए।

3 - पार्श्व गायिका नेहा कक्कड़ हेलीकॉप्टर ज्ञ स्क्क से लगभग 2¬30 बजे वारी हेलीपैड पर पहुंची एवं कार्यक्रम संपन्न होने के पश्चात लगभग 4 बजे नागपुर के लिए रवाना हो गई।

4 - भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय सचिव संजय जोशी कार्यक्रम में किन्हीं कारणों से नहीं पहुंच पाए लेकिन उन्होंने लाइव संदेश के माध्यम से उपस्थित लोगों को चैत्र नवरात्र पर्व एवं गुड़ी पाड़वा की शुभकामनाएं प्रेषित की।

5 - फाईन आर्ट कलाकार लीना रणदिवे ने अपने हाथ से बनाई हुई स्क्रैच पेंटिंग पार्श्व गायिका नेहा कक्कड़ को भेंट दी।

6- बहेला के युवा प्रशांत वानखेड़े ने पांढरीपाठ धाम की महिमा एवं पंडा बाबा रेखलाल कावरे के सेवा कार्यों को विस्तार से बताया।

7- पार्श्व गायिका नेहा कक्कड़ की एक झलक पाने हजारों की संख्या में लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी थी।

8- संध्या में हेलीकॉप्टर को उड़ाने की प्रशासन द्वारा अनुमति नहीं दी जाती। इन कारणों के चलते सिने अभिनेता शक्ति कपूर पांढरीपाठ धाम वारी नहीं पहुंच पाए।

9 - चैत्र नवरात्र पर्व के चलते पांढरीपाठ धाम में दिन - रात के विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं।

10 - प्रशासनिक अधिकारी कर्मचारी पुरी व्यवस्था में और सुरक्षा में तैनात रहे।

मां पांढरीपाठ देवी मंदिर में सर्वाधिक? 1878 व माँ लंजकाई मंदिर में 446 ज्योति कलशों की स्थापना

आदि शक्ति की भक्ति का महापर्व चैत्र नवरात्र पर देवी मंदिरों एवं घरों में ज्योति कलशों के प्रज्जवलन के साथ ही जगह-जगह मातारानी की आराधना की जा रही है। चैत्र नवरात्र पर्व के चलते मंदिरों को आकर्षण साज-सज्जा से सजाया गया एवं मंदिर के चहुंओर रोशनी की गई है। देवी मंदिरों में घट स्थापना के साथ-साथ देवीगीतों की धुन भी सुनाई दे रही है। शुभ मुहुर्त में श्रद्धालु भक्तों द्वारा ज्वारे बोने व घट स्थापना के साथ ही पूजा-पाठ व उपासनाएं मां के भक्तों द्वारा की जा रही है। नगर के मां लंजकाई मंदिर में नवरात्र पर्व के चलते 446 मनोकामना ज्योति कलशों की स्थापना की गई। मां काली मंदिर में गत वर्षानुसार इस वर्ष भी 330 संकल्प कलश के साथ 2 ज्योति कलशों की स्थापना की गई। इसी तरह मां गायत्री शक्तिपीठ मंदिर में 55 ज्योति कलश, वारी स्थित पाढंरीपाट देवी मंदिर में 1878 ज्योति कलशो की स्थापना की गई। सुबह से ही देवी भक्तों द्वारा देवी मंदिरों में नंगे पाव जल ढारने के लिये पंहुचने का क्रम प्रारंभ हो गया। इसी के साथ ही देवी मंदिरों में पूजा-अर्चना जारी है एवं यह क्रम 10 अप्रैल राम नवमी तक चलता रहता है। चैत्र नवरात्र पर्व पर क्षेत्र में ज्योति कलशों की स्थापना के साथ ही क्षेत्र के अनेक जगहों पर रामकथा, श्रीमद् देवी भागवत का पाठ किया जा रहा है। इसी के साथ नगर तथा अंचल के देवी मंदिरों में चहल-पहल बढ़ गई है।

मां पांढरीपाठ धाम में चैत्र नवरात्र पर इन मसहुर हस्तियों का होगा आगमन देंगे अपनी विशेष प्रस्तुति

मैगजीन में संकलन प्रकाशित किए जाने तक आयोजित कार्यक्रम में सुरम्य वादियों के बीच स्थित मां पांढरीपाठ धाम मंदिर में चैत्र नवरात्र पर्व पर 9 दिन मातारानी के पूजन अर्चन के साथ विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। नवरात्र पर्व के प्रथम दिन मशहूर गायिका नेहा कक्कड़ व हजारों भक्तों ने मां पांढरीपाठ देवी मंदिर के चरणों में माथा टेक कर आशिर्वाद मांगा हैं। इसी के चलते 4 अप्रैल को मां पांढरीपाठ धाम में कथक नृत्य का आयोजन हैं। जिसमें कथक नृत्यांगना नृत्य श्री रोमा राय, कथक नृत्यांगना प्रिया श्रीवास्तव, तबला वादक अवधसिंह ठाकुर, गायक सुरेश दुबे, सारंगी वादक सफीक हुसैन, बोल पढ़ंत कुमारी गुंजन तिवारी द्वारा संगीतमय प्रस्तुति दी जावेगी। इसके अलावा संध्या में ज्योति कलशों की स्थापना कर ज्योत जलाई जावेगी। 5 अप्रैल को देवी गीत गायक रूप कुमार के द्वारा देवी एवं भजनों की प्रस्तुति दी जावेगी। 6 अप्रैल को रात्रि में प्रसिद्ध फिल्मी गायिका अनुराधा पौडवाल व कविता पौडवाल द्वारा माता की भेंट गाकर देवी जागरण कार्यक्रम प्रस्तुत किया जावेगा। 7 अप्रैल की रात्रि में अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन रखा गया है। जिसमें प्रसिद्ध कवियित्री अनामिका अंबर, दिनेश देहाती, संपत सरल, वंशीधर मिश्रा, सर्जन शितल, कृष्णा भारती , सचिन दिक्षित, भुपेश कराहे % भ्रमर % अपनी कविताओं और रचनाओं की प्रस्तुती देंगे। इन तमाम कार्यक्रमों का आयोजन वारी मंदिर में किया जाएगा।

पंडा बाबा रेखलाल कावरे और संरक्षक डा सुधीर दशरिया का विशेष योगदान

माता रानी के आशिर्वाद से वारी गांव वारी धाम बन गया है। और इसका माध्यम मंदिर के पंडा बाबा रेखलाल कावरे और संरक्षक डा सुधीर दशरिया है। मंदिर के पंडा बाबा रेखलाल कावरे जिनका जन्म सन 1982 में हुआ, बचपन से ही गौ सेवा करने को आतुर रहें हैं,जिसका सार्थक परिणाम यह है कि मंदिर में स्थित गौशाला में 125 से भी ज्यादा जो सभी कामधेनु माता की तरह दिखाई देती है वो है। एक अच्छी और अनोखी बात यह है कि यंहा की गाय अपने निर्धारित समय पर ही चारा खाती है और पानी पीतीं है। माता के अनन्य भक्त पंडा रेखलाल कावरे का जिवन अनेकों बाधाओं से घिरा रहा,अब इसे माता रानी की परिक्षा कहें या फिर जिवन में मुसिबतों का पहाड़। लेकिन अडिग और अविचल पंडा अपनी भक्ति की शक्ति में लिन रहें और माता के आशिर्वाद से आगे बढ़ते गए। इनके सारथी बने डा सुधीर दशरिया ने हरपल इनका साथ दिया और दोनों मिलकर हर तूफान से लड़ते रहे, लेकिन दोनों ने मां की भक्ति नहीं छोड़ी। पंडा बाबाजी की दैनिक दिनचर्या सादगीपूर्ण है और सदैव सामान्य पोशाक में नजर आते हैं। आज परिणाम यह है कि प्रत्येक मंगलवार को सैकड़ों दुखियों के दुखों को माता रानी के आशिर्वाद से दूर किया जाता है।

इंडियन आर्मी श्रैणी

1	कमीश्नर ऑफीसर
2	जूनियर कमीश्नर ऑफीसर
3	नॉन कमीश्नर ऑफीसर

इंडियन आर्मी की रैंक

1) कमीश्नर ऑफीसर

क्र.	पद	पद चिन्ह	पद का विवरण
1	फील्ड मार्शल (औपचारिक पद)		पहले सरकार द्वारा इस रैंक को निरस्त कर दिया गया है। ये पद अधिकारी को किसी सम्मान के स्वरुप दी जाती है। जब ये किसी ,मिशन में अपनी महत्वपूर्ण निभाते हैं और उस मिशन को सफल बनाते है। अभी तक भारत में सिर्फ दो ऑफिसर्स को ये रैंक दी गयी है। ये पद किसी को भी नियमित रूप से नहीं दिया जाता है।
2	जनरल		जनरल जिसे हम सेना प्रमुख के नाम से भी जानते हैं। या कमांडर इन चीफ के नाम से भी जाना जाता है। ये इंडियन आर्मी में सबसे बड़ी रैंक होती है। आप इनकी वर्दी पर एक क्रॉस्ड बैटन लगा होता है पांच बिंदुओं के स्टार के साथ एक अशोक स्तम्भ लगा हुआ होता है। जनरल के पद पर अधिकारीयों को तीन साल तक के लिए नियुक्त किया जाता है या फिर 62 तक जनरल रैंक दी जाती है। इसके बाद इन्हे रिटायर कर दिया जाता है।
3	लेफ्टिनेंट जनरल		इंडियन आर्मी में जनरल के बाद लेफ्टिनेंट जनरल का पद आता है जिसमें आप इनकी पहचान आप देखेंगे इनके दोनों शोल्डर पर अशोक स्तम्भ, बैटन और तलवार के क्रॉस लगे हुए होते हैं। और कॉलर पर तीन स्टार लगे होते हैं। लेफ्टिनेंट जनरल के पद पर अधिकारियों को 60 वर्ष के बाद रिटायर कर दिया जाता हैं। इन्हे ये रैंक कमीशंड सर्विस के माध्यम से दी जाती है।
4	मेजर जनरल		**Lieutenant General** के बाद मेजर जनरल की रैंक आती है। इनके दोनों सोल्डर पर एक कैंची और डंडा क्रोस में लगे हुए होते हैं और इसके बीचों बीच एक स्टार लगा हुआ होता है। और इनके दोनों कोलर पर दो स्टार लगे होते हैं। मेजर जनरल 58 वर्ष की आयु मे रिटायर कर दिए जाते हैं।
5	ब्रिगेडियर		मेजर जनरल के बाद आता है ब्रिगेडियर। ब्रिगेडियर की वर्दी पर सोल्डर में एक अशोक स्तम्भ और तीन स्टार लगे होते हैं। ये 56 वर्ष तक ही अपनी सेवा देते हैं उसके बाद रिटायर कर दिए जाते हैं।
6	कर्नल		कर्नल इंडियन आर्मी की पांचवे नंबर की रैंक होती है। कर्नल की वर्दी में सोल्डर पर अशोक स्तम्भ के साथ दोनों कंधो पर दो स्टार लगे होते हैं। और कोलर में मैरून रंग का पैच भी होता है जो कमांडिंग ऑफिसर का सिम्बल होता है। इनका रिटायरमेंट 54 वर्ष की आयु तक कर दिया जाता हैं।
7	लेफ्टिनेंट कर्नल		लेफ्टिनेंट कर्नल की यूनिफार्म में एक अशोक स्ताम्भ और एक-एक स्टार लगे होते हैं।
8	मेजर		लेफ्टिनेंट कर्नल के बाद जो रैंक आती है वो है कर्नल। कर्नल की वर्दी पर दोनो सोल्डर पर अशोक स्तम्भ लगे होते हैं। इनका सेलेक्शन के माध्यम से प्रमोशन किया जाता है।
9	कैप्टन		मेजर के बाद कैप्टेन का पद आता है। इसमे कैप्टेन के कन्धों पर तीन स्टार लगे होते हैं। कैप्टेन का रैंक दो साल कमीशंड ऑफिसर के पद पर काम करने के बाद मिलता है।
10	लेफ्टिनेंट		लेफ्टिनेंट कमीशन रैंक में सबसे पहला पद है। इनकी वर्दी पर 2 स्टार लगे होते हैं। लेफ्टिनेंट आईएमए, ओटीए से ट्रेनिंग करते हैं उसके बाद उन्हे लेफ्टिनेंट का ही रैंक प्राप्त होता है। इसके बाद उनका आगे प्रमोशन होता रहता हैं।

2) जूनियर कमीश्नर ऑफीसर

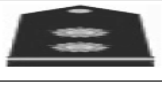

11	सुबेदार मेजर		जो सूबेदार मेजर होते हैं वे अपनी वर्दी पर एक अशोक स्तम्भ का सिंबल लगाते हैं और एक पिले, लाल रंग की पट्टी लगी होती है। ये लेफ्टिनेंट से नीचे कमीशंड अधिकारी में माने जाते हैं। जूनियर कमिशनर ऑफिसर में सूबेदार मेजर का सबसे बड़ी रैंक होती है ये तीस साल तक अपनी सेवा देते हैं।
12	सुबेदार		इसमे सूबेदार की वर्दी पर दो-दो स्टार लगे होते हैं। और दो लाल स्ट्रिप के बीच एक पिले रंग की स्ट्रिप होती है। सूबेदार 28 वर्ष तक अपनी सेवायें देते हैं इसके बाद रिटायर हो जाते हैं। या फिर सिर्फ 52 वर्ष तक ही नौकरी कर सकते हैं।
13	नायब सुबेदार		सूबेदार के बाद नायब सूबेदार की रैंक आती है। इनकी वर्दी पर एक पांच मुख वाला स्टार होता है। जिस पर एक स्ट्रिप भी लगी होती है। इनका रिटायरमेंट 28 वर्ष की सेवा देने के बाद कर दिया जाता है।

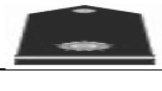

3) नॉन कमीश्नर ऑफीसर

14	हवलदार		नॉन कमिश्नर ऑफिसर में हवलदार का सबसे बड़ा पद होता हैं इनकी वर्दी पर लाल पिले रंग की तीन स्ट्रिप लगी होती है। जो V आकार में होती है। हवलदार का रिटायरमेंट 24 वर्ष की सेवा के बाद कर दिया जाता है।
15	नायक		हवलदार के बाद नायक की रैंक आती है इनके बाएं कंधे पर V आकर के 2 स्ट्रीप होती है। नायक का रिटायरमेंट 22 वर्ष की सेवा देने के बाद किया जाता है।
16	लांस नायक		नायक के बाद छोटा पद होता है ये लांस नायक का होता है। इनके बाएं तरफ एक स्ट्रीप होती है। ये 22 वर्ष तक अपनी सेवाएं दे सकते हैं।
17	सिपाही	रेजीमेंट का नाम लिखा होता है	सिपाही रैंक में कोई भी सिंबल या चिन्ह नहीं होता है। उनकी वर्दी पर केवल उनके रेजिमेंट का सिंबल होता है। सिपाही की सेवा का कार्य वर्ष केवल 20 वर्ष का होता हैं।

युवाओं के लिए अग्निपथ: सेना में अग्निवीर के रूप में शामिल होने का मिलेगा अवसर

सेना में भर्ती का नया व अहम रास्ता जल्द खुलने वाला है। इसे अग्निपथ भर्ती प्रवेश योजना नाम दिया जाएगा। योजना को अंतिम रूप दिया जा रहा है। इसके माध्यम से युवाओं को आरंभिक रूप से तीन साल के लिए सेना में सिपाही के रूप में भर्ती किया जाएगा। इससे भारतीय सेना के मौजूदा आयु वर्ग में भी बड़ा बदलाव आएगा। सरकारी सूत्रों ने एएनआई को बताया कि इन तीन वर्षों के सेवाकाल के दौरान जवानों को अग्निवीर कहा जाएगा। इस कार्यकाल के बाद रक्षा बलों के पास यह विकल्प रहेगा कि वह अग्निवीरों में से कुछ को सेवा में कायम रख सकेंगे। इस योजना को अंतिम रूप देने की चर्चा अंतिम स्तर पर है। सूत्रों ने कहा कि तीनों सेना फिलहाल योजना के संचालन का प्रस्तुतीकरण दे रही हैं। सरकार के शीर्ष स्तर पर प्रस्तुतियां दी जा चुकी हैं। शीर्ष नेतृत्व का योजना का पूरा समर्थन है। यह मुद्दा दो साल पहले शुरू हुआ जब बलों ने टूर ऑफ ड्यूटी योजना पर चर्चा शुरू की थी। इसमें सैनिकों को एक अल्पकालिक अनुबंध के तहत भर्ती किया जाएगा। उन्हें प्रशिक्षित किया जाएगा और विभिन्न क्षेत्रों में तैनात किया जाएगा। योजना में रक्षा बलों के पास विशिष्ट कार्यों के लिए विशेषज्ञों की भर्ती करने का विकल्प भी होगा। कोविड-19 महामारी के दौरान सशस्त्र बलों में सैनिकों की भर्ती पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा था। तीनों सेनाओं में 1.25 लाख से ज्यादा पद रिक्त हैं। इस अग्निपथ योजना को अंतिम रूप देने के लिए संबंधित विभागों के साथ कुछ और बैठकों की आवश्यकता होगी। सूत्रों ने कहा कि सेना की संबंधित विभागों के साथ कुछ और बैठकों के बाद इस योजना को अंतिम रूप दे दिया जाएगा। आरंभिक योजना के अनुसार रक्षा सेवा का तीन साल का कार्यकाल पूर्ण होने के बाद इन अग्निवीरों को निजी क्षेत्र में सिविल नौकरियां दी जाएंगी। कई कंपनियों ने इन अग्निवीरों को सेवा में रखने में रुचि दिखाई है। इन कंपनियों को सैन्य प्रशिक्षण प्राप्त व अनुशासित जवानों का लाभ मिलेगा।

भारतीय इतिहास के प्रमुख युद्ध

1.हाईडेस्पीज का युद्धः- यह युद्ध सन् 326 ई.पू. में सिकंदर और पंजाब के राजा पोरस की बीच हुआ था। जिसमें सिकंदर की विजय हुई थी।

2.कलिंग का युद्धः- 261ई.पू. में अशोक ने कलिंग पर आक्रमण किया और विजय प्राप्त की। इस युद्ध में हुए नरसंहार को देखकर अशोक का हृदय परिवर्तन हुआ और उसने कभी युद्ध न करने की कसम खाई।

3.सिंध की लड़ाईः- 712ई. मे मोहम्मद कासिम ने अरबों पर आक्रमण कर सत्ता हासिल की थी।

4.तराईन का प्रथम युद्धः- 1191ई. में मोहम्मद गौरी और पृथ्वीराज चौहान के बीच हुआ था। इस युद्ध में पृथ्वीराज चौहान की विजय हुई थी।

5.तराईन का द्वितीय युद्धः- 1192ई. को मोहम्मद गौरी और पृथ्वीराज चौहान की बीच हुआ था। जिसमें मोहम्मद गौरी की विजय हुई।

6.चंदावर का युद्धः- 1194ई. को मोहम्मद गौरी और कन्नौज के राजा जयचंद की बीच हुआ था। इस युद्ध में मोहम्मद गौरी की विजय हुई थी।

7.पानीपत का प्रथम युद्धः- 1526ई. को बाबर और इब्राहीम लोधी के बीच युद्ध हुआ था। जिसमें बाबर की विजय हुई।

8.खानवा का युद्धः- 1527ई. को बाबर ने राणा सांगा को पराजित किया था।

9.घाघरा का युद्धः- 1529ई. को बाबर ने अफगानों को हराया था। यह युद्ध बाबर ने महमूद लोधी के नेतृत्व में किया था।

10.चौसा का युद्धः- 1539ई. को शेरशाह सूरी ने हुमायूँ को हराया।

11. कन्नौज/बिलग्राम का युद्धः- 1540ई. को फिर से शेरशाह सूरी ने हुमायुँ को हराकर भारत छोड़ने पर मजबूर किया था।

12.पानीपत का द्वितीय युद्धः- 1556ई. का युद्ध अकबर और हेमू(हेमचंद्र विक्रमादित्य) के बीच हुआ था।

13.तालीकोटा का युद्धः- 1565ई. इस युद्ध से विजयनगर साम्राज्य का अंत हो गया।

14.हल्दी घाटी का युद्धः- 1576ई. को अकबर और महाराणा

प्रताप के बीच हुआ था। जिसमें महाराणा प्रताप की हार हुई थी।

15.प्लासी का युद्धः- 1757ई. को अंग्रजो और सिराजुद्दौला के बीच हुआ था। जिसमें अंग्रेजो की विजय हुई और भारत में अंग्रेजी शासन की नीव पड़ी।

16.वांडीवाश का युद्धः- 1760ई. को अंग्रेजो और फ्रांसीसियों के बीच हुआ। जिसमें फ्रांसीसियों की हार हुई।

17.पानीपत का तृतीय युद्धः- 1761ई. को अहमदशाह अब्दाली और मराठों के बीच हुआ था। जिसमें मराठों की हार हुई।

18.बक्सर का युद्धः- 1764ई. को अंग्रेजों और शुजाउद्दौला ,मीर कासिम एवं शाह आलम द्वितीय की संयुक्त सेना के बीच हुआ , जिसमें अंग्रेजों की विजय हुई।

19.प्रथम आंग्ल मैसूर युद्धः- 1767-69 ई. को हैदर अली और अंग्रेजों के बीच हुआ था। जिसमें अंग्रेजों की हार हुई थी।

20.द्वितीय आंग्ल मैसूर युद्धः- 1780-84 ई. को हैदर अली और अंग्रेजों के बीच हुआ था। जो अनिर्णित छूटा।

21.तृतीय आंग्ल मैसूर युद्धः- 1790 ई. को टीपू सुल्तान और अंग्रेजों के बीच हुआ था। यह युद्ध संधि के द्वारा समाप्त हुआ।

22.चतुर्थ आंग्ल मैसूर युद्धः- 1799 ई. को टीपू सुल्तान और अंग्रेजों के बीच हुआ था। जिसमें टीपू सुल्तान की हार के साथ - साथ मैसूर शक्ति का पतन हो गया।

23.चिलियान वाला युद्धः- 1849 ई. को ईस्ट इंडिया कंपनी और सिखों के बीच हुआ था। जिसमें सिखों की हार हुई थी।

24.भारत चीन सीमा युद्धः- 1962ई. को चीनी सेना द्वारा भारत की सीमा पर आक्रमण किया गया। एक पक्षीय युद्ध विराम की घोषणा के साथ युद्ध समाप्त हुआ। भारत को अपनी सीमा के कुछ हिस्से को छोडना पडा।

25.भारत-पाक युद्धः- 1965 ई. भारत और पाकिस्तान के बीच हुआ था। जिसमें पाकिस्तान की हार हुई थी। भारत और पाकिस्तान के बीच शिमला समझौता हुआ था।

26.भारत -पाक युद्धः- 1971 ई. को भारत और पाकिस्तान के बीच हुआ था। जिसमें पाकिस्तान की हार हुई। इस युद्ध के परिणामस्वरूप बांग्लादेश एक स्वतन्त्र देश बन गया।

27.कारगिल युद्धः- भारत और पाकिस्तान के बीच जम्मू और कश्मीर के द्रास और कारगिल में पाकिस्तानी घुसपैठियों को लेकर हुआ था। इसमें भी पाकिस्तान को फिर हार का सामना करना पडा।

स्वदेशी जागरण मंच ने दीपक जलाकर हर्सोल्लास से मनाया भारतीय नववर्ष

● महेन्द्र शर्मा, रिपोर्टर ग्वालियर संभाग पुष्पांजली टुडे

भारतीय नव वर्ष के उपलक्ष में स्वदेशी जागरण मंच मध्य भारत प्रांत ग्वालियर द्वारा गोले का मंदिर चौराहे पर दीपक एवम आतिशबाजी जलाकर भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया है जिसका शुभारंभ श्री आर.पी महेश्वरीजी राष्ट्रीय परिषद सदस्य स्वदेशी जागरण मंच द्वारा शुभारंभ किया गया इसमें संजीव जी गोयल व श्री साकेत जी राठौड़ राष्ट्रीय परिषद सदस्य, एवं प्रांत विचार प्रमुख श्री राकेश जी, प्रांत संपर्क प्रमुख प्रोफेसर श्री हरेंद्र जी , श्री सुरेश जी पाठक जी श्री सत्येंद्र जी एवं श्री अमृत राजे जी सह विभाग संयोजक तथा ग्वालियर जिला संयोजक श्री देवेश थापक, लश्कर जिला संयोजक कोसुख जी, लोकेंद्र जी राजपूत, सत्येंद्र सिकरवार, सुनील राठौर विकास सेजवार शिव ब्रह्मा जी, अरविंद जी तोमर नरोत्तम गर्ग हरि शंकर जी विष्णु जी संजय जी वीरेंद्र जी मनोज द्विवेदी जी वैभव तिवारी जी आशीष जी विकास जी पाराशर इत्यादि कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी गण उपस्थित रहे । देवेश जी ग्वालियर जिला संयोजक, समस्त पदाधिकारी गण एवं नवगठित कार्यकारिणी द्वारा जन समुदाय को नव वर्ष की बधाइयां देकर हर्षोल्लास के साथ कार्यक्रम संपन्न किया।

ए ई अम्बाह की मनमानी से ग्रामीण हो रहे हैं बिजली को परेशान

● पुष्पांजली टुडे ब्यूरो मुरैना

ग्रामपंचायत खिरेटा के ग्राम नयापुरा में ए ई की मनमानी व दादागीरी से ग्रामीण लोगों का पानी की कमी वह मौसम की उमस से बुरा हाल है जिसके लिए जगह जगह अधिकारी व नेताओं के यहाँ भटकते फिर रहे है ग्राव में 600 परिवार में से केवल 39 कनेक्शनों को ही ए ई द्वारा टारगेट पर लिया गया है जब कि 39 कनेक्शन का पिछले केवल दो माह का बिल शेष बताया गया है ऐसा पिछले तीन वर्षों से किया जा रहा है हर दो तीन माह वाद ऐसा ही किया जाता है 39 कनेक्शनों पर 25 ।क्का ट्रांसफर रख दिया जाता है जो बार बार खराब हो जाता है जिसका परिणाम यह होता है कि लोगों को अपनी समस्या लेकर विभाग के चक्कर काटने पड़ते है जिससे ए ई को लोगों का अपशब्द कहने का मौखा मिलता है जबकी ग्रामीणों द्वारा बार बार 63 ।क्का के ट्रांसफर की मांग की जाती रही है लेकिन ए ई इसे स्वीकार करने के लिए तैयार नही नही जब भी बात की जाती है तो फाइल आगे बढ़ा दी गई है कि बात कह कर बात को टाल दिया जाता है और बात गई आई हो जाती हैं जबकि मध्य प्रदेश सरकार द्वारा ग्रामीणों से कोरोना काल का बिल माफ करने की घोषणा की गई है सरकार की घोषणा का भी विभाग पर कोई असर दिखाई नही दे रहा है जब कि गांव के अन्य लोगों से 100 रुपए प्रति माह बिल बसूला जा रहा है जबकि इन 39 कनेक्शनों से 300से 400 रुपए प्रति माह के हिसाब से बिल बसूला जा रहा है जिसकी शिकायत भी विभाग में बार बार की जाती रही है लेकिन कोई सुनवाई नही की जा रही है।

500 से अधिक गौवंश के अवशेष मिलने पर गौ सेवकों में रोष ब्याप्त

● पुष्पांजली टुडे ब्यूरो मुरैना-कैलारस

मुरैना जिले की कैलारस तहसील पर आज विहिप बजरंग दल के द्वारा मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौपा गया।ज्ञापन में बजरंग दल ने दोषियों के खिलाफ दंडात्मक कार्यवाही करने की मांग की है।आप को बता दे कि 1 अप्रेल को श्मशान घाट के पास से नदी के किनारे जा रहे कुछ राहगीरों ने गो सेवको को यह सूचना दी की कैलारस कुंवारी नदी के किनारे बहुत बड़ी संख्या में गोवंश की हड्डियों के ढेर नदी किनारे लगे हुए हैं।इस बात की सूचना मिलते ही गो सेवको ने स्थानीय प्रशासन,ओर बेटनरी विभाग को सूचना दी। इसके बाद जब गौ सेवक नदी किनारे पहुंचे तो वहां पर उन्होंने देखा की वहां पर तकरीबन 500 से 600 गोवंश के अवशेष के ढेर लगे हुए थे। लेकिन इस बात की सूचना मिलने पर भी बेटनरी बिभाग की टीम मौके पर नही पहुँची। ओर स्थानीय

प्रशासन ने बिना डॉक्टरी रिपोर्ट के कार्यबाही करने से इंकार कर दिया।जिससे विश्व हिन्दू परिषद बजरंग दल के कार्य कर्ताओ एवं स्थानीय हिन्दू समाज मे भारी रोष व्याप्त है।इसी क्रम में आज विहिप बजरंग दल ने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौपा ज्ञापन सौपने वालो में पुष्पेंद्र सिकरवार (जिला सह मंत्री),सौरभ सिकरवार जिला अध्यक्ष करणी सेना ,भगवती उपाध्याय समाजसेवी,दिनेश जादोन,महेंद्र सिकरवार, पवन पारासर,संजय राठौर,(नगर मंत्री)प्रदीप बड़ेरिया, रोहित सिकरवार, अजय सिकरवार, दीपक सिकरवार, अभिषेक सिकरवार, जीत प्रजापति श्याम अग्रवाल सहित सेकड़ो की संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।पुष्पेंद्र सिकरवार ने कहा यदि दोषियों पर कार्यबाही नही की गई तो आगामी समय मे बजरंगदल उग्र आंदोलन करेगा जिसकी ज़िम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी।

महिला के विरुद्ध क्रूरता

भारतीय समाज के पुरुष-प्रधान होने की वजह से महिलाओं को बहुत अत्याचारों का सामना करना पड़ा है आमतौर पर महिलाओं को जिन समस्याओं से दो-चार होना पड़ा है उनमे प्रमुख है दहेज़-हत्या, यौन उत्पीड़न, महिलाओं से लूटपाट, नाबालिग लड़कियों से राह चलते छेड़-छाड़ इत्यादि। आमतौर पर महिलाओं को जिन समस्याओं से दो-चार होना पड़ा है उनमे प्रमुख है दहेज़-हत्या, यौन उत्पीड़न, महिलाओं से लूटपाट, नाबालिग लड़कियों से राह चलते छेड़-छाड़ इत्यादि।

सोनम भदौरिया
लेखिका

भारतीय दंड संहिता के अनुसार बलात्कार, अपहरण अथवा बहला फुसला के भगा ले जाना, शारीरिक या मानसिक शोषण, दहेज़ के लिए मार डालना, पत्नी से मारपीट, यौन उत्पीड़न आदि को गंभीर अपराध की श्रेणी में रखा गया है।

महिला हिंसा से जुड़े केसों में लगातर वृद्धि हो रही है और अब तो ये बहुत तेज़ी से बढ़ते जा रहे हैं।

राजधानी दिल्ली में 16 दिसम्बर 2012 निर्भया गैंग-रेप केस। 23 साल की लड़की से किये गए सामूहिक बलात्कार ने देश को झकझोर कर रख दिया था।

आज अगर इन बहुओं की रक्षा नहीं हुई तो इस देश में माताओं की पूजा करना व्यर्थ है, क्योंकि जहां नारी का सम्मान नहीं है, क्या हम उस देश में माताओं को सम्मान दे पाएंगे? क्योंकि महिलाओं के प्रति हिंसा से तात्पर्य महिलाओं के प्रति उनके निकट रिश्तेदारों जैसे- माता-पिता, भाई-बहन या ससुराल के किसी भी सदस्य या अन्य किसी व्यक्ति द्वारा किया जाने वाला हिंसात्मक व्यवहार व उत्पीड़न जो महिला को शारीरिक एवं मानसिक रूप से आघात पहुँचाता है जिन पुलिस पदाधिकारियों को

महिलाओं की रक्षा करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है उन्हें पर्याप्त रूप से सुग्राही बनाया जाना चाहिए। महिलाओं के प्रति अत्याचार से संबंधित मामलों पर कार्रवाई करने वाले पुलिस कार्मिकों को विशेष कानूनों में पर्याप्त रूप से प्रशिक्षित किया जाना चाहिए।

आज देश में नारी सुरक्षा एक चुनौती बनकर रह गयी है सरकार के वो बड़े बड़े दावे इन दुष्ट दानवो के आगे फुस्स होते नजर आ रहे हैं। हर रोज बड़े बड़े नेता बड़ी बड़ी बाते करते हैं और हर रोज इन जघन्य अपराधो के नए नए किस्से सामने आ रहे हैं. क्या भारत के इतने बुरे दिन आ गए हैं? कि हम देश वासी मिलकर अपनी बहु बेटियो कि रक्षा नहीं कर सकते?.. माँ दुर्गा, माँ काली को पूजे जाने वाले देश में नारी के ये अपमान क्या देश का और माँ का आपमान नहीं है?.. क्यों आज आज हम सब मिल कर नारी को सुरक्षित वातावरण नहीं दे पा रहे?. क्यों आज हर लड़की अपने ही शहर,अपने ही देश में अँधेरा होने के बाद भी आजाद से नही घूम सकती? अँधेरा तो छोड़िये आजकल तो दिन दहाड़े यहाँ तक कि अपने घर में भी लड़कियाँ सुरक्षित नही हैं.. जरा सोचिये ये दोष किसका है? आपका? हमारा? समाज का? या फिर उन लड़कियों का?,जो उड़ना चाहती हैं कुछ बनना चाहती हैं. क्यों आज भी कुछ लोग अपनी सीमित सोच के दायरे से बाहर नही आ रहे?..क्यों आज नही देश में लड़कियों को बस एक ही नजर से देखा जाता है?.

यकीन मानिए इसमें दोष मानवीय सोच का है. जो किसी न किसी रूप में लड़कियों की स्वतन्त्रता उनका स्वाभिमान बर्दाश्त नही कर पा रहा. जो इस देश को दीमक कि तरह खाये जा रहा है. आज देश को जरूरत है कट्टरवादी सोच के दायरे से निकालकर वक़्त के साथ आगे बढ़ने की. आखिर क्यों सरकार के इतने प्रयासों के बाद भी ये कुकृत्य रुकने का नाम नही ले रहे..एक किस्से पर मरहम भी नहीं लग पाता कि दूसरा किस्सा कालिख लिए हमारे देश की शान पर मलने को तैयार हो जाता है. लेख के परिणामस्वरूप के अंत में इतना ही कहना चाहेंगे कि आज जरूरत है जन चेतना की इन सब के खिलाफ आवाज उठाने की , क्यों की अगर आज हम अपनी जिम्मेदारी न समझ के पीछे हटे तो देश में नारियो का सम्मान वापस ला पाना नामुमकिन हो जायेगा...इसलिए आगे आईये,आवाज उठाईये, और अपने देश की आन,बान,और शान बचाइये... और इस स्वतंत्र भारत को सही मायने में सबके लिए स्वतंत्र बनाइये।

वैदिक ज्योतिष

सीमा राजावत
(एम.ए.ज्योतिष शास्त्र)

भारतीय संस्कृति वेदों पर आधारित है। वेदों में न सिर्फधार्मिक चिकित्सा विज्ञान,खगोल विज्ञान,भौतिक विज्ञान,रसायन विज्ञान जैसे पिषयों का विस्तृत वर्णन मिलता है। भारतीय ज्योतिष विद्या का जन्म भी वेदों से हुआ है। वेदों से जन्म लेने के कारण इसे वैदिक ज्योतिष भी कहा जाता है।

परिभाषा

वैदिक शास्त्र एक प्रकार का विज्ञान है जो आकाश में स्थित सूर्य,चंद्रमा,नौ ग्रहों और नक्षत्रों का अध्ययन करता है और पृथ्वी पर रहने वाले मनुष्यों के जीवन पर उसका क्या प्रभाव पडेगा बताता है। वैदिक ज्योतिष की गणना करते समय राशि चक्र,नवग्रह,जन्म राशि को आधार बनाया जाता है।

राशि और राशि चक्र

राशियों का निर्माण नक्षत्रों से हुआ है। तारा समूह को नक्षत्र कहते हैं। कुल नक्षत्रों की संख्या 27 है। प्रत्येक नक्षत्र 13 डिग्री 20 मिनट का होता है। राशि चक्र में प्रत्येक राशि में 30 डिग्री होती है। राशि चक्र में सबसे पहला नक्षत्र अश्विनी है।

नवग्रह

सूर्य,चंद्रमा,मंगल,गुरू,बुध,बृहस्पति,शुक्र,शनि,राहु और केतु को नवग्रह कहा गया है। सभी ग्रह अपने गोचर में भ्रमण करते हुए राशिचक्र में कुछ समय के लिए ठहरते हैं और राशि फल प्रदान करते हैं। राहु और केतु को आभासीय ग्रह माना जाता है। इनका वास्तविक अस्तित्व नहीं है। यह दोनों राशियां मंडल में गणितीय बिंदु के रूप में स्थित होती हैं।

लग्न और जन्म राशि

पृथ्वी अपने अक्ष पर 24 घंटे में एक चक्कर लगाती है जिससे दिन और रात पूरा होता है। पृथ्वी पश्चिम से पूरब दिशा में घूमती है। इस कारण सभी ग्रह,नक्षत्र और राशियाँ 24 घंटे में एक बार पूरव से पश्चिम दिशा में घूमती हुई दिखाई देती हैं।

जब कोई बालक जन्म लेता है उस समय अक्षांश और देशांतर में जो राशि पूर्व दिशा में उदित होती है। जन्म के समय चंद्रमा जिस राशि में बैठा होता है उस राशि को जन्म या चंद्र लग्न कहते हैं।

ग्रहों का प्रभाव

1. सूर्य ग्रह

सूर्य ग्रह को ऊर्जा,पराक्रम,सम्मान,पिता,आत्मा का कारक माना जाता है। सभी ग्रहों का राजा भी सूर्य है। सूर्य के प्रकाश से सभी ग्रह और तारा मंडल में प्रकाश होता है। जातक की कुंडल में जब सूर्य की स्थिति मजबूत होती है तो उसे बहुत से फायदे मिलते हैं। उसे नौकरी सम्मान और उच्च पद प्राप्त होता है। वह लीडर बनकर उभरता है।

2.चंद्र ग्रह

सभी ग्रहों में चंद्रमा को मन,माता,धन,जल और यात्रा का कारक माना जाता है। जिन जातकों का चंद्र पीडित या कमजोर होता हैउनका मन हमेशा व्याकुल रहता है। वे बेचैन दिखते हैं। जातक की कुंडली में जब चंद्रमा शुभ स्थान पर बैठा होता है। तो जातक का मनोबल बढा हुआ होता है।

वैदिक ज्योतिष के अनुसार जन्म के समय चद्रमा जिस राशि में स्थित होता है वह जातक की चंद्र राशि कहलाती है। चंद्र ग्रह कमजोर होने से व्यक्ति को मानसिक तनाव,डिप्रेशन,अवसाद जैसी समस्याओं का सामना करना पडता है।

3.मंगल ग्रह

ज्योतिष विज्ञान के अनुसार मंगल ग्रह को शक्ति,साहस,क्रोध,उत्तेजना,शस्त्र,छोटे भाई का कारक माना जाता है। जिन जातकों का मंगल अच्छा होता है वह स्वभाव से साहसी होते हैं। किसी से भी नहीं डरते। उन्हें युद्ध में विजय प्राप्त होती है,परंतु यदि जातक की कुंडली में मंगल शुभ स्थान पर बैठा है तो नकारात्मक फल देता है।

4.बुध ग्रह

बुध ग्रह को बुद्धि,मामा,गणित,तर्क शक्ति,संचार और मित्र का कारक माना गया है। बुध एक तटस्थ ग्रह है जो जिस ग्रह की संगति में आता है उसके अनुसार जातक को फल देता है। यदि जातक का बुध कमजोर है तो उसकी गणित,तर्क शक्ति,बुद्धि,संवाद में समस्या का सामना करना पडता है। बुध मजबूत होने पर जातक को इन समस्याओं का सामना नहीं करना पडता है।

5.बृहस्पति ग्रह

इस ग्रह को ज्ञान,धन,संतान,अध्ययन का कारक माना जाता है। इसे गुरू भी कहा जाता है। यह बहुत ही शुभ ग्रह माना जाता है। इसकी शुभता कम हो सकती है। खत्म नहीं होती है यदि जातक का गुरू कमजोर है तो उसका असर उसके ज्ञान,धन और संतान पर देखने को मिलता है।

6.शुक्र ग्रह

इस ग्रह को प्रेम, रोमांस, ऐश्वर्य, विलासिता, कामवासना, भौतिक सुख साधन, पति-पत्नि का संबंध, फैशन डिजाइन आदि का कारक माना जाता है। जिस जातक की कुंडली में शुक्र ग्रह अच्छा होता है वह सभी सुख सुविधा प्राप्त करता है।

7.शनि ग्रह

शनि ग्रह की चाल धीमी है। जातकों के राशि में यह अधिक समय तक रहता है। एक राशि में शनि करीब 2 से ढाई वर्ष तक रहता है। वैदिक ज्योतिष के अनुसार शनि रोग,पीढा,विज्ञान,लोहा,खनिज तेल, कर्मचारी, सेवक, जेल, आयु, दुख का कारक माना जाता है। जातक की कुंडली में यदि शनि अशुभ स्थान पर बैठा है तो नकारात्मक फल देता है।

8.राहु और केतु

इन दोनों ग्रहों को छाया ग्रह कहते हैं। उनका अपना कोई अस्तित्व नहीं है। अन्य ग्रहों की तरह इनमें कोई भार नहीं होता है। यह दोनों ग्रह सूर्य और चंद्रमा के साथ ग्रहण योग बनते हैं। राहु को भ्रम का कारक माना जाता है और केतु को चिंताओं का कारक माना जाता है। ज्योतिष शास्त्र को वेदांग में नेत्र की उपाधि प्रदान की गई है। जो मनुष्य ज्योतिष को अपने जीवन में जगह देता है। उस व्यक्ति को संघर्ष करने में सहयोग और कार्य में सफलता प्राप्त होती है। ज्योतिष शास्त्र जीवन का मार्ग दिखाने में एक सफल मार्गदर्शक की भूमिका निभाता है।

पुष्पांजली सार संग्रह

क्र	घटना	क्रम वर्ष
1.	जन्म	1869
2.	गॉधी जी की अफ्रीका यात्रा	1893
3.	गॉधी जी का पहला सत्याग्रह आंदोलन	1906
4.	गॉधी जी पहली बार जेल गए	1908
5.	गॉधी जी अफ्रीका से लौटे	1915
6.	साबरमती आश्रम की स्थापना	1916
7.	चंपारण सत्याग्रह आंदोलन	1917
8.	अहमदाबाद मिल मजदूर आंदोलन	1918
9.	खिलापत आंदोलन	1919
10.	असहयोग आंदोलन	1920
11.	असहयोग आंदोलन वापस	1922
12.	कांग्रेस की अध्यक्षता	1924
13.	दांडी यात्रा	1930
14.	सविनय अवज्ञा आंदोलन	1930
15.	गांधी इर्विन समझौता	1931
16.	द्वितीय गोलमेज सम्मेलन	1931
17.	पूना समझौता	1932
18.	हरिजन संघ की स्थापना	1932
19.	भारत छोडो आंदोलन	1942
20.	मृत्यु	1948

दस्तक प्रथा

अंग्रेजी कंपनी के कर्मचारी जो तरीका अपना कर भारत के व्यापारियों को लूटते थे उसे दस्तक प्रथा कहते थे। दस्तक वह प्रमाण पत्र था जो अंग्रेज फेक्ट्री का अध्यक्ष कंपनी के सामान के संबंध में देता था। जिससे उसपर चुंगी नहीं लगती थी। कंपनी के व्यापरी अपना निजी व्यापार करने लगे तथा निजी व्यापार में भी दस्तक का प्रयोग कर अपने माल को चुंगी से मुक्त करा लेते थे।

1717ई. में शाह फर्रूखसियर द्वारा कंपनी को दिये गये फरमान के अंतर्गत ढाई प्रतिशत चुंगी अदा न करने की छूट दी गई थी। कानूनी तौर पर यह छूट केवल कंपनी को ही प्राप्त हो सकती थी। लेकिन इस छूट का वेजा फायदा दो प्रकार से उठाया जाता था। पहले तो कंपनी के कर्मचारी दस्तक प्राप्त करके स्वयं बिना चुंगी दिये निजी व्यापार करते थे। फिर कंपनी इस प्रकार के दस्तक भारतीय व्यापारियों को भी बेच दिया करती थी। जिनके द्वारा वे लोग भी बिना चुंगी दिए व्यापार करते थे।

नवाब सिराजुद्दौला ने दस्तक का विरोध किया लेकिन प्लासी के युद्व के बाद दस्तक प्रथा और अधिक बढ गई। इस समय नवाब मीर जाफर नाम मात्र का शासक था। अन्त में इस प्रथा का फल यह हुआ कि इससे अधिक हानि भारतीय व्यापारियों को ही उठानी पडी और नवाब को भी राजस्व के बहुत बडे अंश से हाथ धाना पडा। मीर जाफर के पदच्युत किये जाने और मीर कासिम के पदारूढ किये जाने के बाद यह बुराई इतनी अधिक बढ गई कि 1762 में मीर कासिम ने कंपनी से कइका विरोध किया तथा मॉग की कि इसे रोका जाए। लेकिन कंपनी ने इस बात पर कोई ध्यान नहीं दिया।

परिणाम

मीर कासिम ने सभी के लिए पूरी चुगी माफकर दी। जिसमें सभी प्रकार के व्यापारियों को समान प्रकार का लाभ प्राप्त हो सके। इसका नतीजा यह हुआ कि कंपनी के कर्मचारियों को अपनी गैर कानूनी आमदनी का घाटा होने लगा। उन्होंने विशेष रूप से पटना के एलिस नामक कंपनी के कर्मचारी ने शस्त्र बल से अपने गैर कानूनी दावे को मनवाने का प्रयास किया। फलतः कंपनी ओर मीर कासिम में युद्व छिड गया। मीर कासिम लडाई में हारकर युद्व से भाग खडा हुआ। क्लाइव ने दूसरी बार बंगाल का गवर्नन नियुक्त होने पर दस्तक प्रथा से उत्पन्न बुराई को दूर करने और कर्मचारियों के निजी व्यापार को नियंत्रित करने का प्रयास किया। लेकिन अन्त में गवर्नन जनरल लार्ड कार्नवालिस के जमाने में ही यह बुराई पूरी तरह से समाप्त हो सकी।

राजपूत छात्रावास ग्वालियर में मध्य प्रदेश लेखक संघ की काव्य गोष्ठी आयोजित

राजपूत छात्रावास ग्वालियर में मध्य प्रदेश लेखक संघ की काव्य गोष्ठी संपन्न हुई। जिसकी अध्यक्षता कवियत्री श्रीमती कादंबरी आर्य ने की। मुख्य अतिथि के रूप में आपके आत्मीय कवि रामवरण ओझा को मंचस्थ किया गया।

विशिष्ट अतिथि के रुप में वरिष्ठ कवि श्री प्रकाश मिश्र जी थे। संचालन कवियत्री डॉक्टर मुक्ता सिकरवार जी ने सरस्वती वंदना के साथ किया और आभार एडवोकेट कवि श्री आलोक शर्मा जी ने माना। गोष्ठी में सर्व श्री कवि सुधीर चतुर्वेदी जी ,जगदीश गुप्त जी, राजेश अवस्थी लावा जी , विजय कृष्ण योगी जी, अनूप गुप्ता जी , श्रीमती जयमाला मिश्रा जी, श्रीमती अर्चना बामनगया जी ने काव्य पाठ किया। गोष्ठी में रामनवमी को ध्यान में रखकर के आध्यात्मिक ,सामाजिक रचनाएं पढ़ी गईं। आखिर में देश की जानी मानी कवियत्री माया गोविंद जी को दो मिनट का मौन धारण कर श्रद्धांजलि अर्पित की चित्र उसी अवसर के हैं।

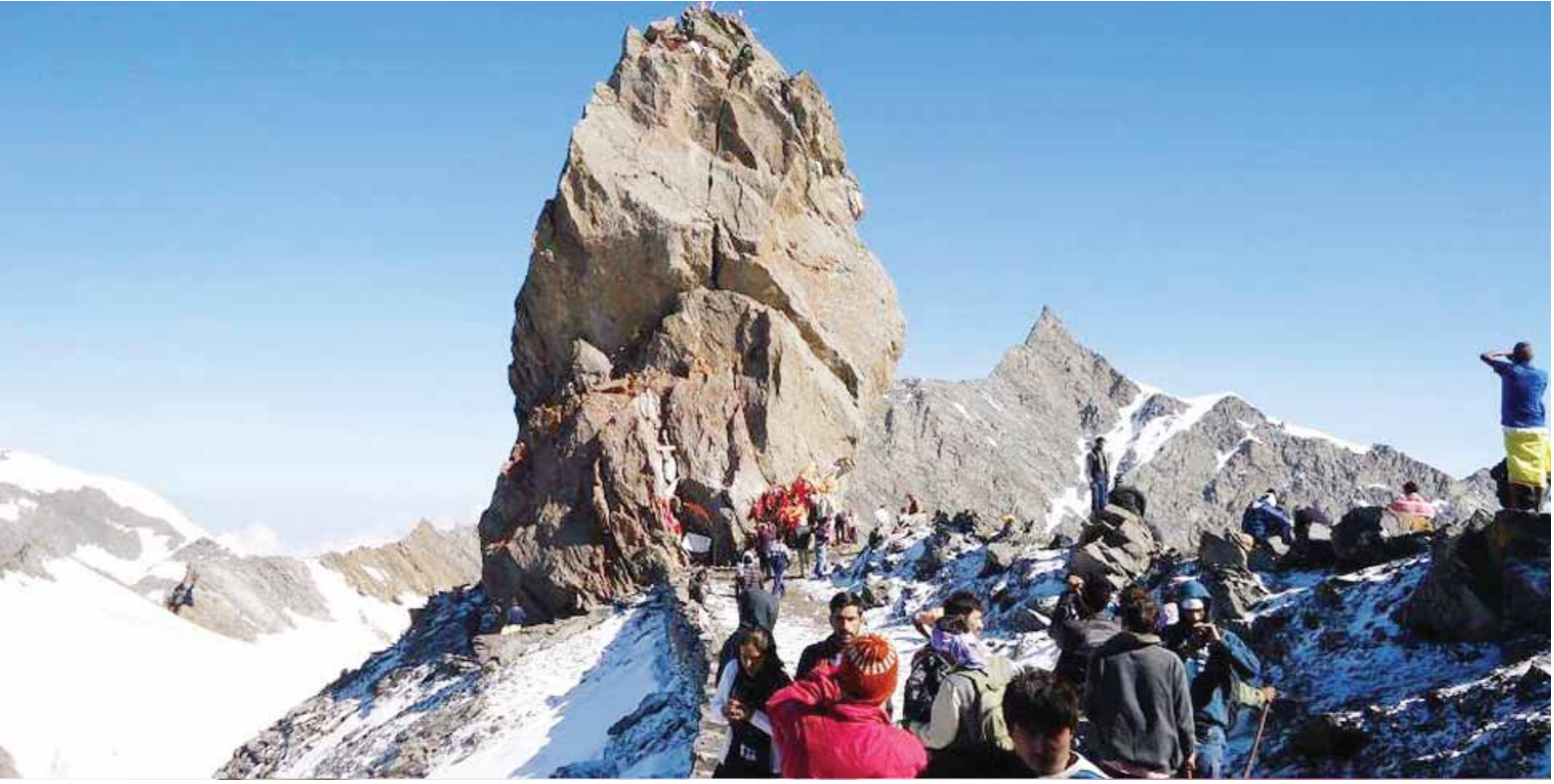

हिमालय की गोद में बसे हुए श्रीखंड महादेव

सम्पूर्ण भारत में महादेव के अनेक दर्शनीय स्थान हैं जैसे अमरनाथ,रामेश्वरम,काशी विश्व नाथ,महाकालेश्वर आदि। पर इन सबसे अलग है हिमालय की गोद में बसे हुए श्रीखंड महादेव । समुद्रतल से 18570 फीट पर विराजमान हैं। श्रीखंड महादेव की ऊंचाई लगभग 75 फीट है।

पौराणिक कथा

जब भस्मासुर महादेव को भस्म करने के लिए पीछे पड गया तब महादेव हिमालय में स्थित श्रीखंड पहाडी में जाकर छुप गये। भगवान विष्णु के द्वारा भस्मासुर का अंत करने के बाद महादेव इस पहाडी को खंडित करके बाहर आये थे। इसी कारण से इस पहाडी का नाम श्रीखंड माहदेव के नाम से जाना जाने लगा।

यात्रा की जानकारी

हिमाचल प्रदेश के शिमला के आनी उममंडल के निरमंड खं डमें स्थित है। श्रीखंड महादेव की यात्रा प्रतिवर्ष जुलाई माह में प्रारंभ होती है। इस यात्रा को प्रारंभ करने से पहले पंजीकरण कराना आवश्यक है। यात्रियों को यात्रा प्रारंभ होने के कुछ दिन पहले या यात्रा के समय भी यात्रियों को निरमंड तहसील के कार्यालय में 150 रू. देकर पंजीकरण कराना होगा। इस ट्रस्ट के द्वारा और प्रशासन के सहयोग से स्वास्थ्य और सुरक्षा की व्यवस्था की जाती है। यात्रा के दौरान कई स्थानों पर निःशुल्क रूकने की और भोजन की व्यवस्था की जाती है। कैंपों में डॉक्टर,पुलिस और रेस्क्यू की टीमें तैनात हैं।

कैंसे जाये

दिल्ली से शिमला,शिमला से रामपुर और रामपुर से निरमंड फिर निरमंड से बागीपुल और बागीपुल से जाओं,जाओं से श्रीखंड चोटी पहुँचा जाता है। श्रीखंड महादेव दिल्ली से लगभग 553 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।

पॉलीमर साइंस में बीटेक करने के बाद है शानदार करियर संभावनाएं

विदेश ही नहीं, भारत में भी कई पॉलिमर और पेट्रोकेमिकल इंडस्ट्रीज़ खुल चुकी हैं। नतीजतन, करियर विकल्प के रूप में केमिकल इंजीनियरिंग या पॉलिमर इंजीनियरिंग का महत्व कई गुना बढ़ गया है। अगर आप इस क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो 12वीं के बाद पॉलीमर साइस में बीटेक कर सकते हैं।

मौजूदा तकनीकी दौर में पॉलीमर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है। इनमें प्लास्टिक, मोल्डेड सामग्री, सिंथेटिक फाइबर, रबर आदि शामिल हैं। ईको-फ्रेंडली और रीसाइक्लेबल प्लास्टिक के साथ इन सभी पॉलीमर प्रोडक्ट्स के उचित प्रबंधन की आवश्यकता भी समय के साथ बढ़ रही है। यह काम पॉलिमर इंजीनियर्स करते हैं। वे प्लांट डिज़ाइन, प्रोसेस डिज़ाइन और थर्मोडाइनेमिक्स के सिद्धांतों का उपयोग करते हैं। विदेश ही नहीं, भारत में भी कई पॉलिमर और पेट्रोकेमिकल इंडस्ट्रीज़ खुल चुकी हैं। नतीजतन, करियर विकल्प के रूप में केमिकल इंजीनियरिंग या पॉलिमर इंजीनियरिंग का महत्व कई गुना बढ़ गया है। अगर आप इस क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो 12वीं के बाद पॉलीमर साइंस में बीटेक कर सकते हैं। आज के इस लेख में हम आपको पॉलीमर साइंस में बीटेक के बाद करियर अवसर के बारे में जानकारी देंगे- पॉलिमर इंजीनियरिंग में बी।टेक के बाद आप सरकारी फर्मों जैसे सेंट्रल ग्लास एंड सिरेमिक रिसर्च इंस्टीट्यूट, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, राउरकेला और सेंट्रल साल्ट एंड मरीन केमिकल्स रिसर्च इंस्टीट्यूट आदि में बतौर जूनियर रिसर्च फेलो काम कर सकते हैं। इन फेलोशिप कार्यक्रमों के लिए आवेदन करने

के लिए उम्मीदवारों को ह्ग्ङ्ग द्वारा आयोजित त्नष्ट-ह्वश्वङ्ग और त्नष्ट-ष्टस्ढ्ढक्र राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण करने की आवश्यकता है। कुल मिलाकर कम से कम 55त्न अंकों के साथ एम।टेक डिग्री प्राप्त करने के बाद कोई भी नेट के लिए बैठ सकता है। जिन उम्मीदवारों ने अपनी बी।टेक डिग्री में 60त्न अंक प्राप्त किए हैं, वे भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) में वैज्ञानिक या इंजीनियर के रूप में 40,000/- रुपये के मासिक वेतन के साथ काम कर सकते हैं। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन भी वैज्ञानिक बी पद की भूमिका में पॉलिमर इंजीनियरिंग स्नातकों की भर्ती करता है। इनके अलावा सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ प्लास्टिक इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, ब्रह्मपुत्र क्रैकर एंड पॉलीमर लिमिटेड (बीसीपीएल) जैसे संगठन भी पॉलीमर इंजीनियरिंग में बी।टेक स्नातकों को नियुक्त करते हैं। इनके अलावा स्नातक डिग्री धारक पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय, ऑयल इंडिया लेबोरेटरीज, पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग प्लांट्स और ऑयल एंड नेचुरल गैस कमीशन (ओएनजीसी) आदि विभागों में भी रोजगार पा सकते हैं। उम्मीदवार विभिन्न इंजीनियरिंग संस्थानों में लेक्चरर पद का विकल्प भी चुन सकते हैं। जर्मन आधारित कंपनी विंडमोलर एंड होल्शर, अक्सर अपने मैकेनिकल इंजीनियरिंग अनुभाग में संचालन करने के लिए पॉलीमर इंजीनियरों की भर्ती करती है। 7 से 8 साल के कार्य अनुभव वाले लोग एलाइड सॉल्यूशंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड में सेल्स/बिजनेस डेवलपमेंट सेक्शन में जा सकते हैं। यहाँ आप 35,000/- से रु। 50,000/- प्रति माह तक की सैलरी पा सकते हैं। अपोलो टायर्स लिमिटेड, सिएट लिमिटेड आदि जैसी टायर कंपनियों को भी पॉलीमर इंजीनियर्स की जरूरत है। पॉलीमर इंजीनियरिंग में स्नातकों के लिए क्वालिटी इंजीनियर, प्रोडक्शन इंजीनियर्स/टेक्नोलॉजिस्ट, पॉलीमर स्पेशलिस्ट आदि सामान्य जॉब प्रोफाइल हैं।

कक्षा 12वीं परीक्षा के दौरान विदेश में पढ़ाई के लिए बेस्ट टिप्स

अपने मनचाहे विश्वविद्यालय में प्रवेश पाने और वहां अपने समय का अधिकतम लाभ उठाने की संभावनाओं को बेहतर बनाने के लिए आपके लिए संस्थान के दृष्टिकोण के साथ-साथ दिए जाने वाले पाठ्यक्रमों से परिचित होना भी महत्वपूर्ण है।

विदेश में पढ़ाई करना जीवन भर का अनुभव हो सकता है, लेकिन इसमें पैसा भी खर्च हो सकता है। विदेश में अध्ययन की लागत की भरपाई करने का रहस्य यह याद रखना है कि आप विदेश में अध्ययन करने के लिए जो भुगतान करते हैं वह मन की शांति और सहजता के लिए है। विदेश में अध्ययन कार्यक्रम आपको आवास खोजने में मदद करने, विदेशी विश्वविद्यालयों में नामांकन में मदद करने या यहां तक कि आपकी वीजा प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिए अतिरिक्त शुल्क लेते हैं। इनमें से कुछ या सभी कार्यों को स्वयं करके आप विदेश में अपने अध्ययन के अनुभव को बहुत आसान बना सकते हैं।

भारत में कोविड-19 के प्रकोप की दूसरी लहर के कारण केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) कक्षा 12 की परीक्षाओं को हाल ही में स्थगित करने से आपकी विदेश में अध्ययन करने की योजनाएँ शायद बाधित हो गयी होंगी। लेकिन इस स्थिति से पैदा हुई परेशानिओं और

तनाव को अपने ऊपर हावी न होने दें। यहां कुछ टिप्स दिए गए हैं जिनका पालन करके आप इस साल 12वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा के बाद विदेशी विश्वविद्यालयों में उच्च अध्ययन के लिए खुद को तैयार कर सकते हैं।

उन पांच देशों की एक शॉर्टलिस्ट बनाने पर विचार करें जहां आप विदेश में अध्ययन करना चाहते हैं। इसके बाद उन देशों में सार्वजनिक विश्वविद्यालय की वेबसाइटों की जाँच करें कि क्या ट्यूशन की लागत आपके लिए अनुकूल है। इसके अलावा इन देशों में रहने की लागत को भी ध्यान में रखें।अपने मनचाहे विश्वविद्यालय में प्रवेश पाने और वहां अपने समय का अधिकतम लाभ उठाने की संभावनाओं को बेहतर बनाने के लिए आपके लिए संस्थान के दृष्टिकोण के साथ-साथ दिए जाने वाले पाठ्यक्रमों से परिचित होना भी महत्वपूर्ण है। कई विश्वविद्यालय अभी विशेष कार्यक्रमों की पेशकश कर रहे हैं और आपको समान नामों वाले कुछ पाठ्यक्रम मिल सकते हैं, लेकिन बहुत अलग पाठ्यक्रम और नौकरी की संभावनाओं के साथ। इसलिए अच्छी तरह से ये पता करें कि कौन सा कार्यक्रम आपके लिए सबसे उपयुक्त है।आप उन विश्वविद्यालयों में प्रवेश परामर्शदाताओं से बात करने के बारे में भी सोच सकते हैं, जिनके लिए आप आवेदन करने में रुचि रखते हैं, ताकि आप यह बेहतर तरीके से समझ सकें कि वहां अध्ययन करने का क्या मतलब होगा।अपनी पसंद के विश्वविद्यालय का चयन करने में वर्तमान छात्रों और पूर्व छात्रों से अधिक उनके अध्ययन के अनुभव पर सलाह लेने के लिए कौन बेहतर हो सकता है? उनके विचार और अनुभव से आपको यह समझने में मदद मिलेगी कि स्कूली जीवन कैसा होता है। ि

हॉलीवुड फिल्म में दीपिका

बॉलीवुड की डिंपल गर्ल दीपिका पादुकोण एक बार फिर हॉलीवुड फिल्म में काम करती नजर आ सकती है। दीपिका ने विन डीजल के साथ एक्सएक्सएक्स द रिटर्न ऑफ जेंडर केज में फीमेल लीड के रूप में हॉलीवुड में अपनी शुरूआत की थी। दीपिका एक बार फिर हॉलीवुड फिल्म में काम करती नजर आयेंगी। दीपिका क्रॉस कल्चरल रोमांटिक कॉमेडी में नजर आएंगी। इस फिल्म का अभी तक शीर्षक साझा नहीं किया गया है। इरोस एसटीएक्स ग्लोबल कॉरपोरेशन के एक डिवीजन एसटीएक्सफिल्म्स ने घोषणा की है कि कंपनी दीपिका के लिए एक रोमांटिक कॉमेडी वाली फिल्म बनाने जा रही है, जो अपने प्रोडक्शन बैनर के माध्यम से आगामी फिल्म का निर्माण भी करेगी।

कलौंजी से मिलेगी निखरी-निखरी त्वचा

कलौंजी एक्ने के लिए काल के समान है। अगर आपकी स्किन ऑयली है और आप एक्ने से परेशान रहते हैं तो इस पैक का इस्तेमाल करें। इसके लिए आप एक चम्मच कलौंजी पाउडर लें और इसमें आधा चम्मच नींबू के छिलके का पाउडर और एक चौथाई चम्मच एप्पल साइडर विनेगर डालकर मिक्स करें। अमूमन महिलाएं एक अच्छी स्किन पाने के लिए महंगे-महंगे प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करती हैं। लेकिन अच्छी त्वचा का राज आपकी किचन के अंदर ही है। किचन में ऐसे कई इंग्रीडिएंट्स होते हैं, जो आपकी स्किन के लिए वरदान समान होते हैं। इन्हीं में से एक है कलौंजी। कलौंजी के बीज स्किन पर किसी चमत्कार की तरह काम करते हैं। यह ना केवल एक्ने को दूर करते हैं, बल्कि स्किन के टेक्सचर को भी बेहतर बनाते हैं। इतना ही नहीं, अगर आप अपनी स्किन कॉम्पलेक्शन को बेहतर बनाना चाहते हैं तो भी आप कलौंजी का इस्तेमाल कर सकते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको फ्लॉलेस स्किन के लिए कलौंजी का इस्तेमाल करने के कुछ बेहतरीन आइडियाज के बारे में बता रहे हैं- अगर आप अनइवन स्किन टोन से लेकर

टैनिंग आदि से छुटकारा पाना चाहती हैं तो ऐसे में कलौंजी की मदद से स्क्रब बनाकर इस्तेमाल करें। इसके लिए पहले आप कलौंजी के बीजों को पीसकर उनका पाउडर बना लें। अब आप एक चम्मच कलौंजी का पाउडर लें और फिर उसमें एक चम्मच दूध को मिक्स कर लें। इसे अच्छी तरह मिक्स करें और फिर चेहरे और गर्दन पर लगाएं। अब, आप हल्के हाथों से मसाज करें और फिर नॉर्मल पानी से धो लें। अंत में, फेस को मॉइश्चराइज कर लें।

डायबिटीज के मरीजों के लिए फायदेमंद हैं ये फल और सब्जियां

डायबिटीज़ यानि शुगर की बीमारी आजकल बहुत आम हो गई है। बच्चे से लेकर बूढ़े तक, हर उम्र के लोग इस बीमारी की चपेट में आ रहे हैं। डायबिटीज में मरीज का ब्लड शुगर लेवल तेज़ी से बढ़ जाता है। डायबिटीज़ के मरीजों को अपने खानपान का ख़ास ख्याल रखना चाहिए। डायबिटीज़ के मरीजों को मीठा, तला-भुना, और ज़्यादा कैलोरी वाली चीज़ें खाने से परहेज करना चाहिए। लोगों में यह आम धारणा होती है कि डायबिटीज में वे बेझिझक फलों और सब्जियों का सेवन कर सकते हैं, जबकि ऐसा नहीं है। कुछ ऐसे फल और सब्जियां भी होते हैं जो डायबिटीज़ के मरीजों के लिए बहुत नुकसानदायक होते हैं। डायबिटीज़ के मरीजों को अधिक मीठे फलों के साथ-साथ स्टार्च वाली सब्जियों से परहेज करना चाहिए। इन फलों और सब्जियों में कार्बोहायड्रेट की मात्रा ज़्यादा होती है जिससे ब्लड शुगर लेवेल बढ़ जाता है। आज के इस लेख में हम आपको बताएंगे की डायबीटीज़ के मरीजों को कौन से फलों और सब्जियों का सेवन करना चाहिए-

अमरूद

अमरूद ना सिर्फ खाने में स्वादिष्ट होता है बल्कि यह हमारी सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद है। इसमें विटामिस सी, विटामिन ए, फॉलेट, पोटैशियम जैसे कई पोषक तत्व मौजूद होते हैं। अमरूद का ग्लाइकैमिक इंडेक्स लो होता है जो ब्लड शुगर को कंट्रोल में रखने में मददगार होता है। डॉक्टर्स के मुताबिक डायबिटीज के मरीज अमरुद का सेवन कर सकते हैं।

जामुन

डायबिटीज़ के मरीजों के लिए बेस्ट फ्रूट माना जाता है। जामुन के सेवन से ब्लड में शुगर के लेवल को नियंत्रित करने में मदद मिलती है। डॉक्टर्स के मुताबिक जामुन के बीजों का पाउडर बनाकर खाने से डायबिटीज के मरीजों को फायदा होता है।

कीवी

डायबिटीज के मरीजों के लिए कीवी का सेवन बहुत फायदेमंद होता है। इसमें विटामिन ए, विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट्स की भरपूर मात्रा होती है जो ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने में मददगार होते हैं। यह ब्लड शुगर या ग्लूकोज को एकदम से बढ़ने से रोकता है।

पुष्पांजली टुडे का मैग्जीन शूट सम्पन्न

ग्वालियर को आजकल फिल्मी दुनिया के नाम से जाना जाता है।हो भी क्यों न क्यों कि इन दिनों ग्वालियर में कई फिल्में,बेब सीरीज रोजाना शूट हो रही है ऐसा ही शूट सुलेखा ब्यूटी स्टूडियो में देखने को मिला जिसमे पुष्पांजली टुडे मैगजीन का शूट KDS Photography ,आदित्य क्रिएशन के द्वारा किया गया। इसमें शहर के कई जानी-मानी मॉडलों ने भी हिस्सा लिया और अलग से अलग यूनिक थीम पर मॉडल का मैगजीन शूट हुआ जिसमें ऑर्गेनाइजर आदित्य सक्सेना,अरविंद राठौर,वाह मेकअप आर्टिस्ट सुलेखा सिंह फैशन डिजाइनर एवं स्टाइल पार्टनर पूनम सिंह और मॉडलों में करिश्मा राजपूत,शिखा कुशवाह,स्वाति सना भारद्वाज,तनु सिंह,नैन्सी,आदि मौजूद रहीं।

पंजीयन क्र. 22550/18

पुष्पांजली

जनकल्याण फाउंडेशन

नीति आयोग, एम.एस.एम.ई (उद्योग आधार) 12A& 80G

पुष्पांजली जनकल्याण फाउंडेशन की ओर से

कृतिका शर्मा (गौरी) को

19 अप्रैल 2022

जन्मदिन की

हार्दिक शुभकामनाएं

समाजसेवा के क्षेत्र में समर्पण भाव से कार्य कर रही पुष्पांजली जनकल्याण फाउंडेशन

(आप भी जुड़े हमारे साथ)

94256-65944

जनसेवा ही ईश्वर सेवा है

कार्यालयः जी. एस. प्लाजा, गोले का मंदिर ग्वालियर मध्य प्रदेश हेल्पलाईनः 0751-4050784, 8269307478

Email-pushpanjalijkfoundation@gmail.com

श्री गणपति विहार फेस 1-

ग्वालियर की प्राइम लोकेशन पर प्लाट खरीदने का सुनहरा अवसर

ग्वालियर-शनिचरा चौराहे के पास पटरी रोड

Starting

PLOTS @ 3.36 लाख से

नवरात्री ऑफर

बेटी के नाम से बुकिंग पर 10% की छूट

- बामोर मार्केट - 5 Km
- ग्वालियर एयर पोर्ट- 3 Km
- सनीचरा स्टेशन -1 Km

तुरंत रजिस्ट्री । तुरंत पट्टा तुरंत पजेसन

9713253992

ब्रम्हाणी हॉस्पीटल

अच्छे स्वास्थ्य के बिना,
संसार के सब सुख व्यर्थ हैं.

विश्व स्वास्थ्य दिवस की शुभकामनाएं

सर्वसुविधाजनक

आयुष्मान कार्ड की सुविधा भी है

डॉ. ब्रजेश सिंह राजपूत
(बंटी), संचालक

विशेष सुविधाएं

* 24 घण्टे मेडीकल ऑफीसर एवं एम.एल.सी. सुविधा उपलब्ध
* आधुनिक गहन चिकित्सा कक्ष (आईसीयू) एवं वेंटिलेटर, वाईपेप, सी. पेप।
* स्ट्रोक यूनिट फालिस के मरीजों के लिये।
* न्यूरो सर्जरी एवं न्यूरोलॉजी की सुविधा
* सर्व सुविधायुक्त ऑपरेशन थियेटर
* महिलाओं से संबधित सीी तरह के ऑपरेशन एवं सुरक्षित प्रसव की सुविधा

महावीर सिंह भदौरिया
ब्राह्माणी सिविल टेक प्राइवेट लिमिटेड

अपील : कोरोना से बचाव के लिए मास्क लगाकर रखें, सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करें, घर में रहें स्वस्थ रहें।

माँ वैष्णोपुरम, गदाईपुरा ग्वालियर मध्य प्रदेश

7354900036, 8889437489